हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 6, अंकः 193, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 29 दिसम्बर, 2021 दिन बुधवार गाजीपुर/वाराणसी

प्रधानमंत्री मोदी ने कानपुर मेट्रो को दिखाई हरी झंडी

सीएम योगी बोले- यूपी सर्वाधिक मेट्रो संचालित वाला राज्य बना

कानपुर। आइआइटी के दीक्षा समारोह और मेट्रो में पहले यात्री के रूप में सफर करने के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने निराला नगर के जनसभा स्थल के मंच से रिमोट से बटन दबाकर कानपुर मेट्रो का लोकार्पण किया और हरी झंडी दिखाई तो आइआइटी स्टेशन पर तैयार खड़ी ट्रेन को रवाना कराया। इसके बाद बीना-पनकी बहुउत्पाद पाइप लाइन को भी राष्ट्र को समर्पित की। वहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बिठूर की शौर्य गाथा वाली शॉल और कानपुर मेट्रो का स्मृति चिह्न भेंट करके प्रधानमंत्री का स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि कानपुर मेट्रो के संचालन की शुरूआत के साथ यूपी अब सर्वाधिक मेट्रो वाले राज्य में शामिल हो गया है। कहा, इसकी शुरूआत इसलिए की गई है ताकि कानपुर में जाम मुक्त सड़के मिल सकें, सुविधा जनक आवागमन और प्रदूषण मुक्त यातायात मिल सके। उनके साथ केंद्रीय आवसन एवं शहरी कार्य तथा पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी, डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और प्रदेश के औद्योगिक विकास मंत्री सतीश महाना ने भी स्वागत किया। इससे पहले प्रधानमंत्री ने यहां पर सबसे पहले विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों से बातचीत शुरू की। लाभार्थियों के पास जाकर वह एक अभिभावक और संरक्षक की तरह लाभर्थियों से मिले और बड़ी तल्लीनता के साथ उनकी बात सुना और समझा। एक के बाद एक लाभार्थियों ने प्रधानमंत्री के सामने अपनी बात रखी और प्रधानमंत्री ने सभी को सफलता की बधाई दी और संकल्प कराया।

लाभार्थियों के आग्रह पर प्रधानमंत्री ने सेल्फी भी ली। इसके बाद प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री ने जनसभा स्थल पर मंच के पीछे बने सेफ हाउस में जनप्रतिधियों से वार्ता की। बारिश की वजह से बनाए गए वाटर प्रूफ पंडाल में लोगों की भीड़ प्रधानमंत्री का संबोधन सुनने का इंतजार कर रहे हैं। आइआइटी कानपुर के दीक्षा समारोह में डिग्रीधारी मेधावियों को कंफर्ट की बजाए चैलेंज चुनने का मंत्र देने के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आइआइटी मेट्रो स्टेशन पहुंचे और यहां मेट्रो एमडी कुमार केशव ने प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री का स्वागत किया। इसके बाद प्रधानमंत्री पहले यात्री बनकर मेट्रो ट्रेन में सवार हुए और गीतानगर स्टेशन तक सफर पूरा कर चुके हैं। गीतानगर स्टेशन पर मेट्रो ट्रेन से उतरकर व्यवस्थाओं का अवलोकन किया और बाहर आकर हाथ हिलाकर अभिवादन किया। यहां पर मौजूद फ्लीट और कड़ी सुरक्षा के बीच वह कार से निराला नगर मैदान में आयोजित होने वाली जनसभा में शामिल होने के लिए रवाना हो गए। इससे पहले वह आइआइटी स्टेशन पर प्रदर्शनी के माध्यम से कानपुर मेट्रो का अवलोकन किया और क्यूआर कोड टिकट लेकर मेट्रो में सवार हुए थे। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान के दीक्षा समोराह में बतौर मुख्य अतिथि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शिरकत कर चुके हैं। आइआइटी निदेशक अभय करींदकर ने स्मृति चिह्न भेंट करके उनका स्वागत किया।प्रधानमंत्री ने कहा कि ये दौर 21वीं सदी पूरी तरह टेक्नोलाजी वाला है, यह अलग अलग क्षेत्रों में अपना दबदबा बना रहा है। बिना टेक्नोलाजी के जीवन अधूरा है, अब जीवन और टेक्नोलाजी के स्पर्धा का युग है। आइआइटी टैलेंट और टेक्नोलाजी की इक्यूबेशन सेंटर हैं। प्रधानमंत्री ने सभागार में मौजूद डिग्री हासिल करने वाले छात्रों से कहा कि मेरा आप पर भरोसा है। और मै आज इतनी बातें कह रहा हूं, इतनी चीजें कर रहा हूं तो मुझे उनमें आपका चेहरा नजर आता है। आज देश में एक के बाद एक बदलाव हो रहे हैं। उनके पीछे आपका ही चेहरा नजर आता है। आज जो देश लक्ष्य प्राप्त कर रहा है, उसकी शक्ति आपसे ही मिले। आप ही हैं, जो करेंगे और आपको ही करना है। अनंत संभावनाएं आपके लिए ही हैं, आपको ही साकार करना है। देश जब आजादी के 100 वर्ष मनाएंगा। उस सफलता में आपके पसीने की महक होगी आपके परिश्रम की पहचान होगी। आप भली प्रकार जानते हैं, कि आपका काम आसान करने के लिए किस तरह से काम किया गया।

मालेगांव विस्फोट मामला: गवाह ने कहा- एटीएस और जांच एजेंसी ने प्रताड़ित किया

मुंबई। 2008 के मालेगांव धमाका मामले में नया मोड़ आ गया है। विशेष एनआईए अदालत में एक गवाह ने कहा है कि उसे एटीएस और बाद में मामले की जांच करने वाली एजेंसी ने प्रताड़ित किया था। उसने यह भी बताया कि एटीएस ने उसे इस मामले में योगी आदित्यनाथ और राष्ट्रीय

स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के चार अन्य लोगों का झूठा नाम लेने के लिए मजबूर किया था। 29 सितंबर, 2008 को मुंबई से लगभग 200 किलोमीटर दूर उत्तरी महाराष्ट्र के मालेगांव शहर में एक मस्जिद के पास एक मोटरसाइकिल से बंधे एक विस्फोटक के फट जाने की वजह से छह लोगों की मौत हो गई थी। इसके अलावा घटना में 100 से अधिक लोग घायल भी हो गए थे। मामले के अन्य आरोपियों में भोपाल से भाजपा सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर भी शामिल हैं।

ओमिक्रॉन की खतरनाक रफ्तार : देश में एक दिन में सबसे ज्यादा 135 मरीज मिले

नई दिल्ली। देश में कोरोना वायरस के ओमिक्रॉन वैरिएंट ने खतरनाक रफ्तार पकड़ ली है। सोमवार को एक दिन में सबसे ज्यादा 135 मामले दर्ज हुए हैं, जिससे कुल मरीजों की संख्या बढ़कर 687 हो गई। सोमवार को गोवा और मणिपुर में भी ओमिक्रॉन ने दस्तक दे दी। ओमिक्रॉन अब तक 21 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में फैल गया है। गोवा में ब्रिटेन से लौटा 8 साल का लड़का ओमिक्रॉन से संक्रमित मिला। गोवा के स्वास्थ्य मंत्री विश्वजीत राणे ने बताया कि यह लड़का 17 दिसंबर को ब्रिटेन से गोवा के लिए रवाना हुआ था। वहीं, मणिपुर में 48 साल का एक व्यक्ति ओमिक्रॉन संक्रमित मिला है। यह शख्स कुछ दिनों पहले ही तंजानिया से इम्फाल लौटा है। दिल्ली में सोमवार को ओमिक्रॉन के रिकॉर्ड 63 नए केस मिले, जो कि देश की किसी भी राज्य में एक दिन में मिले नए ओमिक्रॉन मरीजों की सबसे बड़ी संख्या है। राष्ट्रीय राजधानी में अब कुल ओमिक्रॉन संक्रमितों की संख्या 165 हो गई है। ओमिक्रॉन के सबसे ज्यादा केस महाराष्ट्र में हैं। यहां सोमवार को 26 नए केस मिले, जिससे कुल मरीजों की संख्या बढ़कर 167 हो गई। ओमिक्रॉन से सबसे ज्यादा प्रभावित राज्यों में 73 मामलों के साथ गुजरात तीसरे नंबर पर है। वहीं, केरल में 57 मामलों के साथ चौथे पायदान पर है। इसके अलावा सोमवार को गुजरात में

24, तेलंगाना में 12, राजस्थान में 3, उत्तराखंड में 3 और हरियाणा में 2 नए मामले रिपोर्ट हुए।

ओमिक्रॉन का पहला केस 2 दिसंबर को कर्नाटक में मिला- देश में ओमिक्रॉन का पहला केस 2 दिसंबर को कर्नाटक में मिला था। यहां दो विदेशी नागरिक ओमिक्रॉन से संक्रमित मिले थे। कर्नाटक के बाद ओमिक्रॉन ने गुजरात में दस्तक दी। अफ्रीकी देश जिम्बाब्वे से जामनगर लौटा गुजरात मूल का व्यक्ति ओमिक्रॉन पॉजिटिव मिला। गुजरात के बाद ओम्रिकॉन महाराष्ट्र पहुंच गया और 25 दिनों में ही 21 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में अपनी दस्तक दे दी। देश में ओमिक्रॉन का संक्रमण जिस तेजी से फैल रहा है, उसे देखते हुए कहा जा रहा है कि हम कोरोना की तीसरी लहर के मुहाने पर खड़े हैं। दरअसल, हेल्थ एक्सपर्ट्स का कहना है कि ज्यादातर ओमिक्रॉन संक्रमितों में लक्षण साफ तौर पर जाहिर नहीं हो रहे हैं। ऐसे में इस बात की भी आशंका जताई जा रही है कि ओमिक्रॉन के बहुत से मामले अभी पकड़ में ही नहीं आए हैं।

केंद्र ने कोरोना से जुड़ी पाबंदियां 31 जनवरी तक बढ़ाईं- ओमिक्रॉन के खतरे को देखते हुए केंद्र और राज्य सरकारें अलर्ट हो गई हैं। केंद्र ने कोरोना से जुड़ी पाबंदियों को 31 जनवरी, 2022 तक के लिए बढ़ा दिया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कहा कि इन गाइडलाइंस का सख्ती से पालन किया जाए, यह राज्य और केंद्र शासित प्रदेश सुनिश्चित करेंगे। इसमें लोकल और जिला प्रशासन से जरूरत पड़ने पर कंटेनमेंट से जुड़े कदम भी उठाने को कहा गया है।

पंजाब में कांग्रेस को बड़ा झटका, बाजवा के भाई सहित दो विधायक भाजपा में शामिल, क्रिकेटर मोंगिया भी बने भाजपाई

चंडीगढ़। पंजाब में कांग्रेस के बड़ा झटका लगा है। कादियां के कांग्रेस के विधायक व प्रताप सिंह बाजवा के छोटे भाई विधायक फतेहजंग बाजवा व विधायक

बलविंदर लाडी भाजपा में शामिल हो गए हैं। इसके अलावा क्रिकेटर दिनेश मोंगिया ने भी आज दिल्ली में भाजपा का दामन थाम लिया है। उक्त नेताओं के अलावा अकाली दल से तीन बार विधायक रहे गुरतेज गुढियान भी बीजेपी में शामिल हो गए हैं। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र शेखावत ने इन नेताओं को दिल्ली में पार्टी की सदस्यता दिलवाई। नवजोत सिंह सिद्धू ने पिछले दिनों बाजवा को कादियां से उम्मीदवार घोषित किया था। हालांकि प्रताप सिंह बाजवा भी कादियां सीट से दावा ठोक रहे थे। उनका कहना था कि वो कादियां से चुनाव लड़ेंगे, लेकिन किसके खिलाफ वो समय आने पर पता चलेगा। कैप्टन के करीबी हैं। इससे पहले राणा गुरमीत सिंह सोढ़ी ने भाजपा का दामन थामा था। भाजपा का दामन थामने के बाद पूर्व क्रिकेटर दिनेश मोंगिया ने कहा कि पंजाब के लोगों की सेवा करने के लिए उन्होंने भाजपा दामन थामा है। विकास के लिए लोगों के पास भाजपा के अलावा और कोई विकल्प नहीं है। बता दें, कृषि कानूनों की वापसी के बाद भाजपा ने पंजाब में अपनी गतिविधियां बढ़ा दी हैं। पार्टी लगातार राज्य में अपना कुनबा बढ़ा रही है। किसान आंदोलन के दौरान पंजाब मे भाजपा नेताओं का विरोध किया जा रहा था, लेकिन कानूनों की वापसी पंजाब में भाजपा के लिए संजीवनी बनी है। अब दूसरे दलों के नेता भाजपा से परहेज नहीं कर रहे। पंजाब विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा पहले ही पूर्व सीएम कैप्टन अमरिंदर सिंह की लोक कांग्रेस पार्टी के साथ गठबंधन कर चुकी है। भाजपा जिस तरीके से अपना कुनबा बढ़ा रही है और राज्य में अभुभवी नेताओं को अपने साथ जोड़ रही है उससे विधानसभा चुनावों में पार्टी अन्य दलों को बड़ी चुनौती दे सकती है।

ओमिक्रोन के बढ़ते खतरे के बीच दिल्ली में लागू हुई पाबंदियां, यलो अलर्ट जारी

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि राजधानी में कोरोना के मामले बढ़ रहे हैं। लोग लापरवाही कर रहे हैं। कुछ माह पहले हमने ग्रेडेड एक्शन रेस्पांस प्लान (ग्रेप) प्लान बनाया था, इस प्रावधान को लागू किया जा रहा है। ह सब आप लोगों के लिए जरूरी है। सभी लोगों को जिम्मेदारी निभानी है। कोरोना बचाव के नियमों का पालन करें, यह सब हम सभी के लिए जरूरी है। यह आप और आप के परिवार के लिए जरूरी है। दिल्ली में बढ़ रहे कोरोना के संक्रमण को लेकर समीक्षा बैठक के बाद मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कोरोना बचाव के नियमों को लागू कराने पर और ध्यान देने की बात कही। उन्होंने बैठक में लिए गए फैसलों के बारे में दी जानकारी। उन्होंने कहा कि बाजारों के वीडियो आ रहे हैं अत्यधिक भीड़ है, लोग कोरोना बचाव के नियमों का पालन नही कर रहे हैं। उम्मीद है कि लोग ऐसा नही करेंगे, नहीं तो मजबूर होकर हमें बाजार बंद करने होंगे। इससे लोगों की रोजी रोटी प्रभावित होगी। कोरोना से बचाव को लेकर सख्ती की जा रही है तो यह आप लोगों के लिए ही की जा रही है। आप लोगों को बचाने के लिए की जा रही है। उन्होंने कहा कि डरने की जरूरत नही है, जिम्मेदार बनने की जरूरत है, कोरोना के जो मामले बढ़ रहे है वे हल्के लक्षणों वाले हैं। अगर खतरे वाली कोई बात होगी तो सबसे पहले मैं आप लोगों को बताऊंगा। यहां पर बता दें कि कोरोना के नए मामलों के साथ ही दिल्ली में ओमिक्रोन का संक्रमण बढ़ना गंभीर चिंता की बात है। यह भी देखा जा रहा है कि पिछले दो दिनों में राजधानी दिल्ली में कोरोना संक्रमण दर 0.5 से अधिक रही है। यही नहीं, यहां कुल सक्रिय कोरोना मरीजों की संख्या भी बढ़कर 1289 हो गई है, जिनमें से 266 मरीज अस्पतालों में भर्ती हैं।

स्वतंत्रता आंदोलन में जिनकी कोई भूमिका नहीं, वो फैला रहे देश में नफरत, इनसे लड़ेगी कांग्रेस : सोनिया

नई दिल्ली। कांग्रेस के 137वें स्थापना दिवस के मौके पर पार्टी की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी ने कार्यकताओं को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन में जिनकी कोई भूमिका नहीं थी, वो आज देश में नफरत का माहौल बना रहे हैं। नफरत और पूर्वाग्रह में बंधी ये विभाजनकारी विचारधाराएं देश के धर्मनिरपेक्ष ताने-बाने पर कहर बरपा रही हैं। सोनिया गांधी ने आगे कहा कि ये विचारधाराएं एक ऐसे इतिहास को फिर से लिखने की कोशिश कर रही हैं, जो इसकी हकदार नहीं हैं। लोकतंत्र की परंपराओं को जानबूझकर नुकसान पहुंचाया जा रहा है। देश के लिए इन विनाशकारी विचारधाराओं से लड़ने के लिए कांग्रेस तैयार है।

पार्टी में फिर से जान फूंकने की कोशिश- लगातार दो लोकसभा चुनाव हारने और राज्यों में क्षेत्रीय दलों के आगे प्रभावहीन हो रही कांग्रेस, स्थापना दिवस के साथ ही नए सिरे से खुद को मजबूती देने जा रही है। स्थापना दिवस के मौके पर नेता और कार्यकताओं ने धरना-प्रदर्शन

और आंदोलन की रणनीति पर आगे बढ़ने का संकल्प लिया। कांग्रेस अब बेरोजगारी और सरकारी कंपनियों के निजीकरण के मुद्दे पर हल्ला बोलेगी।

गिरा कांग्रेस का झंडा- कांग्रेस के 137वें स्थापना दिवस समारोह में अजीब वाकया सामने आया। पार्टी कार्यालय पर स्थापना दिवस समारोह का आयोजन किया गया था, इसमें कांग्रेस के कई बड़े नेताओं के साथ कार्यकर्ता भी शामिल हुए थे। समारोह के दौरान जब कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ध्वजारोहण कर रही थीं, तो कांग्रेस का झंडा ही नीचे गिर गया।

फांसी पर चढ़ा दो, गांधीजी को गाली देने का कोई अफसोस नहीं : कालीचरण

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में आयोजित धर्म संसद में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी पर अपमानजनक टिप्पणी व अपशब्द कहने पर एफआईआर के बाद संत कालीचरण का एक और वीडियो सामने आया है। वीडियों में संत कालीचरण ने कहा कि उन्हें इसका कोई पश्चाताप नहीं है। मुझे मृत्युदंड भी स्वीकार है। फांसी पर भी चढ़ा दोगे तो भी मेरे सुर नहीं बदलेंगे। उन्होंने कहा कि करोड़ों साल से राष्ट्र है। 200 साल पहले आया व्यक्ति कैसे राष्ट्रपिता हो सकता है। इस वीडियो में भी उन्होंने नाथूराम गोडसे को फिर साष्टांग प्रणाम किया। उन्होंने कहा कि महात्मा, गांधीजी नहीं बल्कि नाथूरोम गोडसे है। धर्म की रक्षा और राष्ट्र को बचाने के लिए वे फांसी पर भी चढ़ने को तैयार हैं। बता दें कि रायपुर के रावणभाठा मैदान में रविवार शाम दो दिवसीय धर्म संसद के अंतिम दिन कालीचरण ने अपने वक्तव्य के दौरान राष्ट्रपिता के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की थी और उनके हत्यारे नाथूराम गोडसे को प्रणाम करते हुए उनकी प्रशंसा की थी। इसके बाद छत्तीसगढ़ सहित देश की सियासत गरमा गई है। भाजपा-कांग्रेस के नेताओं में आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मोहन मरकाम ने सिविल लाइन व नगर निगम के सभापति प्रमोद दुबे ने टिकरापारा थाने में शिकायत दर्ज कराई है। इस शिकायत के आधार पर कालीचरण बाबा पर अपराध किया गया है। अब कालीचरण ने सोशल मीडिया पर दूसरा वीडियो डालकर आग में घी डालने का काम कर दिया है। कालीचरण ने वीडियो में महात्मा गांधी के अलावा पंडित जवाहर लाल नेहरू पर भी टिप्पणी की है। रायपुर में अपने खिलाफ मामला दर्ज होने के बाद कालीचरण ने एक वीडियो जारी कर अपनी टिप्पणियों को फिर दोहराया है। वीडियो में कालीचरण ने कहा है, गांधी के बारे में अपशब्द बोलने के लिए मेरे खिलाफ प्राथमिकी हुई है।

NEET-PG काउंसलिंग में देरी पर डॉक्टरों का प्रदर्शन दिल्ली पुलिस पर लगाया लाठीचार्ज का आरोप

नई दिल्ली। NEET-PG 2021 काउंसलिंग में देरी को लेकर दिल्ली में बड़ी संख्या में रेजिडेंट डॉक्टरों ने प्रदर्शन किया। सोमवार रात हुए प्रदर्शन के दौरान पुलिस और दिल्ली के सरकारी अस्पतालों के डॉक्टरों के बीच झड़प हुई। डॉक्टरों का आरोप है कि पुलिस ने लाठीचार्ज किया। इसमें कई डॉक्टर घायल हुए हैं। वहीं, रेजिडेंट डॉक्टरों ने कहा कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं हो जाती, वे अपना आंदोलन जारी रखेंगे। सफदरजंग अस्पताल में मंगलवार को रेजिडेंट डॉक्टरों की हड़ताल जारी है। दिल्ली के जीबी पंत अस्पताल में एक मरीज ने बताया कि ओपीडी में डॉक्टर नहीं हैं। बड़ी संख्या में मरीज इलाज का इंतजार कर रहे हैं। विरोध प्रदर्शन की वजह से ओपीडी सेवाएं बुरी तरह प्रभावित है। वहीं, AIIMS के रेजिडेंट डॉक्टरों ने भी सोमवार रात के मार्च के दौरान डॉक्टरों पर पुलिस कार्रवाई का विरोध किया। सफदरजंग अस्पताल में प्रदर्शन कर रहे एक डॉक्टर ने बताया, आज सभी रेजिडेंट डॉक्टर हेल्थ मिनिस्टर से मिलने जाएंगे। इसके अलावा हम एडिशनल DCP रोहित मीना को ससपेंड करने की मांग कर रहे हैं। डॉक्टर ने कहा कि रोहित मीना ने अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया और प्रदर्शन कर रहे डॉक्टरों पर

लाठीचार्ज करवाई। FORDA ने एक बयान जारी कर मार्च के दौरान पुलिस पर लाठीचार्ज का आरोप लगाया। सोमवार रात को जारी बयान में कहा गया, "आज से सभी मेडिकल संस्थानों को पूरी तरह से बंद कर दिया जाएगा। हम इस क्रूरता की कड़ी निंदा करते हैं और FORDA प्रतिनिधियों और रेजिडेंट डॉक्टरों की तत्काल रिहाई की मांग करते हैं।" फेडरेशन ऑफ रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन के महासचिव डॉ. कुल सौरभ कौशिक ने कहा, हमने अपनी मांगें पूरी होने तक सफदरजंग अस्पताल से अपना विरोध जारी रखने का फैसला किया है। वहीं, फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया मेडिकल एसोसिएशन ने दिल्ली पुलिस की कार्रवाई के विरोध में 29 दिसंबर की सुबह 8 बजे से देश भर में सभी स्वास्थ्य सेवाओं को बंद रखने का ऐलान किया है। एक प्रदर्शनकारी ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट की तरफ रात के मार्च के दौरान दिल्ली पुलिस ने कई रेजिडेंट डॉक्टरों को हिरासत में लिया। वहीं, दिल्ली पुलिस ने बताया कि डॉक्टरों के विरोध प्रदर्शन के दौरान 7 पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। दिल्ली पुलिस ने ड्यूटी में बाधा डालने और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के आरोप में डॉक्टरों पर धारा 188 सहित कई धाराओं के तहत FIR दर्ज की है।

देश को 2 नई कोरोना वैक्सीन मिलीं, कोबेवैक्स और कोवोवैक्स के इमरजेंसी यूज को मंजूरी

नई दिल्ली। ओमिक्रॉन के बढ़ते खतरे के बीच स्वास्थ्य मंत्रालय ने कोरोना की 2 नई वैक्सीन और एक एंटी-वायरल ड्रग्स के इमरजेंसी इस्तेमाल को मंजूरी दे दी है। स्वाथ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने इस फैसले पर देश को बधाई दी है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने दो वैक्सीन कोबेवैक्स, कोवोवैक्स और एंटी-वायरल ड्रग मोलनुपिराविर के इमरजेंसी यूज की मंजूरी दी है। स्वास्थ्य मंत्री मांडविया ने ट्वीट करके बताया कि कोबेवैक्स भारत में बनी पहली 'RBD प्रोटीन सब-यूनिट वैक्सीन' है। इसे हैदराबाद स्थित फर्म बायोलॉजिकल-ए ने तैयार किया है। उन्होंने कहा कि यह हैट्रिक है। कोरोना की अब तक तीन वैक्सीन भारत में बनाई जा चुकी हैं। दो अन्य टीके जो भारत में बने हैं, उनमें भारत बायोटेक की कोवैक्सीन और सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया की कोवीशील्ड शामिल है। मंडाविया ने कहा, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोरोना के खिलाफ लड़ाई का नेतृत्व सामने आकर किया है। इन सभी मंजूरियों से कोरोना महामारी के खिलाफ वैश्विक लड़ाई को और मजबूती मिलेगी। हमारी फार्मा इंडस्ट्री दुनिया के लिए संपत्ति है। सर्वे भवन्तु सुखः सेवा सन्तु निरमयाः।' नैनोपार्टिकल वैक्सीन कोवेवैक्स का निर्माण पुणे स्थित SII की ओर से किया जाएगा। वहीं, एंटी-वारयल ड्रग मोलनुपिराविर को देश में 13 कंपनियां बनाएंगी। कोविड के गंभीर एडल्ट मरीजों में इमरजेंसी के हालात में इस ड्रग का इस्तेमाल होगा। भारत में अब तक कोरोना की 8 वैक्सीन्स को ड्रग रेगुलेटर की ओर से इमरजेंसी यूज की मंजूरी मिल चुकी है। इनमें कोवीशील्ड, कोवैक्सीन, ZyCoV-D, स्पूतनिक श, मॉडर्ना, जॉनसन एंड जॉनसन, कोबेवैक्स और कोवोवैक्स शामिल हैं। देश में बीते दिन कोरोना के 6,358 नए केस मिले और 6,450 मरीज ठीक हुए।

चिंतन मनन

रक्षा क्षेत्र में बड़ी पहल

एक समय में भारत अधिकांश रक्षा उपकरणों का आयात करता था, लेकिन अब वह रक्षा क्षेत्र में निर्यातक की बड़ी भूमिका में आ गया है। भारत और रूस के बीच इसी महीने की शुरूआत में हुए 2+2 डायलॉग में देश से बाहर हथियारों के निर्माण को लेकर सहमति बनी है। इसे लेकर कोई करार नहीं हुआ है, लेकिन दोनों देशों के बीच नॉन-पेपर एक्सचेंज हुआ है। इसके तहत सेंट्रल एशिया के देशों कजाखस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान और उज्बेकिस्तान में हथियारों के उत्पादन का प्रस्ताव है। यह उत्पादन इन देशों में स्थित सोवियत काल की फैक्ट्रियों में ही किया जाएगा। दोनों देशों के बीच इसे लेकर सहमति बनी है और आने वाले दिनों में इस प्रस्ताव पर आगे बढ़ सकते हैं। बता दें कि पीएम नरेंद्र मोदी सेंट्रल एशिया के देशों को भारत के विस्तृत पड़ोसियों को दर्जा देते रहे हैं। हाल ही में इन देशों के विदेश मंत्रियों की मीटिंग भी दिल्ली में बुलाई गई थी। इस बैठक में अफगानिस्तान को लेकर चर्चा हुई थी, जिसे लेकर कहा जा रहा है कि भारत एक बार फिर से अपनी पैठ पड़ोसी मुल्क में मजबूत करने की स्थिति में आ गया है। अब यदि सेंट्रल एशिया के देशों में भारत हथियारों के उत्पादन का काम करता है तो यह बड़ी सफलता होगी। इसकी वजह यह है कि भारत लंबे समय से हथियारों के आयातकर्ता की बजाय एक्सपोर्टर बनना चाहता है, इस लिहाज से सेंट्रल एशिया के देशों में हथियार उत्पादन बड़ी सफलता होगी। सेंट्रल एशिया के ज्यादातर देशों में रूस के ही हथियारों का इस्तेमाल होता है। अब यहां की सोवियत काल की फैक्ट्रियों में भारत के साथ मिलकर रूस हथियारों का उत्पादन करेगा। कहा जा रहा है कि यहां बने हथियारों को सेंट्रल एशिया के देशों को दिया जाएगा। इसके अलावा भारत की जरूरतें भी पूरी हो सकेंगी। दशकों से भारतीय सेना में भी रूस के बने कई हथियारों, मिलिट्री वाहनों और अन्य उपकरणों का इस्तेमाल किया जाता रहा है। हथियारों के निर्यातक देश बनने की दिशा में भारत के लिए यह अहम कदम होगा। इसके साथ ही भारत को सेंट्रल एशिया के मुस्लिम बहुल देशों में अपनी पैठ मजबूत करने में मदद मिलेगी। इससे अफगानिस्तान में भी भारत मजबूत स्थिति में आ सकेगा। रूस के जरिए अफगानिस्तान में भारत की एंट्री पाकिस्तान को भी चिढ़ाने वाली होगी। आज हमारे देश की अनेक सरकारी कंपनियां विश्व स्तर के हथियार बना रही हैं और भारत विश्व के 42 देशों को रक्षा सामग्री निर्यात कर रहा है। आत्मनिर्भर भारत की लक्ष्य प्राप्ति के लिए मेक इन इंडिया से आगे मेक फॉर वर्ल्ड की नीति पर चलते हुए केंद्र सरकार ने 2024 तक 35 हजार करोड़ रुपए का सालाना रक्षा निर्यात का लक्ष्य रखा है। वास्तव में भारत की सामरिक स्वायत्तता बनाए रखने के लिए रक्षा उपकरणों के उत्पादन में आत्मनिर्भरता हासिल करना महत्वपूर्ण है। कोरोना संकट ने भारतीय अर्थव्यवस्था को भी नुकसान पहुंचाया है। अब समय आ गया है कि भारत हर क्षेत्र में स्वदेशी प्रौद्योगिकी विकसित करे, क्योंकि अब भी भारत अपनी रक्षा जरूरतों का लगभग 60 प्रतिशत सामान आयात करता है, साथ ही मैन्युफैक्चरिंग, इलेक्ट्रॉनिक सहित कई क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर आयात होता है। देश में प्रौद्योगिकी के स्तर पर कोरोना संकट के बाद अब बदले हुए भारत की कल्पना करनी होगी, जिसमें हर क्षेत्र में स्वदेशी प्रौद्योगिकी विकसित करते हुए देश को मैन्युफैक्चरिंग का हब बनाना होगा। कोरोना संकट की वजह से दुनिया के अधिकांश देश चीन के खिलाफ हैं और चीन से अपनी मैन्युफैक्चरिंग हटाना चाहते हैं। ऐसे में भारत के लिए यह एक बड़ा अवसर है कि वह इन कंपनियों को भारत में काम करने का मौका दे और साथ में अपनी खुद की स्वदेशी तकनीक और प्रौद्योगिकी विकसित करे। आज हमारे देश की अनेक सरकारी कंपनियां विश्व स्तर के हथियार बना रही हैं और भारत विश्व के 42 देशों को रक्षा सामग्री निर्यात कर रहा है। हमारे घरेलू उद्योगों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी जोरदार उपस्थिति दर्ज कराई है, इसलिए देश की जरूरतों को पूरा करने के लिए भारतीय उद्योग के कौशल संसाधनों और प्रतिभाओं का बेहतर उपयोग करना जरूरी है, क्योंकि आयातित टेक्नोलॉजी पर हम ब्लैकमेल का शिकार भी हो सकते हैं।

करें त्वरित इलाज !

ना जाओ हड़ताल पर ।
तड़प रहे हैं लोग ।।
समय और सेवा का ।
हो पूरा उपयोग ।।
छोटी-छोटी बातों को ।
करें नजरअंदाज ।।
रहे आपको खोज वो ।
करें त्वरित इलाज ।।
मानवता की करनी सेवा ।
मिला आपको काम ।।
रहे निहार आपको ।
लोग इधर तमाम ।।
हुई बदसलूकी है ।
करते हैं हम निंदा ।।
कुछ तत्वों ने शायद ।
किया है काम गंदा ।।

-कृष्णेन्द्र राय

संत क्यों करें हिंदुत्व की बदनामी ?

देश के कुछ शहरों से ऐसे बयानों और घटनाओं की खबरें आज देखकर चिंता हुई कि जिन्हें सख्ती से नहीं रोका गया तो वे भारत में सामाजिक कोहराम मचा सकती हैं। सच पूछा जाए तो वे भारत और हिंदुत्व, दोनों की बदनामी का कारण बन सकती हैं। पहले हम यह देखें कि वे क्या हैं? हरिद्वार में निरंजनी अखाड़े की महामंडलेश्वर अन्नपूर्णा और हिंदू महासभा के नेता धर्मदास ने इतने आपत्तिजनक बयान दिए हैं कि अब पुलिस उनके खिलाफ बाकायदा जांच कर रही है। उनमें से एक ने कहा है कि हिंदू लोग किताबों को कोने में रखें और मुसलमानों के खिलाफ हथियार उठाएं। दूसरे ने कहा कि भारत में बसे पाकिस्तानियों की वजह से हिंदू पूजा-पाठ में बाधा होती है और पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहनसिंह– जैसे लोगों का वध कर दिया जाना चाहिए। यह कितने शर्म की बात है। एक और हिंदू संत ने कहा है कि इस समय भारत में श्रीलंका के तमिल आतंकवादी प्रभाकरन और भिंडरावाले जैसे लोगों की जरुरत है। इसी तरह के लोगों ने अंबाला के एक प्रसिद्ध और पुराने गिरजाघर में घुसकर ईसा मसीह की मूर्ति को तोड़ दिया। गुड़गांव में भी गिरजे में घुसकर तथाकथित हिंदूवादियों ने क्रिसमस के उत्सव को भंग कर दिया। ऐसा ही पिछले साल असम में कुछ लोगों ने किया था। रायपुर में आयोजित धर्म-संसद में अधर्म की कितनी घृणित बात हुई है। इस संसद में 20 संप्रदायों के मुखिया और कांग्रेस व भाजपाई नेताओं ने भी भाग लिया था। उनमें से ज्यादातर लोगों के भाषण तो संतुलित, मर्यादित और धर्मसंगत थे लेकिन अपने आपको हिंदू संत बतानेवाले दो वक्ताओं ने ऐसे भाषण दिए, जिन्हें सुनकर सारी संताई चूर-चूर हो जाती है। एक संत ने गांधीजी की हत्या को ठीक बताया और नाथूराम गोड़से की तारीफ की। उन्होंने मुसलमानों पर इल्जाम लगाया कि वे भारत की राजनीति को काबू करने में लगे हुए हैं। किसी अन्य संत ने हिंदुओं के शस्त्रीकरण की भी वकालत की। उन्होंने सारे धर्म-निरपेक्ष लोगों को हिंदू विरोधी बताया। पता नहीं, ये संत लोग कितने पढ़े-लिखे हैं? क्या उन्हें पता नहीं है कि हमारे राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मंत्री और सभी सांसद उस संविधान की रक्षा की शपथ लेते हैं, जो धर्म-निरपेक्ष है? ये लोग अपने आपको संत कहते हैं तो क्या इनका बर्ताव संतों की तरह है? ये तो अपने आपको उग्रवादी नेताओं से भी ज्यादा नीचे गिरा रहे हैं। ये समझते हैं कि ऐसी उग्रवादी और हिंसक बातें कहकर वे हिंदुत्व की सेवा कर रहे हैं लेकिन भारत के मुट्ठीभर हिंदू भी उनसे सहमत नहीं हैं। उनके ऐसे निरंकुश बयानों से हमारे देश के मुसलमानों और ईसाइयों में भय और कट्टरता का संचार होता है। अपने तथ्यों और तर्कों के आधार पर किसी भी मजहब या संप्रदाय की समालोचना करने में कोई बुराई नहीं है, जैसे कि महापंडित महर्षि दयानंद किया करते थे लेकिन घृणा और हिंसा फैलाने से बड़ा अधर्म क्या है?

खूबसूरत साड़ी ही काफी नहीं

सिर्फ खूबसूरत साड़ी खरीद लेने भर से बात नहीं बनती। इस पारंपरिक भारतीय परिधान की खूबसूरती का काफी दारोमदार ब्लाउज पर भी है। अब सवाल यह है कि ब्लाउज कैसा बनवाया जाए? ब्लाउज बनवाने के लिए माप देते वक्त किन-किन बातों को ध्यान में रखा जाए। किसी भी साड़ी या लहंगे जैसी ड्रेस की लुक का सारा दारोमदार उसके साथ पहने जाने वाले ब्लाउज की लुक पर निर्भर करता है। मान लीजिए आपने बेहद खूबसूरत लहंगा खरीदा है, लेकिन अगर उसके साथ के ब्लाउज की फिटिंग ठीक नहीं है, तो उस लहंगे की चमक फीकी पड़ जाएगी। हर बॉडी शेप के हिसाब से अलग-अलग कट के ब्लाउज बनाए जाते हैं। इसलिए अपनी कद-काठी के हिसाब से ही अपने लिए सही स्टाइल का चुनाव करें, साथ ही इस बात पर भी विशेष ध्यान दें कि ब्लाउज के नीचे लाइनिंग (अस्तर) कैसा लगाया जा रहा है। लाइनिंग का ब्लाउज की फिटिंग पर गहरा प्रभाव पड़ता है। इसके अलावा अपने ब्लाउज में हमेशा इतना अतिरिक्त कपड़ा जरूर रखवाएं कि जरूरत के हिसाब से भविष्य में उसे ढीला या कसा जा सके। अगर आपका लहंगा और दुपट्टा, दोनों बहुत भारी हैं तो बेहतर होगा कि ब्लाउज हल्का ही रखें। पूरे ब्लाउज पर काम करवाने की बजाय सिर्फ गले और बाजुओं पर खूबसूरत काम (डिटेलिंग) करवाएं, क्योंकि दुपट्टा लेने के बाद सिर्फ गले और बाजू का हिस्सा ही नजर आता है और ब्लाउज जितना हल्का होगा, उतना ही पहनने में भी आरामदायक रहेगा। दरअसल, ब्लाउज पर जरूरत से ज्यादा काम करवाने से कपड़ा लटकने लगता है और फिटिंग भी ठीक नहीं आती। नतीजतन या तो ब्लाउज का गला लटकने लगता है या फिर बाजुएं चुस्त फिटिंग की नहीं बन पाती, जो देखने में बहुत भद्दा लगता है। आपके ब्लाउज की पूरी लुक का पसंद किया जाना बहुत हद तक इस बात पर भी निर्भर करता है कि आप दुपट्टा कैसे लेने वाली हैं। मान लीजिए, ब्लाउज आपने बहुत हैवी वर्क का बनवा लिया है और उतना ही काम दुपट्टे पर भी है, तो संभव है कि दुपट्टा ब्लाउज में उलझता रहे। यह देखने में बहुत अटपटा सा लगेगा। या फिर वेलवेट के दुपट्टे के साथ वेलवेट का ही हैवी वर्क वाला ब्लाउज, कुछ खास नहीं लगेगा, क्योंकि ब्लाउज का सारा काम तो दुपट्टे के नीचे ही छिप जाएगा। इसलिए दुपट्टा हमेशा ऐसे पहनें कि ब्लाउज की खूबसूरती निखर कर आए। वैसे आजकल हैवी ब्लाउज के साथ नेट के चौड़े बॉर्डर वाले दुपट्टे बहुत चलन में हैं।

कांग्रेस का आजादी व देश के विकास में योगदान अहम !

कांग्रेस का स्वर्णिम इतिहास देश के स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास के साथ जुड़ा हुआ है। इसका गठन सन 1885 में हुआ, जिसका श्रेय एलन ऑक्टेवियन ह्यूम को जाता है। एलेन ओक्टेवियन ह्यूम का जन्म सन1829 को इंग्लैंड में हुआ था। वह अंग्रजी शासन की सबसे प्रतिष्ठित 'बंगाल सिविल सेवा' में पास होकर सन 1849 में ब्रिटिश सरकार के एक अधिकारी बने।सन 1857 की गदर के समय वह इटावा के कलक्टर थे। लेकिन ए ओ ह्यूम ने खुद ब्रटिश सरकार के खिलाफ आवाज उठाई और सन1882 में पद से अवकाश ले लिया और कांग्रेस यूनियन का गठन किया। उन्हीं की अगुआई में मुंबई में पार्टी की पहली बैठक हुई थी। शुरूआती वर्षों में कांग्रेस पार्टी ने ब्रिटिश सरकार के साथ मिल कर भारत की समस्याओं को दूर करने की कोशिश की और इसने प्रांतीय विधायिकाओं में हिस्सा भी लिया। लेकिन सन1905 में बंगाल के विभाजन के बाद पार्टी का रुख कड़ा हुआ और अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ आंदोलन शुरू हए।इसी बीच महात्मा गाँधी भारत लौटे और उन्होंने खिलाफत आंदोलन शुरू किया। शुरू में बापू ही कांग्रेस के मुख्य विचारक रहे। इसको लेकर कांग्रेस में अंदरुनी मतभेद गहराए। चित्तरंजन दास, एनी बेसेंट, मोतीलाल नेहरू जैसे नेताओं ने अलग स्वराज पार्टी बना ली।साल 1929 में ऐतिहासिक लाहौर सम्मेलन में जवाहर लाल नेहरू ने पूर्ण स्वराज का नारा दिया। पहले विश्व युद्ध के बाद पार्टी में

महात्मा गाँधी की भूमिका बढ़ी, हालाँकि वो आधिकारिक तौर पर इसके अध्यक्ष नहीं बने, लेकिन कहा जाता है कि सुभाष चंद्र बोस को कांग्रेस से निष्कासित करने में उनकी मुख्य भूमिका थी।स्वतंत्र भारत के इतिहास में कांग्रेस सबसे मजबूत राजनीतिक ताकत के रूप में उभरी। महात्मा गाँधी की हत्या और सरदार पटेल के निधन के बाद जवाहरलाल नेहरु के करिश्माई नेतृत्व में पार्टी ने पहले संसदीय चुनावों में शानदार सफलता पाई और ये सिलसिला सन 1967 तक लगातार चलता रहा। पहले प्रधानमंत्री के तौर पर जवाहर लाल नेहरू ने धर्मनिरपेक्षता, आर्थिक समाजवाद और गुटनिरपेक्ष विदेश नीति को सरकार का मुख्य आधार बनाया जो कांग्रेस पार्टी की पहचान बनी।नेहरू की अगुआई में सन1952, सन1957 और सन1962 के लोकसभा चुनावों में कांग्रेस ने अकेले दम पर बहुमत हासिल करने में सफलता पाई। सन1964 में जवाहरलाल नेहरू के निधन के बाद लाल बहादुर शास्त्री के हाथों में कमान सौंप गई लेकिन उनकी भी सन 1966 में ताशकंद में रहस्यमय हालात में मौत हो गई। इसके बाद पार्टी की मुख्य कतार के नेताओं में इस बात को लेकर जोरदार बहस हुई कि अध्यक्ष पद किसे सौंपा जाए। आखिरकार पंडित नेहरु की बेटी इंदिरा गांधी के नाम पर सहमति बनी।देश की आजादी के संघर्ष से जुड़े सबसे मशहूर और जाने-माने लोग इसी कांग्रेस का हिस्सा थे।गांधी-नेहरू से लेकर सरदार पटेल और राजेंद्र प्रसाद तक आजादी की लड़ाई में आम हिंदुस्तानियों की नुमाइंदगी करने वाली पार्टी ने देश को एकता के सूत्र में बांधने की कोशिश की थी।एलेन ओक्टेवियन ह्यूम सन1857 के गदर के वक्त इटावा के कलेक्टर थे। ह्यूम ने खुद ब्रटिश सरकार के खिलाफ आवाज उठाई और 1882 में पद से अवकाश लेकर कांग्रेस यूनियन का गठन किया। उन्हीं की अगुआई में बॉम्बे में पार्टी की पहली बैठक हुई थी. व्योमेश चंद्र बनर्जी इसके पहले अध्यक्ष बने। शुरूआती वर्षों में कांग्रेस पार्टी ने ब्रिटिश सरकार के साथ मिलकर भारत की समस्याओं को दूर करने की कोशिश की और इसने प्रांतीय विधायिकाओं में हिस्सा भी लिया लेकिन 1905 में बंगाल के विभाजन के बाद पार्टी का रुख कड़ा हुआ और अंग्रेजी हुकूमत के खि?लाफ आंदोलन शुरू हुए।दादाभाई नौरोजी और बदरुद्दीन तैयबजी जैसे नेता कांग्रेस के साथ आ गए थे।आजादी के बाद सन1952 में देश के पहले चुनाव में कांग्रेस सत्ता में आई। सन1977 तक देश पर केवल कांग्रेस का शासन था।लेकिन सन 1977 में हुए चुनाव में जनता पार्टी ने कांग्रेस से सत्ता की कुर्सी छीन ली थी। हालांकि तीन साल के अंदर ही सन1980 में कांग्रेस वापस गद्दी पर काबिज हो गई।सन 1989 में कांग्रेस को फिर हार का सामना करना पड़ा।दादा भाई नौरोजी 1886 और 1893 में कांग्रेस के अध्यक्ष रहे। सन1887 में बदरुद्दीन तैयबजी तो सन1888 में जॉर्ज यूल कांग्रेस के अध्यक्ष बने थे।सन1889 से सन1899 के बीच विलियम वेडरबर्न, फिरोजशाह मेहता, आनंदचार्लू, अल्फ्रेड वेब, राष्ट्रगुरु सुरेंद्रनाथ बनर्जी, आगा खान के अनुयायी रहमतुल्लाह सयानी, स्वराज का विचार देने वाले वकील सी शंकरन नायर, बैरिस्टर आनंदमोहन बोस और सिविल अधिकारी रोमेशचंद्र दत्त कांग्रेस अध्यक्ष रहे।इसके बाद हिंदू समाज सुधारक सर एनजी चंदावरकर, कांग्रेस के संस्थापकों में शुमार दिनशॉ एडुलजी वाचा, बैरिस्टर लालमोहन घोष, सिविल अधिकारी एचजेएस कॉटन, गरम दल व नरम दल में पार्टी के टूटने के वक्त गोपाल कृष्ण गोखले, वकील रासबिहारी घोष, शिक्षाविद मदनमोहन मालवीय, बीएन दार, सुधारक राव बहादुर रघुनाथ नरसिम्हा मुधोलकर, नवाब सैयद मोहम्मद बहादुर, भूपेंद्र नाथ बोस, ब्रिटेन के हाउस ऑफ लॉर्ड्स में पहले भारतीय सदस्य बने एसपी सिन्हा, एसी मजूमदार, पहली महिला कांग्रेस अध्यक्ष एनी बेसेंट, सैयद हसन इमाम और नेहरू परिवार के मोतीलाल नेहरू सन 1900 से सन 1919 के बीच कांग्रेस अध्यक्ष रहे।सन 1915 में अफ्रीका से लौटकर भारत आए मोहनदास करमचंद गांधी का प्रभाव कांग्रेस की विचारधारा व आंदोलन तय करने में सन1920 के आसपास से साफ दिखना शुरू हो गया था।जो गांधी के जीवन के बाद तक भी बना हुआ है। सन1920 से भारत की आजादी अर्थात सन 1947 के बीच के युग में कांग्रेस अध्यक्ष पंजाब केसरी लाला लाजपत राय थे, जिन्होंने सन1920 के कलकत्ता अधिवेशन की अध्यक्षता की। स्वराज संविधान बनाने में अग्रणी रहे सी विजयराघवचारियार, जामिया मिल्लिया के संस्थापक हकीम अजमल खान, देशबंधु चितरंजन दास, मोहम्मद अली जौहर, शिक्षाविद मौलाना अबुल कलाम आजाद कांग्रेस के अध्यक्ष रहे। सन1924 में बेलगाम अधिवेशन की अध्यक्षता महात्मा गांधी ने की थी और यहां से कांग्रेस के ऐतिहासिक स्वदेशी, सविनय अवज्ञा और असहयोग आंदोलनों की नींव पड़ी थी। सरोजिनी नायडू, मद्रास के एडवोकेट जनरल रहे एस श्रीनिवास अयंगर, मुख्तार अहमद अंसारी कांग्रेस अध्यक्ष रहे। गांधी के अनुयायी जवाहरलाल नेहरू सन 1929 में पहली बार कांग्रेस अध्यक्ष बने थे सरदार वल्लभभाई पटेल, नेली सेनगुप्ता, राजेंद्र प्रसाद, नेताजी सुभाषचंद्र बोस और गांधी के अनुयायी जेबी कृपलानी भारत को आजादी मिलने तक कांग्रेस अध्यक्ष रहे।सन1948 और सन 1949 में पट्टाभि सीतारमैया कांग्रेस के अध्यक्ष रहे और यही वह साल था जब गांधी की हत्या हो चुकी थी. महात्मा गांधी का प्रभाव आज तक भी भारतीय राजनीति पर है, लेकिन उनकी हत्या के बाद कांग्रेस का नेहरू युग शुरू हुआ। पहले प्रधानमंत्री बन चुके पंडित जवाहर लाल नेहरू के समय में जिस साल संविधान लागू हुआ।सन 1950 में कांग्रेस के अध्यक्ष साहित्यकार पुरुषोत्तमदास टंडन थे।सन1951 से सन 1954 तक खुद नेहरू अध्यक्ष रहे। पंडित नेहरू युग में 1955 से सन19 59 तक यूएन धेबार कांग्रेस के अध्यक्ष रहे। सन 1959 में पहली बार कांग्रेस अध्यक्ष इंदिरा गांधी बनी थी।सन 1960 से सन 1963 तक नीलम संजीव रेड्डी, नेहरू के निधन के सन 1964 से सन19 67 तक कामराज कांग्रेस अध्यक्ष रहे। हालांकि नेहरू का निधन 1964 में हो चुका था, लेकिन कांग्रेस का अगला इंदिरा गांधी युग लाल बहादुर शास्त्री की मौत के बाद शुरू होता है।सन 1966 में पहली बार देश की पहली और इकलौती महिला प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी बनीं।

सऊदी अरब में बदलाव स्वागत है...!

इस्लाम के आखिरी पैगम्बर साहब के मुल्क में सत्ता बदलते ही खास बदलाव आने की खबरें आम होती जा रही हैं। दुनिया के पत्रकारों का एक वर्ग इसे अच्छा भी मान रहा है। सऊदी अरब शुरू से ही अमेरिका के खास प्रभावों में माना जाता रहा है। वहाँ की सुरक्षा भी अमेरिकी सरकार देखती आ रही है।

सऊदी अरब में इस्लामी कानूनों पर अमल होता आया है। हाथ काटने व गला काटना आम बात रही है, जो मानवतावादियों व दुनियाभर में अच्छा नहीं माना जाता रहा है। इस्लाम यूँ तो समाजवादी व समतावादी कहा जाता है उस पर आम लोग खूब सम्मान करते देखे जा रहे हैं। जयसी, अमीर खुसरो से लेकर संत कबीर गीत, गजलों, दोहों, चौपाइयों के बादशाह तक इसमें देखे जाते हैं। कड़े कानूनों से अपराध भी कम होते हैं फिर भी उन्हें लचीला बनाया जाना ही चाहिये इसलिये ये सब जरूरी भी था।

नाच गाने होंगे

अब सऊदी अरब में शराब परोसी जायेगी, नाच गाने भी होंगे। हजरत दाऊद के दौर में भी संगीत इस्लाम में जायज हो चुका था। नाच तो अभी भी वहां होता ही है पर कम होता है, लुका छिपी से होता है। लोग दावा करते हैं कि

अरब शेख मासूम बच्चों तक को ऊँट पर बंधवाकर दौड़ाते हैं। बच्चे रोते हैं, डरते हैं, गिर कर मर जाने की खबरें भी हैं। हाल ही में यहां शाहरूख खान व अन्य फिल्मी तारिकाओं के खुलेआम डांस शोर होने शुरू हो गये हैं। ये कोई बुरी बातें नहीं पर धार्मिक आड़ में औरतों के हकों को दबाना भी गलत था ना। यहां अभी-अभी औरतों को कार चलाने की इजाजतें मिल सकी थीं। ये कहें कि सऊदी अरब विज्ञान की तरफ बढ़ता दिखाई दे रहा है ठीक है। ईरान, ईराक जैसे लोग इससे हैरत में हैं पर विज्ञान की तरफ जाना तो बुराई भी नहीं है।

सरिया का कानून से दूरी

इस बात का स्वागत होना चाहिये कि अरब वाले सरिया कानून से दूरी बनाते आ रहे हैं। कुछ कट्टर मुसलमानों तब्लीगी जमातों से दूरी बनाने जा रहे हैं। अरब की औरतें यकीनन खूबसूरत हैं योरोप, अमेरिका से भी शायद कुछ ज्यादा हों पर बुरके के कवर से उनकी खूबसूरती में ग्रहण लग जाता है। औरतें, बेटियां खूबसूरत हैं तो उसमें उनका क्या गुनाह है उन पर पर्दा डालना जरूरी नहीं है और फिर धर्म तो महज अपना निजी मामला है न। इसमें आपसी बैर न हो वरना तरक्की रुक जाती है। जैसे भारत में इसका असर देखा जा रहा है धर्म की अफीम से आम लोगों को कहीं प्रताड़ित भी किया जा रहा है। इसे प्रशासन नहीं रोक पाता है। मुस्लिम देशों कतर, ईरान, ईराक, बांग्लादेश, यू.ए.ई. आदि में खूब तरक्की की। यहां की महिलायें योरोप, इंग्लैण्ड आदि से पीछे नहीं हैं, कहीं-कहीं आगे हैं। फ्रांस, जर्मन की तो बात ही निराली है। सऊदी अरब को धार्मिक मुल्क माना जाता है वहां तो कड़ाई से सरिया कानून लागू होता आया है जो ठीक नहीं कहा जा सकता है। यहां के राजकुमार ने सत्ता हथिया कर काफी लोकतन्त्र की तरफ चले जाना अच्छी बात है। सऊदी अरब अब और बेहतर तरक्की कर सकेगा।

रूस में कीजिए डॉक्टरी की पढ़ाई, जानें जरूरी बातें!

बेशक आज कॅरियर के चाहे जितने आप्शन उपलब्ध हों, किंतु हकीकत यह है कि आज भी डॉक्टरी जैसे ट्रेडिशनल कोर्स का काफी क्रेज है। आज भी डॉक्टरी में एडमिशन हर किसी को नहीं मिलता और जिनको मिलता है, उनको इसके लिए भारी-भरकम फीस चुकानी पड़ती है।

इसका सबसे बड़ा कारण यही है कि डॉक्टरी का पेशा अपने आप में 'सेल्फ एंप्लॉयड' पेशा है। आपने कोर्स किया और आप बड़ा हॉस्पिटल नहीं, तो छोटा क्लीनिक खोल कर अपना काम जमा सकते हैं। भारत जैसे देश में जहां अभी भी डाक्टरों की भारी कमी है, लाखों लोगों पर डॉक्टरों की जितनी संख्या होनी चाहिए, उससे कम संख्या उपलब्ध है।

भारत में विदेशों की तुलना में मेडिकल कॉलेजेस की भी काफी कम संख्या है और इसीलिए कई लोग विदेशों की ओर रुख करते हैं।

रूस जैसा देश जो भारत का पुराना रणनीतिक सहयोगी रहा है, वहां भी मेडिकल कोर्सेज करने के लिए लोग स्वेच्छा से जाते हैं। आइए जानते हैं इससे संबंधित जरूरी बातें...

इसके लिए सबसे पहले आपको नीट, यानी नेशनल एलिजिबिलिटी एंट्रेंस टेस्ट पास करना जरूरी होता है। इसके बाद ही आप यहां दाखिला ले सकते हैं। 'रूस में 25 परसेंट सीट्स विदेशी छात्रों लिए आरक्षित हैं। भारत के छात्र जो रूस से पढना चाहते हैं, उनके मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया के मुताबिक 50 परसेंट मार्क होने जरूरी हैं।

अगर खर्च की बात करें तो रूस में मेडिकल की पढ़ाई करना अपेक्षाकृत कम सस्ता है। खासकर तब, जब अमेरिका या दूसरी यूरोपियन कंट्रीज से हम तुलना करते हैं। खास बात यह भी है कि रूस में अगर आप पढ़ाई करना चाहते हैं, तो मेडिकल कोर्सेज के लिए काफी सब्सिडी दी जाती है। एक अनुमान के मुताबिक, तकरीबन 12-13 लाख रुपए में आप मेडिकल का कोर्स भारत के इस 'मित्र देश' में आसानी से कर सकते हैं। खर्च के मामले में बता दें कि यह इंडिया के मुकाबले आधा ही पड़ता है।

कई लोग इस गलतफहमी के शिकार होते हैं कि रूस से प्राप्त मेडिकल की डिग्री की बहुत वैल्यू नहीं होती है, तो आपको बता दें कि नेशनल कैंसर इंस्टीट्यूट यानी एनसीआई और डब्ल्यूएचओ, यानी वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन रूसी यूनिवर्सिटी की डिग्री को मान्यता देते हैं। जाहिर तौर पर भारत में भी इसे मान्यता मिल ही जाती है। वैसे भी ज्ञान कहीं बेकार नहीं जाता है। अगर आप भी रूस से मेडिकल कोर्स करना चाहते हैं और कहीं पैसे की कमी आती है तो छात्रों को प्रोसेसिंग फीस पर ही तकरीबन $1000 की स्कॉलरशिप मिल जाती है।

जहां तक सब्सिडी की बात है, तो खुद कई यूनिवर्सिटीज को रूस की सरकार चलाती है, और इस वजह से वहां इंफ्रास्ट्रक्चर और दूसरी फैसिलिटीज भी गवर्नमेंट ही उपलब्ध कराती है। इसलिए आसानी से सब्सिडी भी मिल जाती है। अगर छात्रों की बात करें तो इसके लिए वहां एक डेडीकेटेड डिपार्टमेंट है, और वही हॉस्टल इत्यादि दूसरी सुविधाओं की देखरेख करता है।

कई लोग इस गलतफहमी के शिकार होते हैं कि रूस से प्राप्त मेडिकल की डिग्री की बहुत वैल्यू नहीं होती है, तो आपको बता दें कि नेशनल कैंसर इंस्टीट्यूट यानी एनसीआई और डब्ल्यूएचओ, यानी वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन रूसी यूनिवर्सिटी की डिग्री को मान्यता देते हैं। जाहिर तौर पर भारत में भी इसे मान्यता मिल ही जाती है।

वैसे भी ज्ञान कहीं बेकार नहीं जाता है। अगर आप भी रूस से मेडिकल कोर्स करना चाहते हैं और कहीं पैसे की कमी आती है तो छात्रों को प्रोसेसिंग फीस पर ही तकरीबन $1000 की स्कॉलरशिप मिल जाती है, जो आपकी पढ़ाई के दौरान परफॉर्मेंस पर निर्भर करती है।

यदि आप लेखन में रूचि रखते हैं तो बनाएं क्रिएटिव राइटिंग में कॅरियर

ऐसे बहुत से लोग होते हैं, जिन्हें लिखना बहुत पसंद होता है। लेखन की कई विधाएं हैं, इन्हीं में से एक है क्रिएटिव राइटिंग। लेखन के क्षेत्र की यह विधा बेहद कलात्मक है। इस क्षेत्र से जुड़े लोग वास्तव में रचनात्मक लेखक हैं, जिन्हें लोग उपन्यासकार, कवि, गीतकार आदि विभिन्न नामों से जानते हैं। क्रिएटिव राइटर्स के पास लेखन में जादुई शक्ति होती है और अपने काम के माध्यम से, वे पाठकों को प्रभावित कर सकते हैं और उन्हें परेशान, घृणित, मंत्रमुग्ध या खुश कर सकते हैं। आमतौर पर लोग इस काम को आसान मानते हैं, जबकि लेखन बनाना एक लंबी प्रक्रिया है जिसमें बहुत अधिक शोध और कड़ी मेहनत की आवश्यकता होती है। अगर आप भी लेखन में अपनी रूचि रखते हैं तो इस क्षेत्र में अपने कदम बढ़ा सकते हैं-

क्या है क्रिएटिव राइटिंग

रचनात्मक लेखन वह लेखन है जिसमें एक लेखक का उद्देश्य गद्य और काव्य छंदों के माध्यम से अपनी भावनाओं, भावनाओं, कल्पनाशील विचारों और विचारों को व्यक्त करना है। विभिन्न तरह के लेखन जैसे उपन्यास, कविता, कहानी, नाटक, आत्मकथा, पटकथा लेखन, कॉपी लेखन आदि को रचनात्मक लेखन कहा जाता है। रचनात्मक लेखन एक ऐसा क्षेत्र है जिसमें प्राकृतिक दुनिया के चित्र बनाने के लिए बहुत अधिक कल्पना, अवलोकन और एक जन्मजात क्षमता की आवश्यकता होती है।

कॅरियर एक्सपर्ट कहते हैं कि एक क्रिएटिव राइटर को कल्पनाओं के आकाश में विचरने के साथ-साथ उसे कागज पर भी बेहतरीन तरीके से उतारने की कला आनी चाहिए। इसके अलावा उसके भीतर पढ़ने व नई चीजों को जानने की जिज्ञासा होनी चाहिए।

विशेष आवश्यकता

नहीं है। आपकी कल्पना, अवलोकन और रचनात्मकता के साथ लिखने की क्षमता ही आपके भविष्य के मार्ग प्रशस्त करती है। हालांकि अंग्रेजी साहित्य या पत्रकारिता और संचार में एक शैक्षिक पृष्ठभूमि आपके करियर की राह को आसान बनाती है। वैसे भारत में कुछ संस्थान रचनात्मक लेखन में शार्ट टर्म कोर्स कराते हैं और इन पाठ्यक्रम में आवेदन करने के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता हायर सेकंडरी या 10+2 होनी चाहिए। इन पाठ्यक्रमों की न्यूनतम अवधि एक वर्ष है।

इसे भी पढ़ें: जर्मनी में पढ़ाई करें और बढ़िया स्कॉलरशिप भी पाएं

व्यक्तिगत गुण

ऑब्जर्वेशन स्किल्स व कम्युनिकेशन स्किल्स भी मजबूत होने चाहिए। क्योंकि जब एक लेखक अपने या दूसरों के अनुभवों के पन्ने पर उतारता है तो उसका एक अलग ही प्रभाव देखने को मिलता है। इसके अलावा ऑब्जर्वेशन के जरिए उसके लेखन में भी विविधता को आसानी से देखा जा सकता है।

संभावनाएं

क्रिएटिव राइटर्स के पास अवसरों की कोई कमी नहीं है। कॅरियर एक्सपर्ट की मानें तो आप अपनी रूचि के अनुसार उपन्यास से लेकर संस्मरण, कविता, गीत, साइंस फिक्शन, रोमांस, स्क्रिप्ट, नाटक, यात्रा-वृत्तांत आदि लिख सकते हैं। इसके अलावा आप पत्र-पत्रिकाओं और समाचार पत्रों आदि के लिए रिपोर्ट, साक्षात्कार, सुविधाएँ, आलोचना और समीक्षाएं लिख सकता है। इसके अलावा, रचनात्मक लेखक वेब साइटों के लिए भी कंटेंट लिख सकते हैं या प्रिंट मीडिया के लिए लेख बना सकते हैं। आप किसी एक संस्थान से जुड़कर काम कर सकते हैं या फिर अलग-अलग संस्थानों के लिए फ्रीलांसिंग भी कर सकते हैं।

आमदनी

इस क्षेत्र में आमदनी आपके अनुभव व कौशल पर निर्भर करती हैं। शुरूआती दौर में एक क्रिएटिव राइटर आठ से दस हजार रूपए

विभिन्न विषयों और शैलियों पर लेख पढ़कर एक अच्छा लेखक बन सकता हैय हर तरह से जीवन का अनुभव करना और बहुत सारे मुहावरों, लहजों और स्थानीय भावों को सीखना और सुनना। वैसे तो क्रिएटिव राइटिंग कुछ लोगों को जन्मजात उपहार में मिलती हैं, लेकिन रचनात्मक लेखन में कोर्स करके कोई भी अपने लेखन कौशल में सुधार कर सकता है।

योग्यता

कॅरियर एक्सपर्ट कहते हैं कि रचनात्मक लेखन के क्षेत्र में किसी औपचारिक शिक्षा की कॅरियर एक्सपर्ट कहते हैं कि एक क्रिएटिव राइटर को कल्पनाओं के आकाश में विचरने के साथ-साथ उसे कागज पर भी बेहतरीन तरीके से उतारने की कला आनी चाहिए। इसके अलावा उसके भीतर पढ़ने व नई चीजों को जानने की जिज्ञासा होनी चाहिए, ताकि वह अपने शब्दकोश को अधिक मजबूत बना सके। चूंकि इन दिनों लेखन के लिए कंप्यूटर का इस्तेमाल किया जाने लगता है। इसलिए उसे कंप्यूटर का ज्ञान होना व इंटरनेट में आवश्यक सामग्री खोजने की कला आनी चाहिए। इसके अलावा उसके भीतर प्रतिमाह कमा सकता है। इसके बाद अनुभव बढ़ने के बाद आपका काम व आमदनी दोनों बढ़ती चली जाती है।

प्रमुख संस्थान

इंदिरा गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली

डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर ओपन यूनिवर्सिटी, अहमदाबाद

नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर मीडिया स्टडीज, अहमदाबाद

कर्नाटक स्टेट ओपन यूनिवर्सिटी

लैपटॉप रिपेयरिंग सीखकर बनाएं अपना उज्ज्वल भविष्य

इस बात में कोई शक नहीं नहीं है कि लैपटॉप आज के समय में हमारे दैनिक जीवन की एक आवश्यकता बन गया है। ऑनलाइन शॉपिंग से लेकर बैंकिंग व ऑफिस के काम

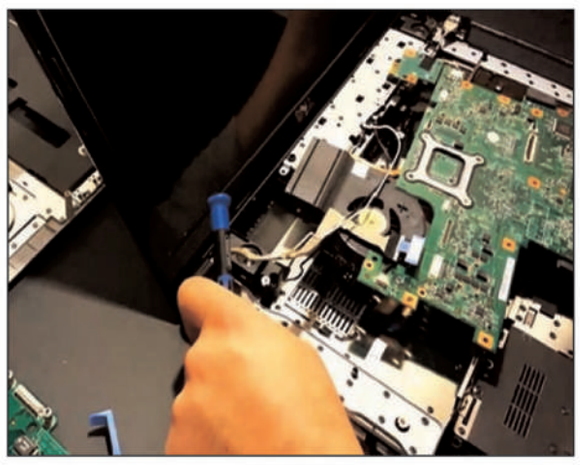

आदि निपटाने के लिए हर व्यक्ति लैपटॉप को प्राथमिकता देता है। कुछ समय पहले तक जहां डेस्कटॉप का इस्तेमाल किया जाता था, लेकिन अब इनसे ज्यादा लैपटॉप को तवज्जो मिलने लगी है, क्योंकि इन्हें इस्तेमाल करना अपेक्षाकृत अधिक सुविधाजनक है। ऐसे में लैपटॉप रिपेयरिंग के क्षेत्र में भी कॅरियर की नई संभावनाएं पैदा हुई है। तो चलिए जानते हैं कैसे बनाएं लैपटॉप रिपेयरिंग के क्षेत्र में कॅरियर-

स्किल्स

कॅरियर एक्सपर्ट के अनुसार, लैपटॉप रिपेयरिंग के क्षेत्र में कॅरियर देख रहे छात्रों के भीतर सीखने की गहन इच्छा होनी चाहिए। इसके अलावा आपको लैपटॉप हार्डवेयर की भी अगर थोड़ी-बहुत जानकारी होगी तो यह आपके लिए अच्छा होगा। इस क्षेत्र में छात्रों में मार्केट में लॉन्च हो रहे नए लैपटॉप व उनकी क्वालिटीज के बारे पता होना चाहिए। टेक्नोलॉजी के अपडेट होने के साथ-साथ अगर आप भी खुद को अपग्रेड रखते हैं तो इससे आपको अतिरिक्त लाभ होगा।

कोर्स

लैपटॉप रिपेयरिंग के क्षेत्र में कॅरियर देख रहे छात्रों के लिए किसी विशेष शैक्षणिक योग्यता का होना जरूरी है। आप किसी भी स्ट्रीम से दसवीं व बारहवीं के बाद लैपटॉप रिपेयरिंग का कोर्स कर सकते हैं। आप इस क्षेत्र में शार्ट टर्म कोर्स से लेकर सर्टिफिकेट व डिप्लोमा कोर्स कर सकते हैं। इनकी अवधि तीन से छह माह तक हो सकती हैं।

संभावनाएं

कॅरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि लैपटॉप रिपेयरिंग कोर्स करने के बाद आपके पास काम की कोई कमी नहीं होती। दरअसल, आज के समय में लैपटॉप हर व्यक्ति की जरूरत बन गया है और इसलिए उसकी रिपेयरिंग के लिए एक्सपर्ट की डिमांड भी बढ़ी है। कोर्स करने के बाद आप लैपटॉप व कंप्यूटर रिपेयर शॉप्स, लैपटॉप सेल्स सेंटर, लैपटॉप शोरूम, लैपटॉप सर्विस सेंटर आदि में काम कर सकते हैं। इसके अलावा कुछ समय के अनुभव के बाद आप खुद की लैपटॉप रिपेयरिंग शॉप भी खोल सकते हैं।

आमदनी

इस क्षेत्र में आमदनी मुख्यतः आपके अनुभव और स्किल्स के आधार पर तय होती है। कोर्स करने के बाद आप शुरूआती दौर में 15000 से 20000 रूपए महीना सैलरी प्राप्त कर सकते हैं। कुछ समय के अनुभव के बाद आपकी सैलरी में इजाफा होता है। इतना ही नहीं, अगर आप खुद की लैपटॉप रिपेयरिंग शॉप खोलते हैं तो आपकी मासिक आमदनी हजारों से लेकर लाखों में हो सकती है।

प्रमुख संस्थान

माइक्रोचिप एक्सपर्ट इंस्टीट्यूट, विभिन्न केन्द्र

मल्टीटेक इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस टेक्नोलॉजी, दिल्ली

हाईटेक इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस टेक्नोलॉजी

एक्सपर्ट इंस्टीट्यूट, विभिन्न केन्द्र

बेस्टटेक इंस्टीट्यूट

पीएम मोदी के इस शिक्षा कार्यक्रम के तहत युवा लेखकों को दिया जा रहा है बड़ा मौका

पीएम नरेंद्र मोदी के गतिशील नेतृत्व के तहत, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 युवाओं के दिमाग को सशक्त बनाने पर जोर देती है ताकि भारत का आने वाला भविष्य उज्वल हो सके। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस देश के युवा लेखकों को स्वतंत्रता सेनानियों पर किताबें लिखने के लिए प्रोत्साहित किया है। उन्होंने टएठळडफ्क्ठऋ डवठऋ अवळ्ळ्ळडफ्र नाम से एक नये कार्यक्रम की घोषणा की है। प्रधानमंत्री ने 'मन की बात' के दौरान यह घोषणा की थी। उन्होंने कहा, ह्लहमें अपने युवा लेखकों की मदद करनी होगी और ऐसे नेताओं का एक वर्ग बनाना होगा जो हमारे भविष्य का निर्धारण करेंगे। मैं अपने युवा मित्रों को इस पहल का हिस्सा बनने और उनके साहित्यिक कौशल का अधिकतम उपयोग करने के लिए आमंत्रित करता हूं।

75वें स्वतंत्रता दिवस पर शुरू होगा

नये कार्यक्रम के तहत भारत के युवा लेखकों को देश के वीर, जिन्होंने भारत को आजादी दिलाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया था के बारे में किताब और लेख लिखना होगा। कार्यक्रम को हमारे देश के 75वें स्वतंत्रता दिवस पर '75 युवा भारत' के रूप में आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में 75 युवा लेखकों को शामिल किया जाएगा। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा नेशनल बुक ट्रस्ट (एनबीटी) की तरफ से आयोजित इस कार्यक्रम की निगरानी की जाएगी। इच्छुक उम्मीदवारों को कार्यक्रम के लिए जल्द ही आवेदन करना होगा क्योंकि 1 अप्रैल 2021 को पहला मेंटरशिप बैच शुरू होगा। चयनित लेखकों को 6 से 9 महीने की अवधि के लिए विशेषज्ञों द्वारा सलाह दी जाएगी और अंत में नेशनल बुक ट्रस्ट द्वारा एक पुस्तक प्रकाशित की जाएगी। इच्छुक लेखकों को ईमेल के माध्यम से एक आवेदन पत्र एनबीटी के निदेशक श्री युवराज मलिक को अपने आधिकारिक ईमेल पते पर भेजना होगा। अधिक जानकारी के लिए-

युवाओं को प्रदान किया जाएगा अंतरराष्ट्रीय मंच

भारत देश को युवाओं का देश कहा जाता है क्योंकि युवा आबादी में विश्व चार्ट में भारत सबसे ऊपर है। युवा शक्ति की ताकत पर भारत पूरी दुनिया में अपनी सहित्य और इतिहास को पहुंचा सकता है। हमारे देश को पुस्तक प्रकाशन के क्षेत्र में 3 वां स्थान दिया गया है, और स्वदेशी साहित्य के इस खजाने को आगे बढ़ाने के लिए, यह जरूरी है कि हम इसे वैश्विक स्तर पर प्रोजेक्ट करें। यह योजना न केवल उन लेखकों की एक धारा विकसित करने में मदद करेगी जो भारतीय विरासत, संस्कृति और ज्ञान को बढ़ावा देने के लिए विषयों के एक स्पेक्ट्रम पर लिख सकते हैं, बल्कि इच्छुक युवाओं को अपनी मातृभाषा में खुद को स्पष्ट करने और एक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए एक मौका प्रदान करेगी। यह कार्यक्रम माननीय पीएम मोदी के ऋंद्ध' ड्ड३९ल्ल के दृष्टिकोण के अनुरूप होगा और भारत को विश्व गुरु के रूप में स्थापित करेगा।

इसे भी पढ़ें: शिवराज ने बजट को आत्मनिर्भर भारत वाला बताया, बोले- इससे बढ़ेंगी आर्थिक गतिविधियां

क्या है एनबीटी की पूरी योजना

इस योजना में लेखकों को 22 भारतीय भाषाओं में लेखन करने की आजादी होगी। यह उन लेखकों के लिए बड़ा मंच होगा जो खुद को अभिव्यक्त करने और भारत को किसी भी अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रोजेक्ट करने के लिए तैयार हैं।

यह कार्यक्रम विश्व स्तर पर भारतीय संस्कृति और साहित्य को प्रोजेक्ट करने में मदद करेगा। इस कार्यक्रम में लेखक कथा, गैर-कल्पना, यात्रा-वृतांत, संस्मरण, नाटक, कविता और जैसी विभिन्न शैलियों में लिखने में कुशल हो जाएंगे। यह कार्यक्रम नौकरी के अन्य विकल्पों के साथ पठन और लेखन को एक पसंदीदा पेशे के रूप में लाना सुनिश्चित करेगा, जिससे भारत के बच्चे किताबों को अपने आप को संवारने का एक अभिन्न अंग बना लेंगे।

8 से 18 वर्ष की आयु के भारतीय इस प्रतियोगिता में भाग लेने के पात्र हैं। वे पुस्तक को 22 आधिकारिक भाषाओं और अंग्रेजी में से किसी में भी लिख सकते हैं।

प्रत्येक भाषा में कुल 10 लेखकों को मेंटरशिप के लिए चुना जाएगा। मेंटरशिप के तहत चयनित लेखक एक वर्ष की अवधि के लिए 12,000 (रुपये, 1000 मासिक वजीफा) के वजीफे के लिए पात्र होंगे। इस परियोजना का उद्देश्य विविध पृष्ठभूमि और भाषाई समूहों के लेखकों को शामिल करना है।

आर्चबिशप टूटू के सम्मान में केपटाउन के प्रधान गिरजाघर में बजाई जाएंगी घंटियां

जोहानिसबर्ग (भाषा)। दक्षिण अफ्रीका में रंगभेद के विरुद्ध संघर्ष के प्रतीक रहे आर्चबिशप एमेरिटस डेसमंड टूटू के निधन के एक दिन बाद उनके सम्मान में सोमवार से सेंट जॉर्ज एंजलिकन प्रधान गिरजाघर में पांच दिन तक 10 मिनट के लिये घंटियां बजाई जाएंगी। इस गिरजाघर में टूटू ने दक्षिण अफ्रीका की सभी नस्ल के लोगों से रंगभेद के विरुद्ध मिलकर काम करने का आग्रह किया था। केपटाउन के वर्तमान आर्चबिशप थाबो मैकगोबा ने कहा, हमने लोगों से आग्रह किया है कि वे आर्चबिशप टूटू को श्रद्धांजलि देने के लिए अपने व्यस्त कार्यक्रमों में से थोड़ा समय निकालें। देश में नस्ली भेदभाव से लड़ने के लिए नोबेल शांति पुरस्कार प्राप्त करने वाले दक्षिण अफ्रीका के रंगभेद संघर्ष के प्रतीक आर्चबिशप डेसमंड टूटू का रविवार तड़के निधन हो गया था। वह 90 वर्ष के थे।

टूटू को 1984 में नोबेल शांति पुरस्कार मिला था। उस समय वह जोहानिसबर्ग के बिशप थे। टूटू हाल के वर्षों में राज्य के उद्यमों की लूटपाट के भी मुखर आलोचक रहे। उन्होंने सत्तारूढ अफ्रीकी राष्ट्रीय कांग्रेस (एएनसी) को भी नहीं बख्शा जिसके वह पूरी जिंदगी एक गौरवान्वित सदस्य रहे । रंगभेद के कट्टर विरोधी, अश्वेत लोगों के दमन वाले दक्षिण अफ्रीका के क्रूर शासन के खात्मे के लिए टूटू ने अहिंसक रूप से अथक प्रयास किए। उत्साही और मुखर पादरी ने जोहानिसबर्ग के पहले अश्वेत बिशप और बाद में केप टाउन के आर्कबिशप के रूप में अपने उपदेश-मंच का इस्तेमाल किया और साथ ही घर तथा विश्व स्तर पर नस्ली असमानता के खिलाफ जनता की राय को मजबूत करने के लिए लगातार सार्वजनिक प्रदर्शन किया। टूटू के सम्मान में दक्षिण अफ्रीका में कई कार्यक्रमों की योजना बनाई जा रही है। मैकगोबा ने कहा कि टूटू के पार्थिव शरीर को शुक्रवार को केपटाउन में प्रधान गिरजाघर में रखा जाएगा। इसके बाद शनिवार को सामूहिक प्रार्थना आयोजित की जाएगी।

बहुत दूर की आकाशगंगाओं को नजदीक से कैसे देखा जा सकता है

■ मेलबर्न (द कन्वरसेशन)।

अब तक एक खगोलविद् के रूप में मेरे काम के बारे में मेरी पसंदीदा चीज वे दुर्लभ क्षण हैं जब मुझे दूर बहुत दूर की खूबसूरत आकाशगंगाएं देखने का मौका मिलता है, जिनकी रोशनी उन्हें लाखों-करोड़ों साल पहले छोड़ गई थी। यह शुद्ध विस्मय और वैज्ञानिक जिज्ञासा का एक संयोजन है जो मुझे आकाशगंगा खोज के लिए प्रेरित करता है। आज खगोल विज्ञान में, हमारा अधिकांश काम आकाश की छवियों के साथ काम करते हुए लिखने और कार्यक्रम चलाते हुए भारी मात्रा में आंकड़ों के संचालन का है। इसका एक नकारात्मक पहलू यह है कि जब हम इसका अध्ययन करते हैं तो हम हमेशा ब्रह्मांड के हर वर्ग इंच का व्यवहारिक रूप से अनुभव नहीं कर पाते हैं। मैं आपको वह दिखाने जा रहा हूं जिसे अब तक केवल कुछ ही लोगों ने ही देखा होगा और जिसे देखते हुए मेरे आश्चर्य का ठिकाना नहीं रहा। हमने अब तक जितने ब्रह्मांड को देख पाए हैं उसमें हमारे अनुमान के अनुसार दो खरब से अधिक आकाशगंगाएं हैं!

आकाशगंगाएं आपकी नजर के सामने : केवल कुछ दशक पहले तक खगोलविदों को आकाशगंगाओं के अध्ययन के दौरान लंबी, ठंडी और एकांत रात के बाद फोटोग्राफिक प्लेटों की कड़ी जांच करनी पड़ती थी। 21वीं सदी में हमारे पास इंटरनेट के माध्यम से किसी भी समय, कहीं भी सूचना तक पहुंच है। स्वचालित टेलीस्कोप और सर्वेक्षण अब हमें इतना डेटा प्रदान करते हैं कि हमें इसका विश्लेषण करने में मदद करने के लिए मशीनों की आवश्यकता होती है। कुछ मामलों में मानव आंखें केवल वही देखती हैं जो कंप्यूटर ने दिलचस्प समझा है! बड़ी मात्रा में डेटा ऑनलाइन उपलब्ध है, बस देखने वाला चाहिए।

ब्रह्मांड एटलस के लिए ऑनलाइन जाएं : अलादीन लाइट हमारे ब्रह्मांड को कई अलग-अलग दूरबीनों की आंखों से देखने के लिए उपलब्ध सबसे महान ऑनलाइन उपकरणों में से एक है। यहां हम छिपी हुई आकाशगंगाओं के लिए पूरे आकाश को स्कैन कर सकते हैं, और यहां तक कि उनकी तारकीय आबादी और विकास के बारे में जानकारी भी समझ सकते हैं। आइए अपनी ब्रह्मांड की इस यात्रा की शुरुआत कार्टव्हील गैलेक्सी, सबसे अधिक दिखने वाली आश्चर्यजनक आकाशगंगाओं में से एक की खोज करके करें। अलादीन इंटरफेस में, आप किसी वस्तु के लोकप्रिय नाम (जैसे कार्टव्हील आकाशगंगा) या ज्ञात निर्देशांक दोनों को खोज सकते हैं। स्थान इंटरफेस में केंद्रित होगा।

कार्टव्हील गैलेक्सी की पहली छवि जो हम देखते हैं वह डिजीटल स्काई सर्वे द्वारा ऑप्टिकल इमेजिंग से है। हम जो रंग देखते हैं वे इस टेलीस्कोप के अलग-अलग फिल्टर से आते हैं। हालांकि, ये काफी हद तक यह दर्शाते हैं कि आकाशगंगा हमारी अपनी आंखों से कैसी दिखेगी। एक खगोलविद के रूप में एक सामान्य नियम यह है कि आकाशगंगाओं के भीतर रंग अंतर भौतिक रूप से भिन्न वातावरण के कारण होता है। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि नीली (छोटी तरंग दैर्ध्य) दिखने वाली चीजें आमतौर पर लाल (लंबी तरंग दैर्ध्य) दिखने वाली चीजों की तुलना में अधिक गर्म होती हैं।

जब तारे बन रहे होते हैं, तो भारी मात्रा में यूवी विकिरण उत्सर्जित होते हैं

इस आकाशगंगा में, बाहरी वलय मध्य लाल खंड की तुलना में अधिक नीला दिखाई देता है। यह बाहरी रिंग में हो रहे तारे के निर्माण और तारकीय गतिविधि का संकेत दे सकता है, लेकिन केंद्र में ऐसा कम हो रहा है। तारकीय निर्माण के अपने संदेह की पुष्टि करने के लिए हम विभिन्न सर्वेक्षणों के डेटा को अलग-अलग तरंग दैर्ध्य में देखने के लिए चुन सकते हैं। जब तारे बन रहे होते हैं, तो भारी मात्रा में यूवी विकिरण उत्सर्जित होते हैं। सर्वेक्षण को गैलेक्सजीआर6/एआईएस में बदलकर, अब हम केवल यूवी तरंगदैर्ध्य देख रहे हैं, और इससे बहुत फर्क पड़ता है! आकाशगंगा का पूरा केंद्र खंड हमारी छवि से गायब सा होने लगता है। इससे पता चलता है कि वह खंड शायद पुराने सितारों का घर है, जो अब कम सक्रिय है।

जब गुरु सोमासुंदरम को 'जोकर' देखने की सलाह दी

■ मुंबई (भाषा)।

सुपरहीरो पर आधारित मलयालम फिल्म मिन्नाल मुरली में शिबू (खलनायक) के किरदार के लिए प्रशंसा पा रहे अभिनेता गुरु सोमासुंदरम ने बताया कि फिल्म के निर्देशक बासिल जोसेफ ने उन्हें किरदार में ढलने के लिए हॉलीवुड की फिल्म जोकर देखने की सलाह दी थी। सोमासुंदरम मानते हैं कि वह अमेरिकी फिल्मों के कायल हैं। वह कहते हैं कि निर्देशक की सलाह के बावजूद उन्होंने वर्ष 2019 में जोवाक्विन फीनिक्स अभिनीत फिल्म को नहीं देखने का फैसला किया, क्योंकि वह उससे प्रभावित नहीं होना चाहते थे।

उल्लेखनीय है कि मिन्नाल मुरली दो आम इंसानों की कहानी है जो आकाशीय बिजली से घिर जाते हैं और उसी रात उन्हें महामानव की शक्ति प्राप्त होती है। इनमें से एक सही रास्ते पर और दूसरा गलत रास्ते पर चल पड़ता हैं। सोमासुंदरम नें कहा, शूटिंग शुरू होने से पहले बासिल चाहते थे कि मैं जोकर जैसी फिल्मों को देखूं। मैं जोआक्विन फीनिक्स का बड़ा प्रशंसक हूं, लेकिन मैंने कभी फिल्म नहीं देखी बल्कि मैंने फैसला किया कि जब तक शूटिंग चलेगी, मैं उनकी फिल्में नहीं देखूंगा क्योंकि मैं अभिनय की पश्चिमी शैली से प्रभावित नहीं होना चाहता था।

उन्होंने बताया कि उन्होंने मदुरै में कई पश्चिमी फिल्में सिनेमाहॉल में देखते हुए बड़े हुए हैं। उन्होंने बताया, हॉलीवुड फिल्मों से मुझे विचार मिला है कि खलनायक हमेशा नायक के रास्ते में बाधा उत्पन्न करता है। लेकिन मिन्नाल मुरली में जैशन संभवतः शिबू के लिए कोई बाधा नहीं डालते बल्कि समाज उनके लिए कई बाधा खड़ी करता है।

'नई पीढ़ी, नए किस्से' में नजर आएंगे मेहुल कजरिया

मुंबई (आईएएनएस)। अभिनेता मेहुल कजारिया वागले की दुनिया - नयी पीढ़ी नए किस्से के आगामी एपिसोड में रजनीश वाधवा के रूप में प्रवेश करने के लिए तैयार हैं। वह यूट्यूब फूड चैनल - फूड तड़का के एक प्रसिद्ध रचनात्मक प्रमुख के चरित्र को चित्रित करते हैं। शो में उनकी एंट्री में बहुत सारे ट्विस्ट और टर्न्स लेकर आएगी, वह उस स्वादिष्ट भोजन को खाएंगे, जो वंदना वागले (परिवा प्रणति) शो में अपने पति राजेश वागले (सुमीत राघवन) के लिए तैयार करेगी। वागले की दुनिया में प्रवेश करने के बारे में बात करते हुए, मेहुल ने कहा कि मुझे लगता है कि एक ऐसे शो के लिए काम करने का अवसर मिलना जो मुझे एक बच्चे के रूप में देखना बहुत पसंद था, मुझे बहुत खुशी दे रहा है। मैं निर्माताओं को धन्यवाद देता हूं मुझ पर भरोसा करने और मुझे वागले की दुनिया - नयी पीढ़ी नए किस्से जैसे शो का हिस्सा बनने का मौका देने के लिए। अपने चरित्र के बारे में पूछे जाने पर, मेहुल ने कहा कि मेरा चरित्र रजनीश वाधवा एक खाद्य चैनल का रचनात्मक प्रमुख का है। मुझे यकीन है कि हर कोई इस चरित्र को पसंद करेगा वह मजेदार और ऊर्जावान है, उसके दिल में कोई द्वेष नहीं है। चारों ओर सकारात्मक ऊर्जा है। वह निश्चित रूप से शो में एक नया स्वाद जोड़ेंगा। वागले की दुनिया - नयी पीढ़ी नए किस्से का प्रसारण सोनी सब पर होता है।

वापसी के लिए तैयार 'सुपरस्टार सिंगर'

मुंबई (आईएएनएस)। सिंगिंग रियलिटी शो 'सुपरस्टार सिंगर' अपने दूसरे सीजन के साथ वापसी करने के लिए तैयार है। सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन ने सोशल मीडिया पर प्रोमो साझा किया है। प्रोमो में सुपरस्टार सिंगर के पूर्व फाइनलिस्ट और विजेता पवनदीप राजन, अरुणिता कांजीलाल, मोहम्मद दानिश और सलमान अली शामिल हैं। वे सिंगिंग रियलिटी शो के आगामी सीजन की शुरूआत करते नजर आ रहे हैं। दूसरे सीजन के लिए ऑनलाइन ऑडिशन 26 दिसंबर से सोनी लिप ऐप पर शुरू हो गए हैं।

खुश रहने के लिए रिस्क लेना पड़ता है

मुंबई (आईएएनएस)। बॉलीवुड अभिनेत्री सुष्मिता सेन ने हाल ही में अपने प्रेमी रोहमन शॉल के साथ ब्रेक-अप की घोषणा की है। सुष्मिता सेन ने शनिवार को एक क्रिप्टिक मैसेज सोशल मीडिया पर शेयर किया। सुष्मिता ने लिखा कि उनका रिश्ता लंबा था। दोनों अब भी बहुत अच्छे दोस्त हैं। सेन ने रविवार को इंस्टाग्राम पर अपनी एक क्लोज-अप तस्वीर साझा की और लिखा कि खुश रहने के लिए जीवन में जोखिम उठाना पड़ता है और यह आसान बात नहीं है। अभिनेत्री ने तस्वीर के कैप्शन के साथ लिखा कि जीवित रहने के लिए जोखिम उठाने के लिए साहस लगता है, खुश रहने के लिए गट्स लगते हैं, आप लोगों में गट्स हैं, मुझपर विश्वास करिए। हम सब में है, किसी और को कोई और बात बताने मत दीजिए। मैं आपसे प्यार करती हूं। दुग्गादुग्गा। वर्क फ्रंट की बात करें तो सुष्मिता सेन को हाल ही में राम माधवानी द्वारा निर्देशित अंतर्राष्ट्रीय एमी नामांकित सीरीज 'आर्या' के दूसरे सीजन में देखा गया था।

टाइगर-3 में शाहरुख भी नजर आएंगे

मुंबई (भाषा)। अभिनेता सलमान खान ने सोमवार को कहा कि ऐसी संभावना है कि वह और उनके करीबी दोस्त सुपरस्टार शाहरुख खान एक साथ एक फिल्म में नजर आएं। ये दोनों कलाकार, उनकी आगामी फिल्मों टाइगर 3 और पठान में पहले की भूमिकाओं से आगे के किरदार निभाते नजर आएंगे। यश राज फिल्म्स (वाईआरएफ) की टाइगर 3 जासूसी एक्शन-थ्रिलर फ्रेंचाइजी का अगला संस्करण है, जिसमें सलमान और कैटरीना कैफ एजेंट टाइगर और जोया के रूप में अपनी भूमिकाओं को फिर से निभाते दिखेंगे। फिल्म में इमरान हाशमी भी खलनायक के रूप में नजर आएंगे। वाईआरएफ शाहरुख अभिनीत एक्शन फिल्म पठान का भी निर्माण कर रही है, जिसमें सलमान एक विस्तारित कैमियो भूमिका में होंगे। ऐसी खबरें हैं कि दोनों फिल्में प्रोडक्शन हाउस के जासूसी जगत का हिस्सा हैं जो आखिर में अपने नायकों को एकसाथ फिल्म में साथ लाएगा। अपने पनवेल फार्महाउस के बाहर संवाददाताओं से बातचीत के दौरान, सलमान ने कहा कि टाइगर-3 दिसम्बर 2022 तक रिलीज होगी। साथ ही उन्होंने अपने और शाहरुख के किसी अन्य फिल्म के लिए साथ काम करने की संभावना का संकेत भी दिया। अभिनेता ने संवाददाताओं से कहा, हम 'टाइगर' और 'पठान' में साथ आ रहे हैं। 'टाइगर-3' दिसम्बर 2022 तक रिलीज होगी, 'पठान' उससे पहले रिलीज होगी।

आरआरआर, राधे श्याम की रिलीज से पहले कोविड के फिर से उभरने की आशंका

हैदराबाद (आईएएनएस)। ओमीक्रोन वेरिएंट को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच रिलीज के लिए तैयार बड़े बजट की तेलुगु फिल्में स्थगित होने के डर से घिरी हुई हैं। इससे पहले मार्च-अप्रैल में, जब ऐसा लग रहा था कि चीजें वापस सामान्य हो रही हैं, तो कोविड महामारी की दूसरी लहर ने कहर बरपाया था। फिल्मों को स्थगित करने और यहां तक कि रद्द करने के साथ, तेलुगु फिल्म उद्योग महामारी से बुरी तरह प्रभावित हुआ। राम चरण, जूनियर एनटीआर, आलिया भट्ट, अजय देवगन और श्रिया सरन की मुख्य भूमिकाओं के साथ, एसएस राजामौली की आगामी महाकाव्य आरआरआर कुछ ही दिनों में रिलीज होने वाली है और निर्माता ओमिक्रॉन के बढ़ते मामलों को लेकर चिंतित हैं, जो एक खतरा हो सकता है। इसी तरह, राधे श्याम के निर्माता भी फिल्म की रिलीज को लेकर चिंतित हैं, क्योंकि कुछ राज्यों को जल्द ही सिनेमाघरों में केवल 50 प्रतिशत दर्शकों की घोषणा करनी है, जो फिल्म संग्रह को प्रभावित करने वाले सबसे बड़े कारकों में से एक होगा। कई शहरों ने पहले ही रात्रि कर्फ्यू और सख्त प्रोटोकॉल लागू करना शुरू कर दिया है। इसके अलावा, आंध्र प्रदेश के कई सिनेमाघरों में छापेमारी की जा रही है।

यशा रूघानी ने अपने किरदार को लेकर की बात

मुंबई (आईएएनएस)। टीवी अभिनेत्री यशा रूघानी आगामी डेली सोप कभी कभी इत्तेफाक से में दिखाई देंगी। अभिनेत्री गुनगुन भटनागर का एक जटिल किरदार निभाने के बारे में बात करती है। वह कहती है कि गुनगुन एक ऐसा चरित्र है जो बहुत ही अनोखा, बहुत अलग और बहुत दुर्लभ है। यह अब तक का सबसे चुनौतीपूर्ण किरदार है जिसे मैं निभाने जा रही हूं। गुनगुन जैसे लोगों को अक्सर गलत समझा जाता है। फिर भी, वह एक अच्छे दिल वाली है। उसके पास संघर्षों का अपना एक हिस्सा है और वह अपनी भावनाओं के लिए काफी सुरक्षात्मक है जो उसे चित्रित करने के लिए एक बहुत ही कठिन चरित्र बनाती है। साथ ही साथ हालांकि, वह कोई है जो इस पीढ़ी से संबंधित है। 29 वर्षीय अभिनेत्री ने इस किरदार को पर्दे पर निभाने के लिए की गई विभिन्न तैयारियों के बारे में आगे बताया। जैसा कि मैंने कहा, मैं जो किरदार निभा रही हूं वह नियमित लोगों से काफी अलग है जो हम अक्सर देखते हैं। मैं किरदार में व्यवहारिक समानताएं और तरीके खोजने की कोशिश कर रही है जिससे मैं चरित्र से संबंधित हो सकती हूं। मैं व्यक्तिगत रूप से एकमात्र बच्ची हूं और वास्तव में लाड़ प्यार के बीच रही हूं और ऐसा ही गुनगुन के साथ भी है, इसलिए मैं उन समानताओं को अपने और उसके बीच खींचने की कोशिश कर रही हूं। यह पूछे जाने पर कि दर्शक शो से कैसे जुड़ेंगे और उनके लिए क्या खास है, उन्होंने जवाब दिया अभी बहुत कुछ है! बहुत प्यार है, जो आप अपने परिवार के प्रति महसूस करते हैं और ढेर सारी हंसी है। शो खुशियों से भरा है और किसी भी नकारात्मकता का कोई अंश नहीं। यह किसी के जीवन में रिश्तों के महत्व के बारे में है।

दिशा पाटनी ने 'योद्धा' के सेट से तस्वीर शेयर की

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड अभिनेत्री दिशा पाटनी ने अपनी आने वाली फिल्म योद्धा के सेट से एक तस्वीरें शेयर की हैं। दिशा पाटनी सोशल मीडिया पर आपनी फिल्मों से जुड़े अपडेट फैंस के साथ साझा करती रहती हैं। अब उन्होंने फिल्म योद्धा के सेट से एक तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें वह अभिनेता, निर्देशक और फिल्म की पूरी टीम के साथ नजर आ रही हैं। दिशा ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पर योद्धा के सेट से तस्वीरें शेयर की हैं। पहली तस्वीर में वह को-स्टार सिद्धार्थ मल्होत्रा और फिल्म निर्देशक के साथ पोज देती हुई नजर आ रही हैं। जबकि दूसरी तस्वीर एक ग्रुप फोटो है, जिसमें वह फिल्म में अपने टीम मेंबर्स के साथ मुस्कुराती दिख रही हैं। इन तस्वीरों को इंस्टाग्राम पर शेयर कर दिशा ने लिखा, धन्यवाद मेरी सबसे प्यारी टीम, आपके साथ काम करने का अनुभव बहुत ही शानदार था। योद्धा के रिलीज होने का इंतजार नहीं हो रहा हैं।

पूजा हेगड़े को मिल रहा दर्शकों का प्यार

मुंबई (आईएएनएस)। 'राधे श्याम' में प्रेरणा का किरदार निभाने वाली अभिनेत्री पूजा हेगड़े फिल्म के ट्रेलर को मिली प्रतिक्रिया से बेहद खुश हैं। वह फिल्म को एक लव स्टोरी कहती हैं जहां युगल अप्रत्याशित परेशानियों से लड़ते हैं जो उनकी समझ से परे हैं। उसी पर टिप्पणी करते हुए, अभिनेत्री कहती हैं कि राधे श्याम में अविश्वसनीय उत्साह देखा गया है और दर्शकों को आपकी फिल्म का इतनी बेसब्री से इंतजार करना शानदार लगता है। अपने किरदार के बारे में बात करते हुए, दर्शकों से सकारात्मक प्रतिक्रिया प्राप्त कर रही अभिनेत्री ने कहा कि प्रेरणा में प्यार के लिए लड़ने की ताकत है और मुझे खुशी है कि ट्रेलर के माध्यम से दर्शकों के सामने कला उभरकर आई है। ट्रेलर में पूजा को एक राजकुमारी के रूप में दिखाया गया है। वह सुंदर यूरोपीय लोकेशंस के पूरक क्लासिक लुक में नजर आ रही है। राधे श्याम, एक पीरियड रोमांटिक ड्रामा है, जिसमें प्रभास और भाग्यश्री भी हैं और इसे हिंदी और तेलुगु में एक साथ शूट किया गया है। राधा कृष्ण कुमार द्वारा लिखित और निर्देशित यह फिल्म 14 जनवरी को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

हरदोई में भाजपा की जनविश्वास यात्रा रैली में शाह बोले- यूपी में माफिया राज खत्म, अब तो योगी राज

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में 2022 के विधानसभा चुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी का प्रदेश को मथने का अभियान चरम पर है। गृह तथा सहकारिकता मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को तीन में पहली जनसभा हरदोई में की। हरदोई के जीआइसी मैदान में भाजपा की जनविश्वास यात्रा के आगमन पर पहुंचे अमित शाह ने विपक्षी दलों पर प्रदेश को जाति में बांटने का आरोप लगाने के साथ सीएम योगी आदित्यनाथ के शासन को जमकर सराहा। हरदोई में जन विश्वास यात्रा के अंतर्गत आयोजित जन सभा में केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि एक जमाना था जब उत्तर प्रदेश में माफिया का राज होता था। यहां पर तो माताएं-बहनें सूर्यास्त से पहले ही घर के अंदर पहुंच जाती थीं। प्रदेश में 2017 से सत्ता में परिवर्तन के बाद उत्तर प्रदेश में योगी जी का राज है। यहां से सभी माफिया का सफाया हो गया है। लोग अमन-चैन से हैं और उत्तर प्रदेश की कानून-व्यवस्था में काफी सुधार हो गया है।

अमित शाह ने कहा कि उत्तर प्रदेश में इससे 15 वर्ष पहले सपा तथा बसपा का राज था। उन्होंने जनता से पूछा कि क्या इनके राज में कभी समाज का विकास होता

था। अमित शाह ने कहा कि सपा आती थी तो एक जाति का विकास होता था। बसपा आती थी तो दूसरी जाति का विकास होता था। 15 साल तक बसपा और सपा सरकार चलीं। जिन्होंने अपना अपना विकास कराया। न घरों में बिजली पहुंची न पानी पहुंचा और न विकास हुआ। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी की एबीसीडी को बिल्कुल अलग है। उनके लिए ए का मतलब अपराध और आतंक, बी का मतलब भाई-भतीजावाद, सी का मतलब करप्शन यानी भ्रष्टाचार और डी का मतलब दंगा। इनसे आप विकास की उम्मीद नहीं कर सकते हैं। गृह मंत्री ने कहा कि यह तो दिख रहा है कि योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश पांच साल में आगे बढ़ा है। देश में मोदी जी और उत्तर प्रदेश में योगी जी आए तो सबका साथ-सबका विकास हो रहा है। उन्होंने कहा कि एक पत्रकार भाई पूछ रहे थे कि इस बार उत्तर प्रदेश में क्या होगा, तो मैंने कहा हरदोई में देख लो पता चल जाएगा कि यूपी में क्या होगा। हरदोई जीआईसी मैदान में भारत माता की जयकार के साथ संबोधन प्रारंभ करने वाले अमित शाह ने कहा कि हम उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में 300 से अधिक सीट जीतकर सरकार बनाएंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा जो कहती है वह करती है। हमने कहा था कि देश से भ्रष्टाचार समाप्त करेंगे, वह किया। अमित शाह ने कहा कि मोदी सरकार गरीबों के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। शाह ने कहा कि कांग्रेस पाटी ने बाबा साहब का अपमान करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। इसके विपरीत भाजपा ने उनको पूरा सम्मान दिया। भाजपा ने देश में विकास का कार्य किया। गंभीर संकट के रूप में कोरोना वायरस सा संक्रमण आया तो लोगों को बचाने का भी कार्य किया। इस जनसभा में अमित शाह के साथ उप मुख्यमंत्री डा दिनेश शर्मा, कैबिनेट मंत्री जितिन प्रसाद तथा विधान सभा उपाध्यक्ष नितिन अग्रवाल भी थे।

झूठी सरकार का उत्तर प्रदेश से होगा सफाया : अखिलेश यादव

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव का होम आइसोलेशन समाप्त हो गया है। होम आइसोलेशन में गए उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने आज से समाजवादी विजय रथ यात्रा का नौवां चरण प्रारंभ किया और उन्नाव में भारतीय जनता पार्टी के साथ उत्तर प्रदेश की सरकार पर जमकर हमला बोला। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव समाजवादी विजय रथ लेकर उन्नाव में जनता के बीच पहुंचे और कहा कि भारतीय जनता पार्टी से झूठी कोई भी सरकार देश में नहीं है। उत्तर प्रदेश में 2022 में होने वाले विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी का सफाया होना तय है। उन्होंने कहा कि हमारे मुख्यमंत्री जी ने तो बड़े-बड़े भाषण और विज्ञापनों में कहा है कि हमने लाखों नौकरियां दी हैं, तो युवाओं को नौकरियां क्यों नहीं मिली। अब समाजवादी विजय रथ निकला है, आने वाले समय में इस झूठी सरकार का सफाया होगा। अखिलेश यादव ने कहा कि सपा सरकार में मेट्रो का शिलान्यास हुआ

था, उसी मेट्रो का उद्घाटन करने जा रहे हैं। कानपुर में तो यह मेट्रो बहुत पहले बन जाती लेकिन हमारे अनुपयोगी, नाकाम सीएम ने बहुत समय लगा दिया। उनसे ज्यादा मुकदमे किसी और मुख्यमंत्री पर नहीं होंगे। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार झूठी सरकार है इसने तो यह भी कह दिया कि ऑक्सीजन से किसी की जान नहीं गई। कोरोना काल में उन्नाव, प्रयागराज व काशी में लाशें बह रहीं थी सरकार कहती है कि आक्सीजन की कमी से कोई मौत नहीं हुई। लोग सर्दी में तउप़ रहे हैं कोई सुविधा नहीं दी जा रही है। उन्होंने कहा कि आज अस्पतालों की बहुत बुरी दुर्दशा है, अस्पतालों में इलाज, दवाइयां, बेड नहीं है। आज लोग अस्पतालों में तड़प रहे हैं लेकिन यह सरकार कोई इंतजाम नहीं कर पा रही है। सपा मुखिया ने कहा कि अभी भी नौजवानों को लैपटॉप नहीं मिला है। उन्नाव में किसी नौजवान को लैपटॉप नहीं मिला। अखिलेश यादव ने कहा कि हमारे मुख्यमंत्री समाजवादी सरकार में खरीदी गई गाड़ी व प्लेन से ही चलते हैं।

बीआरडी मेडिकल कालेज में जूनियर डाक्टरों का हंगामा, वापस लौटे मरीज

गोरखपुर। बीआरडी मेडिकल कालेज में काउंसिलिंग कराने की मांग को लेकर जूनियर डाक्टरों (प्रथम वर्ष) ने मंगलवार को जमकर हंगामा किया। नेहरू अस्पताल में ओपीडी पर्चा काउंटर, ओपीडी, पैथोलाजी, एक्सरे, सीटी स्कैन, एमआरआइ जांच व दवा वितरण केंद्र बंद करा दिए। रोगियों को मजबूर होकर वापस जाना पड़ा। जूनियर डाक्टर सुबह नौ बजे ओपीडी पर्चा काउंटर पर पहुंचे। वहां रोगियों की लंबी लाइन लगी हुई थी। जूनियर डाक्टरों ने पर्चा काउंटर बंद कराना चाहा। रोगियों के विरोध के बाद उन्हें वापस लौटना पड़ा, क्योंकि इनकी संख्या बहुत कम थी। इसके बाद वे नेत्र रोग विभाग के ओपीडी में गए। वहां सीनियर रेजीडेंट रोगियों को देख रहे थे। उनसे ओपीडी बंद करने का अनुरोध किया। सीनियर रेजीडेंट ने कहा कि जिनका पर्चा कट चुका है, उन्हें तो देख लेने दो। लेकिन वे नहीं माने और पर्चा लेकर रोगियों को वापस कर दिए। इसी तरह अन्य विभागों के ओपीडी में जाकर डाक्टरों से अनुरोध कर ओपीडी बंद कराए। निराश होकर रोगी घर चले गए। उन्होंने सुपर स्पेशियलिटी ब्लाक में जाकर वहां भी पर्चा काउंटर बंद कराया और डाक्टरों के पास जमा पर्चे को रोगियों को वापस कर दिया। नेहरू अस्पताल में केवल वार्ड में भर्ती रोगियों का उपचार चल रहा है। इसके अलावा सब कुछ बंद है। जूनियर डाक्टरों ने इमरजेंसी सेवा को भी बंद नहीं कराया है और इमरजेंसी में ड्यूटी भी कर रहे हैं। लेकिन अन्य सेवाएं ठप हो गई हैं। ओपीडी बंद कराने के बाद जूनियर डाक्टर पुनः पर्चा काउंटर पर पहुंचे। वहां कर्मचारियों पर दबाव बनाकर काउंटर बंद करा दिया।

भाजपा सरकार में आज पूरा उत्तर प्रदेश दंगा रहित : नड्डा

हापुड़। भारतीय जनता पार्टी की बिजनौर से रवाना होने वाली जनविश्वास यात्रा मंगलवार को हापुड़ पहुंची। हापुड़ के गढमुक्तेश्वर में इसका स्वागत भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने किया। नड्डा ने इस अवसर पर जनसभा को भी संबोधित किया और उनके निशाने पर समाजवादी पार्टी थी। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि उत्तर प्रदेश में भाजपा ने पहले 15 वर्ष तक सत्ता में रही पार्टियों ने सिर्फ अपने विकास पर ध्यान दिया। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश की सत्ता में लम्बे समय तक रही समाजवादी पार्टी का इतिहास ही निराला है। हर जिले में इनके एक-दो बाहुबली हैं। इसके साथ ही दंगे और भ्रष्टाचार इनके राज में चरम पर रहा। भाजपा सरकार में आज पूरा उत्तर प्रदेश दंगा रहित है। उन्होंने कहा कि हमारे अखिलेश भाई कभी-कभी यात्रा में निकलते हैं, फिर क्वारंटाइन हो जाते हैं। अखिलेश जी की यह जो यात्रा होती है, वो होती है 'झांसा की यात्रा'। नड्डा ने कहा कि आपको मालूम होगा कि अखिलेश के एक मंत्री अभी भी जेल में हैं। खनन माफिया, यह तो खनन माफिया के नाम से जाने जाते थे। खुद बाहर और दूसरे जेल में, इनके मंत्री जेल में हैं। उन्होंने कहा कि इतना ही नहीं आज रुपये किसी और के पकड़े जा रहे हैं और तबियत किसी और की खराब हो रही है। उनका था गुंडाराज, माफियाराज और हमारा है समता राज,

हमारा है सर्वांगीण विकास राज। जेपी नड्डा ने कहा कि हमारे यहां देश में बहुत किसान नेता हुए। पहले किसानों के लिए सालाना बजट मात्र 23 हजार करोड़ रुपये होता था, लेकिन मोदी जी किसान के लिए एक लाख 23 हजार करोड़ रुपये का बजट दिया। उन्होंने कहा कि यह हापुड़ और यहां का गांव नूरपुर जो स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह जी का जन्मस्थान है, ऐसी पवित्र भूमि को मैं नमन करता हूं और हम सब लोग उनसे प्रेरणा लेते हैं। भाजपा अध्यक्ष नड्डा ने कहा कि हम सत्ता में कुर्सी से चिपकने नहीं आये हैं। हम कुर्सी के माध्यम से अपने विचार को ताकत देने आए हैं और जनता की तस्वीर और तकदीर बदलने आये हैं। हमारी पार्टी सत्ता में बैठने के लिए नहीं आई है, कुर्सी के साथ चिपकने के लिए नहीं आई है। हमारी पार्टी कुर्सी पर बैठकर मोदी जी के नेतृत्व में विचार और दृष्टि से भारत को मजबूत राष्ट्र बनाने के लिए आई है। आज मोदी जी कानपुर की जनता को मेट्रो रेल सेवा समर्पित कर रहे हैं। कहीं एक्सप्रेस-वे, कहीं एयरपोर्ट, कहीं एम्स, कहीं हॉस्पिटल इन सभी को जनता को समर्पित करने का दम अगर दिखाया है तो वो मोदी जी के आशीर्वाद ने और योगी जी की सरकार ने करके दिखाया है। नड्डा ने कहा कि जनसभा में मैं देख रहा हूं कि एक-एक साथी छाती चौड़ी कर-के जनविश्वास यात्रा में आया है।

सहारनपुर में नहीं थम रहा चोरो का आतंक पंजाब बाग में तीन मकानों को खंगाला

सहारनपुर। सदर बाजार थानाक्षेत्र की पंजाबी बाग कालोनी में एक नहीं, तीन-तीन घरों में चोरी कर डाली। रात को गश्त करने का दावा करने वाली पुलिस को भनक तक नहीं लगी। सुबह पीड़ितों ने फोन करके पुलिस को सूचना दी तो पुलिस खानापूरी के लिए डाग स्क्वायड और फिंगर प्रिंट टीम को लेकर मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल की। हालांकि अभी तक एक भी चोरी का पुलिस ने मुकदमा दर्ज नहीं किया है। पंजाबी बाग निवासी सुमित थल सेना से रिटायर है। उनके पिता की तबीयत अधिक खराब चल रही थी। इसलिए वह परिवार के साथ पिता का उपचार कराने के लिए देहरादून गए हुए थे। पंजाब बाग वाले मकान में ताला लगा हुआ था। सोमवार की देर रात चोरों ने मकान का ताला तोड़कर पूरे घर में चोरी कर डाली। हालांकि घर में कैश नहीं था, लेकिन अलमारी का ताला तोड़कर सोने-चांदी के जेवरात चोरी कर लिए। बर्तन तक चोर ले गए। पंजाबी बाग कालोनी निवासी भवन सिंह की बेटी नेहा ने बताया कि उनके घर पर भी सोमवार की रात कोई नहीं था। उन्हें मंगलवार की सुबह पड़ोसियों ने सूचना दी कि उनके घर का भी ताला टूटा पड़ा है। जिसके बाद वह घर पर पहुंचे तो पता चला कि उनके घर से कोई ज्यादा नुकसान नहीं हुआ है। अलमारी का ताला तोड़ने की कोशिश की गई, लेकिन ताला नहीं टूटा है। बाहर रखा कुछ सामान ही चोरी हुआ है। पंजाबी बाग निवासी रेनू गुप्ता के परिवार में एक व्यक्ति की कुछ दिन पहले देहरादून में मौत हो गई थी। जिसके बाद रेनू और उनका परिवार देहरादून तेहरवीं में गए हुए थे। मंगलवार की सुबह उन्हें जानकारी मिली कि उनके मकान में चोरी हो गई थी। रेनू गुप्ता सहारनपुर पहुंची तो देखा कि चोरों ने छत का जाल काटकर चोरी की वारदात को अंजाम दिया है।

मुजफ्फरनगर में अवैध शराब बनाने की फैक्ट्री का भंडाफोड़, 12 गिरफ्तार

मुजफ्फरनगर। क्राइम ब्रांच और खतौली पुलिस ने कस्बा के मोहल्ला यमुनापुरम में चल रही अवैध शराब बनाने की फैक्ट्री का राजफाश करते हुए मौके से 12 लोगों को दबोचा है।

एसएसपी अभिषेक यादव ने बताया कि टीम ने मौके से 5750 पव्वे उत्तराखंड मार्का, 264 पव्वे रॉयल स्टैग, 192 पव्वे खैतान मार्का, 99 हजार विभिन कंपनियों के ढक्कन, 15800 विभिन शराब की कंपनियों के रैपर, खाली पेटी, पेककिंग मशीन, दो कार, सात बाइक बरामद की है। बरामद सामान की कीमत 30 लाख रुपये से ज्यादा है। एसएसपी ने बताया कि मुख्य अभियुक्त नरेश कर्णवाल पूर्व में भी जेल जा चुका है। अवैध शराब की फैक्ट्री का राजफाश करने वाली टीम को एडीजी मेरठ ने 50 हजार रुपये का पुरस्कार देने की घोषणा की है।

प्रयागराज में सगे भाइयों सहित तीन युवकों की हत्या शव रख रास्ता जाम, पुलिस ने शांत कराया मामला

प्रयागराज। प्रयागराज में बड़ी वारदात हुई। यमुनापार के कोरांव थाना क्षेत्र में सोमवार की रात तीन युवकों की हत्या कर दी गई। इनमें से दो सगे भाई थे। बेलन नदी पुल पर तीनों की एक ही स्थान पर लाश मिली।

जानकारी होने पर कई थानों की पहुंची पुलिस तहकीकात कर रही है। हत्यारों का पता नहीं चल सका है। आक्रोशित परिवार के लोग व ग्रामीण पुलिस को शवों को सौंपने से इंकार कर दिया। उच्चाधिकारियों के समझाने पर मामला शांत हुआ। सगे भाई समेत तीन की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के बाद आक्रोशित भीड़ ने लाश को सड़क पर रखकर जाम लगा दिया था, जिसे पुलिस अधिकारियों ने किसी तरह समझा बुझाकर खोलवा दिया। साथ ही तीनों लाशों को पोस्टमार्टम हाउस भिजवा दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर साफ होगा कि युवकों की हत्या हुई या हादसे का शिकार हुए। हालांकि स्वजनों ने हत्या का आरोप लगाया

है और हत्या की तहरीर भी लिखी जा रही है। अब तक कि जांच में पता चला है कि सूचना मिलने के थोड़ी देर बाद बाद ही आकाश का चाचा मौके पर पहुंचा था। उसने भतीजे का मोबाइल अपने पास रख लिया था, जिसे बाद में सीओ ने अपने कब्जे में लिया। व्यपारी के बेटे के पास पैसा कितना था और किससे लेकर आ रहे थे, इसकी जानकारी जुटाई जा रही है। घटनास्थल से कुछ दूर पर लगे सीसीटीवी फुटेज को भी खंगाला जा रहा है। यमुनापार के कोरांव थाना क्षेत्र के गजाधरपुर गांव निवासी पप्पू केसरी रहते हैं। उनके दो पुत्र विकास केसरी 25 और आकाश केशरी 22 हैं। दोनों सगे भाई धान का कारोबार करते थे। सोमवार की रात में विकास और आकाश गांव के ही मौनी आदिवासी के 20 वर्षीय पुत्र कलवा के साथ ड्रमंडगंज गए थे। वहां किसी व्यापारी को धान उन्होंने बेचा था, उसी का रुपया लेने तीनों गए थे।

भोगांव रेलवे स्टेशन पर आज से शुरू होगा स्मार्ट सिग्नल सिस्टम

मैनपुरी। भोगांव छह महीने से नगर की रेलवे स्टेशन पर चल रहा इलेक्ट्रानिक इंटरलॉकिंग का कार्य पूरा हो गया है। मंगलवार को शाम पांच बजे टूंडला से पहुंचे अधिकारी रेलवे स्टेशन पर स्मार्ट सिग्नल सिस्टम का शुभारंभ करेंगे। प्रोजेक्ट मैनेजर एंजेलिक इंटरनेशनल आनंद मिश्रा ने बताया कि एडवांस सिग्नल के अंतर्गत भोगांव रेलवे स्टेशन पर इलेक्ट्रानिक इंटरलॉकिंग का कार्य पूरा कर लिया गया है। स्टेशन को पूरी तरह से कंप्यूटराइज्ड किया गया है। उन्होंने बताया कि रेलवे के अधिकारी 28 दिसंबर को शाम पांच बजे स्टेशन पर पहुंचने वाली पैसेंजर ट्रेन को स्मार्ट सिग्नल सिस्टम से संचालित कर उद्घाटन करेंगे। प्रोजेक्टर मैनेजर ने बताया कि उद्घाटन कार्यक्रम में सीनियर डीएसटी सिग्नल प्रदीप सोनी, डीएसटी टूंडला उमेश प्रणालिया, एसडीएसटी अलीगढ़ पीके द्विवेदी, एसडीएसडी इटावा एके यादव, रोहित मिश्रा, जेई अमित कुमार मौजूद रहेंगे।

कांग्रेस ने ध्वजारोहण, गोष्ठी के साथ मनाया 137 वां स्थापना दिवस

बस्ती। कांग्रेस पार्टी का 137 वां स्थापना दिवस मंगलवार को पार्टी कार्यालय पर उपाध्यक्ष संदीप श्रीवास्तव के संयोजन में ध्वजारोहण, गोष्ठी और मिष्ठान्न वितरण के बीच संकल्पों के साथ मनाया गया।

पूर्व विधायक अम्बिका सिंह ने गोष्ठी को सम्बोधित करते हुये कहा कि देश को आजाद कराने से लेकर नव निर्माण तक कांग्रेस की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। पार्टी उत्तर प्रदेश में मजबूत हो इसके लिये पूरी निष्ठा से दायित्व निभाने होंगे। कहा कि आज समूचा देश और उत्तर प्रदेश कांग्रेस की ओर विश्वास भरी दृष्टि से देख रहा है, भाजपा के झूठ और तानाशाही रवैये से किसान, नौजवान, व्यापारी से लेकर समाज का हर वर्ग त्रस्त है ऐसे में हमें मिलकर लोगों का भरोसा जीतना होगा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष अनिरूद्ध त्रिपाठी ने कहा कि देश को आजादी दिलाकर कांग्रेस ने एक सबल भारत का निर्माण किया। पिछले दो दशकों से उत्तर प्रदेश में जाति, और धर्म की राजनीति ने विकास केन्द्रित राजनीति का गला घोट दिया है। ऐसे कठिन समय में कांग्रेसजनों को एकजुट होकर अपना संदेश जन-जन तक ले जाकर मजबूत सरकार बनानी होगी। उपाध्यक्ष संदीप श्रीवास्तव ने कहा कि अब लोग समझने लगे हैं कि कांग्रेस ही देश को सही दिशा में ले जाने में सक्षम है। हमारे पास उज्जवल इतिहास और वर्तमान के लिये स्पष्ट नीति, कार्यक्रम हैं, इसके बूते कांग्रेस पुनः उत्तर प्रदेश में अपना खोया हुआ गौरव प्राप्त करेगी। संचालन करते हुये नर्वदेश्वर शुक्ल ने कांग्रेस के इतिहास और योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। ध्वजारोहण, संगोष्ठी एवं मिष्ठान्न वितरण में मुख्य रूप से प्रदेश सचिव देवेन्द्र श्रीवास्तव, प्रेमशंकर द्विवेदी, मो. रफीक खान, ज्ञानेन्द्र पाण्डेय ह्यज्ञानूह्न,सचिन शुक्ल, गंगा प्रसाद मिश्र, गिरजेश पाल, रामभवन शुक्ल, उदयशंकर शुक्ल, बाबूराम सिंह, बालमुकुन्द मिश्र, शुभम गौड़ के साथ ही पार्टी के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता शामिल रहे।

गोरखपुर में जिला सहकारी बैंक के पूर्व जीएम 3.54 करोड़ के घपले में गिरफ्तार

गोरखपुर। जिला सहकारी बैंक गोरखपुर के पूर्व जीएम रमाशंकर मिश्र को सीबीसीआइडी की टीम ने शाहपुर के मानस बिहार कालोनी स्थित आवास से गिरफ्तार कर लिया। बैंक की सिकरीगंज शाखा से हुए 3.54 करोड़ के घपले में वह आरोपित थे। कोर्ट में पेश करने के बाद उन्?हें जेल भेज दिया गया। जिला सहकारी बैंक की सिकरीगंज शाखा पर वर्ष 2012 से 2015 के बीच तैनात रहे तत्कालीन प्रबंधक रामनाथ ने फर्जी तरीके से 400 लोगों में 3.54 करोड़ ऋण वितरित किया था। शाखा प्रबंधक ने अपने कार्यक्षेत्र से बाहर जाकर उरुवा, बेलघाट,सिकरीगंज, खजनी,पिपरौली में रहने वाले लोगों को भी ऋण दे दिया। शिकायत पर हुई जांच में पता पता चला कि अनियमित तरीके से ऋण वितरित करने में जिला सहकारी बैंक के पूर्व महाप्रबंधक रमाशंकर मिश्र, रामनेवास, जयप्रकाश, उप शाखा प्रबंधक कालिका प्रसाद सिंह भी शामिल रहे।

निर्धारित समय व गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण करें कार्य- जिलाधिकारी

मऊ। जिलाधिकारी अमित सिंह बंसल द्वारा एनएच-29 का निमार्णाधीन फोरलेन चैड़ीकरण कार्य (बदुआ गोदाम से ताजोपुर

तक) का निरीक्षण किया गया। मार्ग में बन रहे पुल/अण्डरपास आदि का भी निरीक्षण किया गया। कार्य की प्रगति एवं गुणवत्ता अपेक्षित न पाए जाने के कारण घोर अप्रसन्नता व्यक्त की गयी। कार्यदायी संस्था के अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए गए कि कार्य शीघ्रातिशीघ्र गुणवत्तापूर्ण ढ़ंग से कराना सुनिश्चित किया जाए। ताकि मार्ग का उपयोग जन सामान्य द्वारा किया जा सके। कार्य की गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए। यह भी निर्देशित किया गया कि किसी भी दशा में कार्य की गुणवत्ता प्रभावित नहीं होनी चाहिए। निरीक्षण के दौरान सीआरओ केहरि सिंह एवं कार्यदायी संस्था के अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित थे। जिलाधिकारी अमित सिंह बंसल द्वारा सभी कार्यदायी संस्थाओं को यह निर्देशित किया गया कि जनपद में चल रहे समस्त निर्माण कार्यो को निर्धारित समय सीमा के अन्तर्गत गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण कराना सुनिश्चित करें। अन्यथा की दशा में सम्बन्धित ठेकेदार एवं संस्था के विरूद्ध नियमानुसार कठोर कार्यवाही अमल मे लायी जाएगी।

जिलाधिकारी ने मेधावी छात्र-छात्राओं को दिये टैबलेट एवं 21 हजार रुपए का चेक

मऊ। सोमवार को वर्ष 2020 में हाईस्कूल एवं इण्टरमीडिएट परीक्षा उत्तीर्ण मेधावी छात्र/छात्राओं नन्दिनी यादव, चन्द्र प्रकाश यादव, प्रिन्स गुप्ता, साहिबा हयात, श्रेया सिंह, मुकश कुमार चैरसिया, आशीष पटेल, अंकिता भारती,

जतीन कुमार गुप्ता, सूर्याश सिंह, नेहा यादव, सोनम मद्धेशिया, किरन यादव, नेहा राय, सिवांगी राय, गायत्री यादव, रूबि गौड़, सचिन चैहान, अंकिता गुप्ता एवं दिव्या शर्मा को जिलाधिकारी अमित सिंह बंसल द्वारा कलेक्टेज्ट सभागार में टैबलेट एवं 21 हजार रुपए का चेक वितरण किया गया। इस अवसर पर जिला विद्यालय निरीक्षक उपस्थित रहें।

स्व.दीनानाथ रायने क्षेत्र के विकास के लिये पूरी ईमानदारी से कार्य किये

मऊ। खुखुन्दवा गांव के पूर्व प्रधान व जिला पंचायत सदस्य तथा कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रहे स्व. दीनानाथ राय की प्रथम पूण्यतिथि बीते रविवार को उनके पैतृक आवास पर खुखुन्दवा में मनायी गयी। लोगों ने उनको श्रद्धांजलि देते हुये कहा कि आजीवन गरीबों के उत्थान के लिये समर्पित रहे स्व.दीनानाथ राय, कांग्रेस को भी सशक्त बनाने में जुटे रहे। वक्ताओं ने कहा कि कांग्रेस के दिग्गज नेता स्व.कल्पनाथ राय के निकट सहयोगी रहे स्व.दीनानाथ राय क्षेत्र में कांग्रेस की मजबूती के लिये पूरे मनोयोग से काम किये। अपने जीवनकाल के आखिरी क्षणों तक को पार्टी की बेहतरी के लिये समर्पित रहे। अपने पास मदद के लिये आने वाले हर पक्ष को उन्होंने मदद पहुंचायी और कभी किसी को निराश नहीं किया। स्व.दीनानाथ राय प्रधानी कार्यकाल के दौरान गांव के उत्थान के लिये काम किया तथा

जिला पंचायत सदस्य निर्वाचित होने पर उन्होंने पूरे क्षेत्र के विकास के लिये पूरी ईमानदारी से कार्य किया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष मनोज राय, सपा के पूर्व जिलाध्यक्ष शैलेन्द्र यादव उर्फ साधू, राष्ट्रीय लोकदल के नेता व जिले के किसान नेता देवप्रकाश राय, डा. सी राय, भाजपा नेता योगेन्द्रनाथ राय सहित क्षेत्र के गणमान्य नागरिक व पत्रकारगण उपस्थित रहे। इस मौके पर क्षेत्र के लगभग 5 सौ गरीबों में स्व.राय की पत्नी, बहन व उनके दोनों बेटों द्वारा कम्बल वितरीत किया गया जबकि उनके यहां आमंत्रित लगभग 8 हजार लोग भोज में शामिल भी हुये। स्व.दीनानाथ राय के बेटे राघवेन्द्र राय व संजय राय ने कहा कि अपने पिता के पद चिन्हों पर चलते हुए हमेशा लोगों की बेहतरी के लिये काम कर करेंगे। प्रतिवर्ष पिता के पूण्यतिथि के अवसर पर गरीबों में कम्बल वितरीत करते रहेंगे।

एशेज: ऑस्ट्रेलिया ने कसा शिकंजा

तीसरे टेस्ट की दूसरी पारी में इंग्लैंड ने 31 रन पर गवांए चार विकेट, ऑस्ट्रेलिया की घातक गेंदबाजी

मेलबर्न। मिशेल स्टार्क (11 रन पर दो विकेट) और स्कॉट बोलैंड (एक रन पर दो विकेट) के शानदार गेंदबाजी प्रदर्शन से ऑस्ट्रेलिया ने तीसरे एशेज क्रिकेट टेस्ट मैच के दूसरे दिन सोमवार को इंग्लैंड की दूसरी पारी में उसके 12 ओवर में 31 रन पर चार विकेट गिरा दिए। इसी के साथ ऑस्ट्रेलिया अब मजबूत स्थिति में है, जबकि इंग्लैंड संकट में है, क्योंकि वह ऑस्ट्रेलिया से 51 रन पीछे है।

चिंता की बात यह है कि महज 31 रन पर उसके चार विकेट गिर चुके हैं। ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों ने एक बार फिर अपना दबदबा दिखाया और स्टार्क तथा स्थानीय स्टार गेंदबाज बोलैंड ने इंग्लैंड को शुरुआती झटके दिए। इंग्लैंड का पहला और दूसरा विकेट क्रमशः जैक क्रॉली और डेविड मलान के रूप में महज सात के स्कोर पर गिरा। दोनों बल्लेबाज स्टार्क का शिकार बने। वहीं इसके बाद टेस्ट पदार्पण कर रहे बोलैंड ने हसीब हामीद और जैक लीच को आउट कर पवेलियन वापस भेजा। इंग्लैंड ने 22 के स्कोर पर हसीब के रूप में तीसरा और लीच के रूप में चौथा विकेट गंवाया। फिलहाल जो रूट और ऑलराउंडर बेन स्टोक्स क्रीज पर हैं और क्रमशः 12 और दो रन पर खेल रहे हैं।

वॉन ने एशेज के शेष 2 टेस्ट मेलबर्न में कराने की गुहार लगाई

इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेली जा रही एशेज सीरीज में कोरोना वायरस की एंट्री हो गई है। इस बीच इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) से चौथे और पांचवें एशेज टेस्ट की मेजबानी मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) में कराने का अनुरोध किया है। वॉन ने कहा कि कोविड खतरे के बीच मेजबान क्रिकेट बोर्ड को बाकी बचे दो टेस्ट मेलबर्न में करने पर विचार करना चाहिए। चौथा टेस्ट सिडनी क्रिकेट ग्राउंड (एससीजी) में निर्धारित है, जबकि पांचवां और अंतिम एशेज खेल बेलेरिव ओवल, होबार्ट में खेला जाएगा। वॉन ने कहा मुझे लगता है कि क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया को जल्द ही इस बारे में कोई निर्णय लेना चाहिए। वायरस के जोखिम को कम करने के लिए एससीजी को चौथे टेस्ट स्थल के रूप में छोड़ देना चाहिए जिससे सभी खिलाड़ी सुरक्षित महसूस करें।

स्कॉट बोलैंड ने एक ओवर में एक रन देकर दो विकेट झटके

इंग्लैंड दल में मिले कोरोना के चार मामले लेकिन तीसरा एशेज टेस्ट जारी

एशेज सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया का दौरा कर रहे इंग्लैंड की टीम में कोरोना के चार मामले मिले। इसमें से दो कोचिंग स्टाफ और दो खिलाड़ियों के पारिवारिक सदस्यों का मामला है। इसके कारण मेलबर्न में चल रहे बॉक्सिंग डे टेस्ट का दूसरा दिन आधे घंटे देरी से शुरू हुआ। सभी खिलाड़ियों का रैपिड ऐंटीजेन टेस्ट निगेटिव आने पर ही दूसरे दिन का खेल शुरू हुआ। हालांकि इन मामलों के आने के बाद सीरीज पर अब संकट के बादल छाने लगे हैं। सोमवार के खेल के बाद पूरे इंग्लिश दल का आरटीपीसीआर टेस्ट होगा। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने कहा, प्रभावित लोगों को आइसोलेट कर दिया गया है। पूरे इंग्लिश दल का रैपिड ऐंटीजेन टेस्ट हुआ है और निगेटिव आने पर ही वे मैदान में उतरे हैं। दिन के खेल के बाद सबका आरटीपीसीआर टेस्ट भी होगा। हम स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। अतिरिक्त सावधानियों के साथ यह मैच जारी रहेगा। हालांकि सीए के स्वास्थ्य सलाहकारों का मानना है कि ऐसे हालात में मैच नहीं जारी रहना चाहिए। वहीं चैनल सेवन की कॉमेंट्री दल में भी एक पॉजिटिव मामला आने के बाद चैनल ने पूरे कॉमेंट्री पैनल को बदल दिया है। इस दल में रिकी पोंटिंग और सर इयान बॉथम भी थे, जिन्हें आइसोलेट होना पड़ा है। अब बिग बैश लीग (बीबीएल) की कॉमेंट्री टीम इस टेस्ट मैच की कॉमेंट्री करेगी।

ऑस्ट्रेलिया को पहली पारी में मिली 82 रन की महत्वपूर्ण बढ़त

इंग्लैंड ने इससे पहले सोमवार को ऑस्ट्रेलिया को 267 रन पर ऑल आउट किया, हालांकि ऑस्ट्रेलिया को पहली पारी में 82 रन की महत्वपूर्ण बढ़त मिली। इंग्लैंड ने अपनी पहली पारी में 185 रन बनाए थे और इस तरह उसने अपनी दूसरी पारी 82 रन से पिछड़ने के साथ की। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने 61 रन पर एक विकेट से आगे खेलना शुरू किया। मार्कस हैरिस ने 20 रन और नाईट वॉचमैन नाथन लियोन ने शून्य से अपनी पारी को आगे बढ़ाया। लियोन 10 रन बनाकर ओली रॉबिन्सन का शिकार बने। मार्नस लाबुशेन एक, स्टीवन स्मिथ 16, ट्रेविस हेड 27, कैमरून ग्रीन 17 और एलेक्स कैरी 19 रन बनाकर आउट हुए। हैरिस 189 गेंदों में सात चौकों के सहारे 76 रन बनाकर छठे बल्लेबाज के रूप में टीम के 180 के स्कोर पर पवेलियन लौटे। निचले क्रम में कप्तान पैट कमिंस ने 32 गेंदों में 21 और मिशेल स्टार्क ने 37 गेंदों में 24 रन बनाकर ऑस्ट्रेलिया को 82 रन की बढ़त दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी। इंग्लैंड की तरफ से जेम्स एंडरसन ने 33 रन पर चार विकेट झटके, जबकि रॉबिन्सन और मार्क वुड को दो-दो विकेट मिले।

रूसी टेनिस खिलाड़ी आंद्रे रुबलेव कोरोना संक्रमित

एटीपी कप से बाहर होना लगभग तय

बार्सिलोना। रूस के स्टार टेनिस खिलाड़ी आंद्रे रुबलेव कोरोना वैक्सीन के दोनों डोज लगाने के बावजूद कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए हैं।

दुनिया के नंबर पांच खिलाड़ी रुबलेव ने सोमवार को एक ट्वीट में जानकारी दी, मैं इस समय बार्सिलोना में हूं और दुर्भाग्यवश कोरोना पॉजिटिव पाया गया हूं। मैं अब आइसोलेशन में हूं और डॉक्टरों की निगरानी में सभी प्रोटोकॉल्स का पालन कर रहा हूं। मैं पूरी तरह से वैक्सीनेट हूं और एटीपी कप और ऑस्ट्रेलियन ओपन टूर्नामेंट की तैयारी कर रहा था। अब मुझे ठीक होना है और मैं मेलबोर्न तभी जाउंगा जब यह सबके लिए सुरक्षित होगा। उल्लेखनीय है कि रुबलेव ने इस महीने अबूधाबी में

मुबाडाला विश्व टेनिस चैंपियनशिप जीती थी, जो कोरोना वायरस के लिए एक सुपरस्प्रेडिंग इवेंट बन गया। उनसे पहले राफेल नडाल, डेनिस शापोवालोव, ओन्स जबूर और बेलिंडा बेनकिक ने इस इवेंट में प्रतिस्पर्धा करने के बाद कोरोना संक्रमित पाए जाने की पुष्टि की थी। उनकी कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद एटीपी कप से उनका बाहर होना लगभग तय हो चुका है।

ऑस्ट्रेलियन ओपन के लिए रवाना हुईं ओसाका

जापानी टेनिस खिलाड़ी नाओमी ओसाका ऑस्ट्रेलियन ओपन में भाग लेने के लिए रवाना हो चुकी हैं, जो 17 जनवरी से शुरू होने वाला 2022 का शुरुआती ग्रैंड स्लैम है। सोमवार को दो ऑस्ट्रेलियन और दो यूएस ओपन का खिताब जीतने वाली खिलाड़ी ने सोशल मीडिया पर अपनी एक तस्वीर पोस्ट करते हुए लिखा, 16 घंटे के अंदर ऑस्ट्रेलिया में मिलते है। ऑस्ट्रेलियन ओपनडिफेंडिंग चैंपियन ने हाल ही में तीन महीने पहले यूएस ओपन से बाहर निकलने के बाद टेनिस कोर्ट पर वापस लौटने की घोषणा की थी। इस दौरान उन्होंने कहा था कि मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों के कारण कोर्ट से दूरी बनाई थी। नवंबर में उन्होंने सोशल मीडिया पर अभ्यास करते हुए एक तस्वीर साझा की थीं।

लोकेश के शतक से भारतीय ब्लाइंड टीम ने जीता पहला वनडे

भोपाल। लोकेश के मात्र 77 गेंदों पर बने आतिशी शतक (नाबाद 142) की बदौलत भारतीय ब्लाइंड टीम ने बांग्लादेश को पहले वनडे में आठ विकेट से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। भारतीय टीम ने 18 ओवर शेष रहते जीत हासिल की।

बांग्लादेश ने 40 ओवर में 264 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाया जबकि भारत ने 21.5 ओवर में दो विकेट पर 266 रन बनाकर जीत अपने नाम की। बांग्लादेश की पारी में ओपनर मोहम्मद अब्दुल मलिक ने 78 गेंदों पर 72 रन बनाए। भारत ने नियमित अंतराल में बांग्लादेश के विकेट झटके। भारत ने दुर्गा राव और ए वेंकटेश्वर राव के विकेट गंवाकर जीत अपने नाम की। लोकेश ने 77 गेंदों पर नाबाद 142 रन की विस्फोटक पारी और कप्तान सुनील में 35 गेंदों पर 72 रन बनाकर भारत को एकतरफा जीत दिलाई।

टीम इंडिया में कप्तानी के बंटवारे को लेकर पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने कहा

विराट की कप्तानी कपिल जैसी रोहित की गावस्कर की तरह

बेंगलुरु । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने कहा है कि विराट कोहली की कप्तानी ने उन्हें कपिल देव के कार्यकाल की याद दिलाई है, जबकि रोहित शर्मा की कप्तानी शैली काफी हद तक सुनील गावस्कर जैसी है।

पूर्व मुख्य कोच ने कहा, जब आप दोनों को देखेंगे और उनकी कप्तानी की तुलना करेंगे तो आपको सनी और कपिल की याद आएगी। विराट कपिल की तरह सहज, स्वभाविक और मन की भावना के साथ जाते हैं, जबकि रोहित गावस्कर की तरह कैलक्यूलेटड, बेहद कुशल, बहुत शांत और रचनाशील हैं। उल्लेखनीय है कि हाल ही में विराट ने हाल ही में संपन्न आईसीसी टी-20 विश्व कप 2021 के बाद टी-20 कप्तानी से इस्तीफा दे दिया था। जिसके बाद चयनकर्ताओं ने सफेद गेंद प्रारूप के लिए एक ही कप्तान होने की सोच के साथ रोहित शर्मा को टी-20 और वनडे कप्तान नियुक्त किया।

संक्षिप्त

आईपीएल: सीवीसी कैपिटल्स को क्लीन चिट, बीसीसीआई करेगी अंतिम फैसला

नई दिल्ली। आईपीएल में अहमदाबाद की फ्रेंचाइजी के मालिकाना हक के लिए सीवीसी कैपिटल्स को हरी झंडी मिल चुकी है। हालांकि अभी बीसीसीआई को इस मामले में अंतिम फैसला करना है। आईपीएल की दो नई टीमों की नीलामी के बाद सीवीसी कैपिटल्स पर सट्टेबाजी कंपनी के साथ काम करने के आरोप लगे थे। इसके बाद भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने अहमदाबाद की फ्रेंचाइजी के मालिकाना हक पर रोक लगा दी थी और मामले की जांच करने के लिए एक समिति बनाई थी। इस समिति ने अपनी रिपोर्ट में सीवीसी कैपिटल्स को क्लीन चिट दे दी है। नीलामी के दौरान आरपीएसजी ग्रुप ने लखनऊ और सीवीसी कैपिटल्स ने अहमदाबाद की टीम का मालिकाना हक जीता था। बीसीसीआई ने इस मामले की जांच के लिए जो समिति बनाई थी उसमें तीन सदस्य थे और इनकी अध्यक्षता केस राधाकृष्णन कर रहे थे। राधाकृष्णन सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायधीश हैं। रिपोर्ट के अनुसार आईपीएल गवर्निंग काउंसिल की मीटिंग में इस बारे में चर्चा हुई थी और अंत में इसे क्लीन चिट दे दी गई है। इस मामले में जल्द ही कोई आधिकारिक एलान भी हो सकता है। हालांकि अभी भी बीसीसीआई इस मामले पर अंतिम फैसला कर सकता है।

उत्तराखंड के सीएम ने बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन को किया सम्मानित

देहरादून। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने युवा बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन को विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप में ऐतिहासिक कांस्य पदक जीतने के लिए सम्मानित किया। मुख्यमंत्री की ओर से रविवार को 20 वर्षीय लक्ष्य को स्पेन में हाल ही में संपन्न प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीतने के लिए 15 लाख रुपए का चेक प्रदान किया गया। धामी ने ट्विटर पर लिखा, अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी व उत्तराखंड के लाल लक्ष्य सेन को उनकी उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया। उनकी प्रतिभा का आदर करते हुए उन्हें 15 लाख रुपए बतौर प्रोत्साहन राशि भेंट की। मैं लक्ष्य के उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूं और ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि वो जीवन में अपना हर लक्ष्य हासिल करें। लक्ष्य ने भी मुख्यमंत्री को उनके प्रेरक शब्दों के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने ट्वीट में कहा, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर धामी सर से मिलना मेरे लिए सम्मान की बात है। आपके प्रेरक शब्दों के लिए धन्यवाद सर।

ईपीएल: मैनचेस्टर सिटी, चेल्सी और आर्सनल जीते

मैनचेस्टर सिटी ने लीसेस्टर को 6 -3 से हराया

मैनचेस्टर। कोरोना वायरस मामलों के कारण कई मैच स्थगित होने के बीच प्रीमियर लीग (ईपीएल) में बॉक्सिंग डे पर खेले गए पांच मैचों में 26 गोल किए गए हालांकि खिताब की दौड़ के समीकरण इससे बदले नहीं है। मैनचेस्टर सिटी ने लीसेस्टर पर 6 -3 से जीत दर्ज की।

मैनचेस्टर सिटी के लिए रहीम स्टर्लिंग के दो गोल 25 और 87वें मिनट के अलावा केविन डी ब्रूयन ने 5वें मिनट, रियाद महरेज ने 14वें मिनट, इल्के गुंडोगन 21वें मिनट व आयमेरिक लापोर्टे ने 69 वें मिनट में गोल एक-एक गोल दागे। गत चैम्पियन टीम की बढ़त अब छह अंक की हो गई है। दूसरे स्थान पर काबिज लिवरपूल का लीड्स के खिलाफ मैच कोरोना संक्रमण के कारण स्थगित कर दिया गया। चेल्सी ने एस्टोन विला को 3-1 से हराया जिसमें उसके स्टार स्ट्राइकर रोमेलू लुकाकू ने भी गोल दागा।

चेल्सी और लिवरपूल के अब समान अंक हैं। उनसे छह अंक पीछे आर्सनल है जिसने नॉर्विच को 5-0 से हराया। टोटेनहम ने क्रिस्टल पैलेस को 3-0 से मात दी और अब वह आर्सनल से छह अंक ही पीछे है।

द. अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज से भी बाहर हो सकते हैं रोहित शर्मा

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम इस समय दक्षिण अफ्रीका दौरे पर टेस्ट सीरीज खेल रही है। इसके बाद टीम को 19 जनवरी से तीन मैचों की वनडे सीरीज खेलनी है। टीम इंडिया के सीमित ओवरों के कप्तान रोहित शर्मा चोट के कारण टेस्ट सीरीज से बाहर हैं और अब ऐसी खबरें है कि वह वनडे सीरीज से भी बाहर ही रहेंगे। वनडे टीम का कप्तान बनने के बाद रोहित को हैमस्ट्रिंग में खिंचाव आ गया था और इस समय वह एनसीए में रिहैबिलिटेशन कर रहे है। रिपोर्ट के अनुसार, रोहित अबतक फिट नहीं हुए हैं और इसीलिए साउथ अफ्रीका वनडे सीरीज के लिए टीम इंडिया के ऐलान में देरी हो रही है। सेलेक्शन कमेटी आखिरी वक्त तक व्हाइट बॉल टीम के कप्तान का फिट होने का इंतजार कर रही है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाली वनडे सीरीज के लिए 30 या 31 दिसंबर को भारतीय टीम का ऐलान हो सकता है। और तब तक अगर रोहित फिट नहीं होते हैं तो उनकी जगह केएल राहुल को वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम का कप्तानी मिल सकती हैं।

बारिश से धुला दूसरे दिन का खेल

भारत-द. अफ्रीका टेस्ट: तीसरे दिन मौसम साफ रहने की संभावना

सेंचुरियन। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच यहां खेले जा रहे पहले क्रिकेट टेस्ट मैच के दूसरे दिन का खेल सोमवार को बारिश से धुल गया। लगातार हो रही बारिश के कारण भारतीय समयानुसार करीब शाम साढ़े पांच बजे खेल को रद्द कर दिया गया। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने ट्वीट करते हुए जानकारी दी कि दुर्भाग्यवश सोमवार को सेंचुरियन में भारी मात्रा में बारिश के कारण दूसरे दिन के खेल को रद्द कर दिया गया है।

उल्लेखनीय है कि इससे पहले मैच अधिकारियों की ओर से खेल को शुरू करने के लिए शाम चार बजकर 15 मिनट पर मैदान का निरीक्षण किया गया, लेकिन स्थिति अनुकूल नहीं थी और फिर शाम पांच बजकर 26 मिनट पर मैदान पर काफी पानी भरे होने की वजह से खेल को रद्द कर दिया गया। भारत ने पहले दिन तीन विकेट के नुकसान पर 272 रन बनाए थे। लोकेश राहुल 122, जबकि अजिंक्या रहाणे 40 रन पर खेल रहे हैं। पहले दिन के खेल के दौरान भी कई बार बादल आए, लेकिन सुखद बात यह रही कि बारिश नहीं हुई। हालांकि, स्टंप्स के बाद लगभग पूरी रात बुंदाबादी होती रही। मैच के अन्य दिनों की बात करें तो तीसरे दिन मौसम साफ रहने की संभावना है, लेकिन चौथे और 5वें दिन तूफान के साथ बारिश का अनुमान है। खासकर 5वें दिन अधिक मौसम खराब होने की बात कही जा रही है।

ओलिवियर पहले टेस्ट से बाहर

दक्षिण अफ्रीकी टीम में वापसी कर रहे तेज गेंदबाज डुएन ओलिवियर को बुखार और चोट के कारण पहले टेस्ट से बाहर होना पड़ा। रिपोर्ट के अनुसार ओलिवियर पूरी तरह फिट नहीं हैं और अंतिम एकादश में वापसी करने के लिए उन्हें अपनी गेंदबाजी क्षमता को बढ़ाना होगा। टीम प्रबंधन को भरोसा है कि वह तीन जनवरी से शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट से पहले पूरी तरह फिट हो जाएंगे।

पीकेएल-8: जयपुर पिंक पैंथर्स की लगातार दूसरी जीत

बेंगलुरु। पहले सीजन के चैम्पियन जयपुर पिंक पैंथर्स टीम ने प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के आठवें सीजन के 16वें मैच में यूपी योद्धा को 32-29 से हरा दिया।

इस जीत ने जयपुर को 12 टीमों की तालिका में तीसरे स्थान पर पहुंचा दिया है। दोनों टीमों का यह तीसरा मैच था। जयपुर को दो मैचों में जीत मिली है जबकि युपी को दो मैचों में हार। जयपुर के खाते में 11 अंक हैं जबकि अपने स्टार रेडर प्रदीप नरवाल की नाकामी से हैरान यूपी के खाते में अब तक तीन मैचों से सिर्फ सात अंक आए हैं। प्रदीप की गैरमौजूदगी में सुरेंदर गिल (10 अंक) और रोहित तोमर के (7 अंक) व जयपुर के लिए कप्तान दीपक निवास हुड्डा (7 अंक) की तुलना में अर्जुन देसवाल (11 अंक) स्टार साबित हुए। वहीं एक अन्य मुकाबले में एक समय 10 अंकों की लीड लेने के बावजूद मैच के अंतिम समय में पीछे चल रही तमिल थलाइवाज टीम ने अपने डिफेंस के शानदार खेल की बदौलत 15वें मैच में यू मुम्बा के खिलाफ 30-30 से टाई खेला। मैच का फैसला अंतिम रेड पर हुआ।

हमने अपनी योजना का कार्यान्वयन अच्छी तरह किया: मयंक अग्रवाल

भारतीय सलामी बल्लेबाज मयंक अग्रवाल ने रविवार को कहा कि उनकी टीम के बल्लेबाजों ने योजना का कार्यान्वयन अच्छी तरह कर यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट के शुरूआती दिन मेजबानों को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। भारत ने बल्लेबाजी का फैसला करने के बाद स्टंप तक तीन विकेट पर 272 रन बना लिये जिसमें केएल राहुल 122 रन बनाकर खेल रहे हैं। उनके सलामी जोड़ीदार अग्रवाल ने 60 रन का योगदान दिया जबकि अजिंक्य रहाणे ने भी 40 रन बना लिये। अग्रवाल ने दिन का खेल समाप्त होने के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा, योजना थी कि पूरे अनुशासित बने रहें और उन्हीं गेंदों को खेले जो स्टंप के करीब आ रही हों और बाहर जाती ज्यादा से ज्यादा गेंदों को छोड़ दें। हम ऐसा कर सके। उन्होंने कहा, तीन विकेट पर 272 रन के स्कोर का श्रेय हमारी बल्लेबाजी इकाई को जाता है, हमने अच्छा खेल दिखाया। योजना थी कि जो क्रीज पर जम जाये, वह खेलता रहेगा और राहुल भाई ने ऐसा किया। राहुल के शतक के अलावा भारत के लिये भागीदारियां भी अहम रही।

उन्होंने कहा, राहुल का शतक जड़ना अहम था। हमने भागीदारियां निभायीं और वो भी अहम थी। उन्होंने पहले मेरे साथ भागीदारी की और विराट भाई ने भी की और फिर रहाणे के साथ। मैं उम्मीद करता हूं कि वे ऐसा करना जारी रखें। उन्होंने कहा कि भारतीय टीम ने मैदान पर मैच से पूर्व काफी अभ्यास सत्र किये और मध्य विकेट पर भी ताकि परिस्थितियों का अंदाजा लग सके। यह पूछने पर कि भारत के लिये आदर्श स्कोर क्या होगा तो उन्होंने कहा, हम ज्यादा से ज्यादा रन जुटाना चाहते हैं ताकि खुद को अच्छी स्थिति में पहुंचा सकें। कल पहला घंटा अहम होगा। अगर हम इसमें अच्छा करते हैं तो हम दक्षिण अफ्रीका पर दबाव बना सकते हैं। उन्होंने कहा, शुरू में थोड़ी नमी थी, इससे कुछ गेंद फिसल भी रही थीं लेकिन जैसे जैसे दिन बढ़ता गया, यह बेहतर हो गया। नये कोच राहुल द्रविड़ के टीम पर प्रभाव के बारे में उन्होंने कहा, खिलाड़ियों के साथ उकनी बातचीत अनुशासन के साथ खेलने के बारे में थी।

अंडर-19 एशिया कप: भारत ने सेमीफाइनल में किया प्रवेश

अफगानिस्तान को चार विकेट से हराया, हरनूर व बावा का शानदार प्रदर्शन

दुबई। सलामी बल्लेबाज हरनूर सिंह और राज बावा के शानदार बल्लेबाजी प्रदर्शन की बदौलत भारतीय पुरुष अंडर-19 क्रिकेट टीम सोमवार को यहां अपने आखिरी रोमांचक ग्रुप चरण मैच में अफगानिस्तान को चार विकेट से हरा कर अंडर-19 एशिया कप 2021 के सेमीफाइनल में पहुंच गई।

भारत ने टॉस जीत कर अफगानिस्तान को पहले बल्लेबाजी का न्योता दिया। अफगानिस्तान ने इस चुनौती को स्वीकार करते हुए कप्तान सुलेमान सैफी और एजाज अहमद अहमदजई के शानदार अर्धशतकों से चार विकेट के नुकसान पर 50 ओवर में 259 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। भारत ने हालांकि 48.2 ओवर में छह विकेट खोते हुए 262 रन बना कर इस रोमांचक मुकाबले को जीत लिया और टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। अफगानिस्तान की तरफ से ऑलराउंडर एजाज अहमद ने 86 रन की तूफानी पारी खेली, जबकि कप्तान सुलेमान सैफी ने 77 रन बनाए। गेंदबाजी में नूर अहमद ने सर्वाधिक चार विकेट चटकाए। ग्रुप ए से भारत और पाकिस्तान, जबकि ग्रुप बी से श्रीलंका और बांग्लादेश सेमीफाइनल के लिए क्वॉलीफाई कर गए हैं। भारतीय टीमों को लीग मुकाबलों दो मैच जीते और एक में हार का सामना करना पड़ा।

हरनूर और रघुवंशी के बीच हुई 104 रन की बड़ी साझेदारी

दुबई की पिच पर 260 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम ने शानदार शुरुआत की। इनफार्म सलामी बल्लेबाज हरनूर सिंह ने साथी ओपनर अंगक्रिश रघुवंशी के साथ पहले विकेट के लिए 104 रन की बड़ी साझेदारी की, जिसने मैच को पूरी तरह से भारत के पक्ष में कर दिया, हालांकि इसके बाद लगातार गिरे कुछ विकेटों के चलते भारत की स्थिति बिगड़ने लगी। 104 पर एक विकेट गिरने के बाद 116 के स्कोर पर भारत को दो और झटके लगे, लेकिन फिर फॉर्म में चल रहे ऑलराउंडर राज बावा ने पारी को संभाला और कौशल तांबे के साथ टीम को जीत दिलाई। हरनूर ने 65, राज बावा ने नाबाद 43, कौशल तांबे ने नाबाद 35 और अंगक्रिश ने 35 रन बनाए। बावा और कौशल ने राजवर्धन हैंगरगेकर और विक्की ओस्तवाल के साथ गेंदबाजी में एक-एक भी विकेट लिया।

अंतिम-4 में पहुंचा पाक

कप्तान कासिम अकरम के ऑलराउंड प्रदर्शन (50 रन, 52 रन पर तीन विकेट) की बदौलत पाकिस्तान पुरुष अंडर-19 क्रिकेट टीम ने यहां अपने आखिरी ग्रुप चरण मैच में यूएई को 21 रन से हरा कर सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 50 ओवर में आठ विकेट पर 219 रन बनाए, जबकि यूएई 50 ओवर में नौ विकेट के नुकसान पर 198 रन ही बना सका। पाकिस्तान के कप्तान कासिम अकरम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए टीम को शानदार जीत दिलाते हुए सेमीफाइनल में प्रवेश दिलाया। उन्होंने गेंदबाजी में सर्वाधिक तीन विकेट लिए और अर्धशतकीय पारी भी खेली।

पिंडरा विस क्षेत्र के विभिन्न गांवों के सड़कों का विधायक ने किया शिलान्यास

प्रखर पिंडरा वाराणसी। पिण्डरा विधानसभा अंतर्गत पिंडरा व बड़ागांव ब्लॉक के विभिन्न गांवों में एक दर्जन से अधिक सड़कों का

मंगलवार को ब्लॉक मुख्यालय पर आयोजित कार्यक्रमो के दौरान शिलान्यास विधायक डॉ. अवधेश सिंह ने किया। इस दौरान उन्होंने पिंडरा विस क्षेत्र को आदर्श विस बनाने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई। उन्होंने बड़ागाँव ब्लाक में 22 लाख 55 हजार की लागत से रसूलहा अकोड़ा मार्ग से राजभर बस्ती होते हुए ठाकुर बस्ती तक सीसी रोड का निर्माण कार्य, 18 लाख 80 हजार की लागत से रसुलहा अकोड़ा मार्ग से अकोड़ा चौहान बस्ती होते हुए राजकीय नलकूप प्रथम होते हुए कहार बस्ती तक समेत 7 मार्ग तथा पिण्डरा ब्लाक में 27 लाख रुपये की लागत से सिंधोरा चितौरा मार्ग से बृज भूषण चौहान फत्तेपुर के घर तक नव निर्माण कार्य, 28 लाख रुपए की लागत से खालिसपुर फाटक परसरा गोंड़ीया हीरामनपुर होते हुए बजरंग नगर के संपर्क मार्ग के किलोमीटर 04 से बढ़ौना गोढ़ीया मार्ग से बढ़ौना पाल बस्ती संपर्क मार्ग तक नवनिर्माण का कार्य, 20 लाख रुपये की लागत से खालिसपुर से मानी प्रधानमंत्री सड़क से इंद्रभूषण के चक से खालिसपुर स्टेशन तक पिच रोड के नवनिर्माण का कार्य, 28 लाख 10 हजार रुपये की लागत से भानपुर गढ़थमा ओदार मार्ग से कोर्रा पक्की सड़क पिच रोड तक संपर्क मार्ग, 24 लाख 30 हजार की लागत से खालिसपुर परसरा मार्ग के किलोमीटर 03 से गजोखर हॉस्पिटल संपर्क मार्ग समेत अनेक संपर्क मार्ग तक की सड़कें रही। इस दौरान पूर्व ब्लॉक प्रमुख सत्येन्द्र सिंह, सुरेंद्र नारायण सिंह, जिला उपाध्यक्ष पवन सिंह, अजय ऊदल, अरविंद मिश्रा, सर्मेश सिंह, अजय पटेल, दिलीप सिंह, ओमप्रकाश पाल, स्वामीनाथ चतुर्वेदी नवीन सिंह पिन्टू, अनुज सिंह, भूपेंद्र दुबे, शैलेश मिश्रा सहित अनेक कार्यकर्ता, ग्राम प्रधान, प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

कांग्रेस स्थापना दिवस पर झंडारोहण कर शहीद महापुरुषों को किया गया याद

आजमगढ़। जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय पर कांग्रेस के स्थापना दिवस के अवसर पर जिलाध्यक्ष प्रवीण कुमार सिंह ने झंडारोहण किया। और कांग्रेसजनों के साथ कुंवर सिंह उद्यान पहुंच कर स्वतंत्रता आंदोलन मे शहीद महापुरुषों को पुष्प अर्पित कर उन्हें याद किया नमन किया। तदोपरांत जिला कांग्रेस कार्यालय पर 5 जनवरी 2022 को आयोजित मैराथन दौड़ प्रतियोगिता के संदर्भ में बैठक हुयी। बैठक में मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष विश्व विजय सिंह ने कांग्रेसजनो को आवश्यक दिशा निर्देश दिया। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष विश्वविजय सिंह ने कहा महिलाओं को उनके हक के लिये जागरूक करने के उद्देश्य से अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव उत्तर प्रदेश प्रभारी प्रियंका गांधी ने मैं लड़की हूं लड़ सकती हूँ का नारा दिया।यह नारा महिलाओं के स्वाभिमान से जुड़ा हुआ है उसी क्रम में महिलाओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से महिला सशक्तिकरण की दिशा में आजमगढ़ कांग्रेस जनपद में दिनांक 5 जनवरी 2022 को आजमगढ़ के डीएवी कालेज मैदान से सुखदेव पहलवान स्टेडियम तक मैराथन दौड़ का आयोजन कर रही है। मैराथन दौड़ में बड़ी संख्या में लड़कियां शामिल होगी। मैराथन दौड़ में 16 साल के ऊपर की लड़कियां भाग ले सकती हैं। मैराथन दौड़ में शामिल होने के लिए लड़कियों का निशुल्क रजिस्ट्रेशन किया जायेगा रजिस्ट्रेसन की प्रक्रिया आनलाइन अथवा फार्म जमा कर भी पूरा किया जा सकता है। पुरस्कारों में स्कूटी स्मार्टफोन फिटनेस बैंड मेडल और सभी बच्चियों को सर्टिफिकेट एवं मैराथन में भाग लेने वाली सभी लड़कियों को मैं लड़की हूँ लड़ सकती हूं स्लोगन लगा टीशर्ट दिया जायेगा। बैठक में बेलाल अहमद, आद्या प्रसाद सिंह, मनोज कुमार सिंह, तेज बहादुर यादव, मुन्नू यादव, जगदम्बिका चतुर्वेदी, अमर बहादुर यादव, विशाल दुबे, राजेश्वरी पांडेय, अजीत राय, राजबली राम, शीला भारती, सीमा भारती, संतोष कुमार सिंह, उमेश सरोज, शुभम राय, हफिज आदि लोग उपस्थित रहे।

शिक्षा की भूमिका प्राचीन काल से अग्रणी : डॉ. आशुतोष

चहनियां/चंदौली। चहनियां स्थित माँ खण्डवारी महिला महाविद्यालय के सभागार में "वर्तमान समय में सामाजिक परिवर्तन में शिक्षा की भूमिका" संगोष्ठी का आयोजन किया गया । सर्प्रथम कालेज के निदेशक डॉ० आशुतोष कुमार सिंह व विभागाध्यक्ष डॉ० नवनीत कुमार तिवारी ने माँ सरस्वती के तैल चित्र पर माल्यार्पण करके संगोष्ठी का शुभारंभ किया । निदेशक आशुतोष कुमार सिंह ने कहा कि शिक्षा की भूमिका प्राचीन काल से लेकर वर्तमान की परिस्थितियों में भी अग्रणी रहा है । शिक्षा वो चाभी है जो भविष्य के दरवाजे खोलता है । प्राचीन काल मे भी शिक्षा दी जाती थी जो आज के परिवेश से काफी अग्रणी थी । प्राचीन काल मे गुरुकुल की पढ़ाई होती थी । तब संस्कृति व सभ्यता का पाठ भी पढ़ाया जाता था । आज के परिवेश में शिक्षा आधुनिक हो चुकी है । आधुनिक युग मे पढ़ाई का स्तर डिजिटल व

काफी आसान हो चुका है । किंतु हमलोगों को अपनी पुरानी संस्कृति को भी नही भूलना चाहिए । विभागाध्यक्ष डॉ० नवनीत कुमार तिवारी ने कहा कि शिक्षा के बिना जीवन अधूरा है । चाहे प्राचीन काल रहा हो या फिर आज के वर्तमान समय । शिक्षा का बहुत बड़ा महत्व है । इसके पूर्व बीएड व डीएलएड के छात्र छात्राओं प्रगति भारती, दीपक शर्मा,लक्ष्मी विश्वकर्मा,विकास जायसवाल,शोभिल ,कविता आदि ने शिक्षा पर विशेष प्रकाश डाला । इस दौरान अशोक सिंह,सीमा सिंह,लवकुश पाण्डेय,अमरजीत यादव,डॉ सलीम सिद्धकी,उमेश चन्द्र यादव,सन्तोष पटेल सहित सैकड़ों छात्र छात्रायें आदि लोग उपस्थित थे । संचालन मयंक बरनवाल व सोनाली ने संयुक्त रूप से किया ।

पूर्व सांसद ने कार्यक्रम आयोजित कर कंबल का किया वितरण, भाजपा सरकार पर बोला हमला

प्रखर केराकत जौनपुर। स्थानीय क्षेत्र के पराऊगंज बाजार मे मंगलवार को सपा के पूर्व सांसद तूफानी सरोज ने गरीबों असहायों तथा जरूरतमंदों को कंबल का वितरण किया । बताते चलें रविवार को समाजवादी पार्टी के पूर्व सांसद तूफानी सरोज द्वारा पराऊगंज बाजार में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें गरीबों असहायों तथा जरूरतमंदों को कंबल का वितरण किया गया। कार्यकताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि भाजपा सरकार ने महंगाई को चरम पर पहुंचा दिया है।सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव की रैलियों में उमड़े जनसैलाब को देख भाजपा सरकार अपनी शक्तियों का प्रयोग कर चुनाव को टालना चाहती है

लेकिन चुनाव जीतना पीछे होगा साइकिल की रफ्तार उतनी ही तेज होती जाएगी,साथ ही उन्होंने सपा सरकार की उपलब्धियों को भी गिनाया और बताया की यूपी की जनता भाजपा की नीतियों को समझ गई है यूपी का जनाधार अब समाजवादी पार्टी के साथ है 2022 में भारी बहुमत से सपा की सरकार बनेगी। इस अवसर पर पूर्व सचिव हरिराम यादव पूर्व जिला उपाध्यक्ष डॉ नूर आलम अजीत सिंह यादव सेक्टर प्रभारी पंधारी यादव सपा नेता भगवती चरण सरोज सेक्टर प्रभारी रामआसरे यादव बूथ अध्यक्ष संकठा यादव एडवोकेट विजय यादव छोटेलाल यादव जलालपुर ब्लॉक अध्यक्ष आफताब आलम हुकुमचंद यादव बच्चन यादव उर्फ बेचू नरसिंह यादव सियाराम पाल प्रधान संजय राम बेचू खैरवार सुरेश यादव सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जो वादा किया वो निभाना पड़ेगा -पंकज महाराज

प्रखर जखनियां गाजीपुर। जयगुरुदेव धर्म प्रचार संस्था मथुरा द्वारा निकाली गई 80 दिवसीय 6 प्रांतीय शाकाहार- सदाचार, मद्यनिषेध आध्यात्मिक वैचारिक जनजागरण यात्रा तहसील क्षेत्र के मनिहारी विकासखंड अंतर्गत चौरा गांव पहुंची। यात्रा लेकर आए जयगुरुदेव धर्म प्रचारक संस्था मथुरा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंकज महाराज ने सत्संग समारोह शिष्य एवं श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि परमात्मा ने अति दया करके आपको यह मानव तन प्रदान किया है। जन्म से पहले आप सबने परमात्मा से वादा किया था कि अबकी बार मानव शरीर प्राप्त होने पर हम आपकी भक्ति करेंगे, भजन करेंगे। लेकिन यहां आकर अपना वादा भूल गए। याद रखें जो वादा किया ओ निभाना पड़ेगा।परमात्मा द्वारा प्राप्त मानव तन आत्म मोक्ष एवं जनकल्याण के लिए हुआ है। परोपकार जिसका मूल उद्देश्य है। उन्होंने आगे कहा कि प्रभु, महात्माओं, संतों, फकीरों को अपने देश के लोगों को समझाने, चेताना जागृत करने के लिये भेजते हैं।उन्होंने सत्संगियों का आह्वान करते हुए अपने बच्चों को मथुरा दरबार से जोड़ कर गुरु परंपरा कायम रखने पर बल दिया। ताकि आश्रम के जन प्रेरणा दायक विचार का प्रचार प्रसार के साथ-साथ आत्म कल्याण भी हो। उन्होंने जयगुरुदेव आश्रम मथुरा में आगामी 18 से 20 मार्च 2022 तक आयोजित होने वाले होली सत्संग में आने का निमंत्रण भी दिया। संस्था के अध्यक्ष पंकज महाराज ने कहा कि हमारे गुरु महाराज बाबा

जयगुरुदेवजी ने लोगों को प्रभु की भजन भक्ति में मन लगाने व अच्छे समाज के निर्माण के लिए अपने जीवन काल में अथक परिश्रम किया। अपनी आध्यात्मिक शक्ति का सहारा देकर करोड़ों लोगों को इससे जोड़ा। हम मानवता और आध्यात्मिक शक्ति के जागरण से सबको जीवन का सत्य सिखाकर ईश्वर की तरफ मोड़ने के प्रमुख लक्ष्य को लेकर निकले हैं।प्रेम और स्वेच्छा से दिल बदलेंगे। हम चाहते हैं वेष कीमती मनुष्य शरीर को पाने के महत्व को लोग समझें और गृहस्थ आश्रम के कार्यों को करते हुए थोड़ा सा समय निकाल कर भगवान का भजन भी करें। उन्होंने कहा कि आत्मा की सभी शक्तियां शरीर के नौ दरवाजों में फैली है। उसे केंद्रित करके दसवें द्वार (भृकुटी बिलास) में लाएंगे तो गुरु की कृपा से आत्मा की शक्ति का बोध हो जाएगा। उन्होंने गुरु की महिमा बताते हुए कहा कि गुरु के बराबर कोई नहीं। यहां तक कि सतनाम अनामी भी गुरु के आगे कुछ नहीं। जयगुरुदेव नाम की महिमा सुनाई। इस अवसर पर जंगीपुर के विधायक डा.वीरेन्द्र यादव, उ.प्र.संगत के अध्यक्ष संतराम चौधरी, बिहार प्रान्त अध्यक्ष मृत्युंजय झा, दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष विजय पाल सिंह, मध्य प्रदेश के महासचिव बी.बी.दोहरे, जयगुरुदेव संगत गाजीपुर के संरक्षक रामलक्षण यादव, अध्यक्ष इन्द्रदेव यादव, प्रभाचन्द यादव, जंगबहादुर, प्रेमचंद, अमरदेव, पटेल पाल, रामायण, परमानन्द गौड़, संतोष यादव प्रधान, नरेन्द्र चौहान, अंगद पाल, बाबूराम यादव, विनय कुमार सिंह, डा. कुंवर बृजेश, सतीश उपाध्याय, जोखू यादव, सुरेश चन्द्र गुप्ता, आदि उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने किसान गोष्ठी/प्रदर्शनी का किया उद्घाटन

आजमगढ़। जिलाधिकारी राजेश कुमार द्वारा आज राहुल सांकृत्यायन प्रेक्षागृह सिधारी आजमगढ़ में राष्ट्रीय कृषि विकास योजनान्तर्गत किसान गोष्ठी/प्रदर्शनी का उद्घाटन/शुभारम्भ फीता काटकर व दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। जिलाधिकारी राजेश कुमार ने प्रदर्शनी में लगाये गये सभी स्टालों का अवलोकन किया एवं लगाये गये स्टालों के बारे मे जानकारी प्राप्त किया। जिलाधिकारी ने किसानों की आय बढ़ाने के लिए

नवोन्मेषी प्रयोग करने पर बल देते हुए दो से अधिक फसल लेने और पारंपरिक खेती से आगे बढ़ने की सलाह दी। उन्होंने सहफसली खेती के अनुसंधानों और एक पौधे में अधिक तरह के उत्पादन अपनाने की जरूरत को बताया। उन्होने कहा कि पूर्वांचल की भूमि की उर्वरा शक्ति वरदान के रूप में मिली है, इसका पूरा लाभ उठाना चाहिए। जिलाधिकारी ने कृषि निवेशों के प्रबन्धन के जरिए लागत कम करने और उत्पादन बढाने की आवश्यकता के बारे में बताया। उन्होने जैविक खेती और अध्यात्म के समन्वय की चर्चा करते हुए किसानों के जीवन में खुशहाली पर बल दिया। गोष्ठी में लगाये गये विभागीय स्टॉल पर उत्साहवर्धन किया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि जनसंख्या के बढ़ने से खेती योग्य जमीन कम होती जा रही है, इसलिए आधुनिक तरीके से खेती पर बल देना होगा और नई तकनीक का प्रयोग कर खेतों मे फसलों की अधिक पैदावार की जा सकती है। साथ ही खेतों में रसायनों, किटनाशकों का प्रयोग कम करना होगा तथा खेती करने के लिए वैज्ञानिक विधि को अपनाने की आवश्यकता है। योजनाओं की जानकारी के साथ-साथ मुख्य रूप से सिंचाई दक्षता बढाये जाने हेतु माइक्रोइरीगेशन (ड्रिप/स्प्रिंकलर) सिंचाई तकनीकी, जैविक खेती एवं किसानो की आय दोगुनी करने हेतु वैज्ञानिकों द्वारा तकनीकी जानकारी दी गयी। गोष्ठी में जिलाधिकारी को उपनिदेशक उद्यान, मनोहर सिंह व जिला उद्यान अधिकारी श्रीमती ममता सिंह यादव ने जरबेरा और एंटी राइनम का पौध स्मृति चिन्ह के रूप में भेट किया। जिला कृषि अधिकारी गगनदीप सिंह ने फसल बीमा सहित अन्य किसान उपयोगी विषय के बारे में विस्तार से चर्चा किया। गोष्ठी में कृषि विज्ञान केन्द्र कोटवा के प्रभारी डॉ0 आरके सिंह, डॉ0 आरपी सिंह, डॉ0 अखिलेश कुमार यादव, जिला कृषि रक्षा अधिकारी सुधीर सिंह, वरिष्ठ गन्ना निरीक्षक अशोक वर्मा, एनएफएसएम के सलाहकार डॉ0 रामकेवल यादव, कार्यकारी मत्स्य पालन अधिकारी व राकेश पाण्डेय ने आधुनिक तकनिक से खेती करने के बारे में किसानों को जानकारी दी। इस मौके पर 40 किसानों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। अन्त में उप निदेशक उद्यान मनोहर सिंह एवं जिला उद्यान अधिकारी श्रीमती ममता यादव, आजमगढ़ द्वारा समस्त आगुन्तकों का आभार प्रकट करते हुए गोष्ठी के समापन की घोषणा की गयी।

चार करोड़ के विकास कार्यों का डीपीआर तैयार, विकास को मिलेगी गति

प्रखर रामनगर वाराणसी। नगर पालिका परिषद रामनगर के विभिन्न वार्डो में इण्टर लाकिंग सड़क निर्माण, सीवर लाईन का कार्य तथा एक कम्युनिटी हाल के निर्माण कार्य की डीपीआर लागत 4 करोड़ का तैयार किया गया है जिसे अन्य पदाधिकारियों के हस्ताक्षरोंपरान्त अन्त में पालिका अध्यक्ष द्वारा हस्ताक्षर किया गया। इसकी जानकारी देते हेतु पालिका अध्यक्ष द्वारा बताया गया कि प्रत्येक वर्ष जिले की एक नगर पंचायत को पं. दीनदयाल उपाध्याय योजना में चयनित करके उसके विकास का डीपीआर बनाकर शासन के यहाँ प्रेषित किया जाय। इस क्रम में विगत वर्षो में वाराणसी जनपद में नगर पंचायत गंगापुर का चयन किया गया था। इसके बाद शासन द्वारा निर्देश जारी किये गये कि यदि जिले में कोई नगर पंचायत न हो तो नगर पालिका परिषद का चयन किया जाय। इस प्रकार वाराणसी जनपद में एक मात्र नगर पालिका परिषद होने की दशा में इस पालिका परिषद का

चयन उक्त योजनान्तर्गत किया गया। योजनान्तर्गत दो किश्तों में 2-2 करोड़ अर्थात कुल 4.00 करोड़ की धनराशि विकास कार्यों को कराने हेतु शासन द्वारा दिया जायेगा। योजना के अन्तर्गत अभियन्ताओं द्वारा कुल 4 करोड़ का डीपीआर विगत दिनों तैयार किया गया था जिसमें 5 सीवर लाईन के भी कार्य थे। डीपीआर तैयार करने के लिए शासन के निर्देश पर जिलाधिकारी द्वारा चयनित आर्किटेक्ट द्वारा डीपीआर तैयार करके प्रस्तुत किया गया जिस पर लोक निर्माण विभाग के अभियन्ताओं के हस्ताक्षर के उपरान्त पालिका को प्राप्त कराया गया था जिस पर हस्ताक्षर करके उसे जिलाधिकारी महोदय के माध्यम से शासन को भेजने हेतु अधिशासी अधिकारी को सोमवार को उपलब्ध कराते हुये उसे शीघ्र भेजने हेतु अधिशासी अधिकारी को निर्देशित किया गया है। शासन द्वारा उक्त डीपीआर को स्वीकृत किये जाने के उपरान्त टेण्डर आदि की प्रक्रिया कराई जायेगी। उक्त कार्यों को कराये जाने पर संबंधित क्षेत्र के लोगों को उसका लाभ प्राप्त होगा। नगर में जलनिकासी / सीवर की समस्या के निदान हेतु जलनिगम द्वारा पूर्व में सीवरेज नेटवर्किंग की योजना बनाकर भेजा गया है जिसे शासन द्वारा स्वीकृत नहीं किया गया केवल गंगा नदी में गिरने वाले नाले को ही बन्द करके एसटीपी में मिलाने की योजना को स्वीकृत की गई। एसटीपी तो बहुत बड़ा बना है जिसमें पूरे रामनगर की सीवरेज लाईन की क्षमता को ग्रहण करने की क्षमता है परन्तु केवल 5 नाले ही उसमें जा रहे हैं। इसलिए सीवरेज नेटवर्किंग की योजना की स्वीकृति आवश्यक है जिससे मुख्य रूप से कोदोपुर, कुतुलूपुर, रामपुर व रत्तापुर क्षेत्र की सीवर की विकट समस्या का निदान होने के साथ-साथ पूरे रामनगर के छूटे क्षेत्रों को भी इस सुविधा का लाभ प्राप्त हो।

भूमिहार जाति सहित अन्य वर्गों के लोगों का उत्पीड़न करना लोकतंत्र की हत्या है : डॉ. अभिषेक राय

आजमगढ़। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ अभिषेक राय ने महामहिम राज्यपाल को आजमगढ़ जिला अधिकारी द्वारा ज्ञापन दिया और कहा कि केंद्र और उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार अपने कुकृत्यो पर पर्दा डालने और जनता का ध्यान समस्याओं से भटकने के उद्देश्य विरोधी दल के नेताओं को परेशान प्रताड़ित करने के साथ ही फर्जी मुकदमों में फंसाने का घिनौना कृत कर रही है, इसी क्रम में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव राजीव राय के मऊ स्थित आवास और कार्यालय पर सरकार के इशारे पर आयकर विभाग का छापा डलवाया गया और कहा कि चुनाव पूर्व मोदी और योगी सरकार का सरकारी मशीनरी के जरिए राजनैतिक विरोधियों की आवाज दबाना तथा जाति विशेष लोगों को संरक्षण देना एवं भूमिहार जाति सहित अन्य वर्ग के लोगों का उत्पीड़न करना लोकतंत्र की हत्या है, और समाजवादी पार्टी आजमगढ़ इस तरह के कृत्य की घोर भर्त्सना करते हुए आपके माध्यम से सरकार से मांग करती है कि वह संवैधानिक संस्थाओं का राजनीतिकरण बंद करते हुए विभिन्न जाति के लोगों तथा राजनैतिक विरोधियों को परेशान करने का कार्य तुरंत रोके, अगर भाजपा सरकार अपने तानाशाही रवैए से बाज नहीं आएगी तो समाजवादी पार्टी आजमगढ़ सड़क पर उतरने के लिए बाध्य होगी मौके पर प्रवीण राय अंबुज, निशांत राय टीपू, विनीत राय, मनीष कुमार, हरिप्रसाद दुबे कमलेश आदि एवं सैकड़ों की संख्या में भूमिहार समाज के लोग उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

ठंड को देखते हुए बेसिक शिक्षा अधिकारी ने स्कूल बंद करने का दिया आदेश

प्रखर जौनपुर। जिले में शीतलहर और बारिश को देखते हुए डीएम मनीष कुमार के निर्देशन पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ गोरखनाथ पटेल ने जनपद के कक्षा एक से आठ तक के सभी सरकारी एवं मान्यता प्राप्त विद्यालय को 29 और 30 दिसंबर तक बंद करने का निर्देश दिया है।

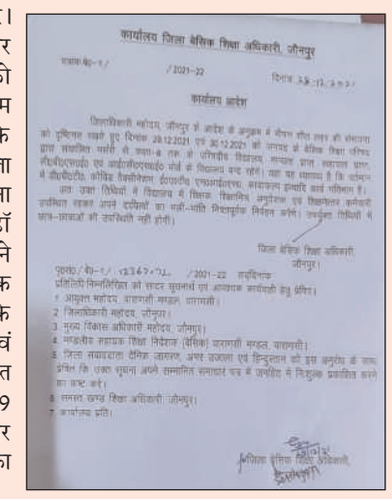
कार्यालय जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, जौनपुर

/2021-22

कार्यालय आदेश

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी,
जौनपुर।

समाजवादी पार्टी के नेता विवेक जी द्वारा विभिन्न लोगों को सदस्यता दिलाई

प्रखर रामनगर वाराणसी। उत्तर प्रदेश समाजवादी पार्टी पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के प्रदेश सचिव श्री विवेक कुमार (कहार) के नेतृत्व में निम्न लोगों ने समाजवादी पार्टी की सदस्यता ली। सदस्यता लेने वाले लोगों का नाम सुनील साहनी, सरफराज साह, प्रियांशु त्रिपाठी, रामाशंकर शर्मा, इस अवसर पर पूर्व नगर अध्यक्ष श्याम लाल यादव एवं सुजीत सिंह विनीत राय और अन्य लोग उपस्थित थे।

बृजमनगंज पुलिस ने वांछित अभियुक्त की तलाश में किया चस्पा नोटिस

प्रखर पूर्वांचल महराजगंज। जनपद महराजगंज पुलिस अधीक्षक के दिशानिर्देश मे अपराध एवं अपराधियों पर अंकुश लगाते हुए थाना क्षेत्र बृजमनगंज अंतर्गत वांछित अभियुक्त इसहाक पुत्र बैदुल्लाह निवासी बेलसर जिस पर मुकदमा अपराध संख्या 223/20 धारा 3/5अ व 8 गोवध निवारण अधिनियम के तहत पिछले कई वर्षों से फरार चल रहा है।इस संबंध में एस आई उमाकांत सरोज ने बताया कि वांछित अभियुक्त के मकान पर नोटिस चस्पा कर सूचित किया गया है कि यदि तीस दिनों के अंदर अभियुक्त हाजिर नहीं होता हैं तो धारा 82 सीआरपीसी के तहत कार्यवाही करते हुए कुर्की का वारंट जारी किया जायेगा।

रिमझिम बारिश से बढ़ी ठंड

प्रखर खेतासराय जौनपुर । जनपद में रिमझिम बारिश से किसानों के चेहरे खिल गए है। यह गरीब किसानों के लिए वरदान साबित होगा। वहीं इससे ठंड में भारी बढ़ोतरी दर्ज की गई है। दिन से लेकर शाम तक हो रही बारिश से ठंड व गलन के चलते जनजीवन पूरी तरह से प्रभावित हो गया है। मंगलवार की दोपहर से ही रिमझिम बारिश शुरू हो गई थी। इसके चलते लोगों ने बाहर निकलना मुनासिब नहीं समझा। बाजारों में पहुंचने वाले लोग गर्म कपड़े खरीदने में जुटे रहे। लकड़ी, लकड़ी के कोयले व पत्थर के कोयले की बिक्री भी तेज हो गई है। ठंड से बचने के लिए दिनभर लोग अपने दुकान में अलाव से चिपके रहे। घर से बाहर निकलने वाले लोग छाता का सहारा लेकर पहुंच रहे थे। रिमझिम बारिश के कारण किसानों की फसलों के लिए रामबाण का काम किया है।

खेतासराय वार्ड में नहीं जला अलाव

खेतासराय । नगर में कुछ ही जगह जला अलाव । वार्ड के लोग अफजल ,राहुल , सुफियान, संदीप का कहना है किसी भी वॉर्ड में अलाव न जलने से वार्डवासियों काफी परेशान हो रहे है। इक्का-दुक्का लोगों को आपने पैसा से खरीद कर अलाव की व्यवस्था वार्ड में किए हैं। रिमझिम बारिश में ठंड की वजह से शाम को सन्नाटा ही छाया रहा। दुकानदार भी शाम होते ही अपनी दुकानें को जल्दी से बंद कर घरों की राह पकड़ रहे है। अलाव की जानकारी लेने के लिए मीडियाकर्मी ने ईओ अमित कुमार से बात करने की कोशिश की गई लेकिन उनका फोन नेटवर्क क्षेत्र से बाहर बता रहा था।

चिरईगांव ब्लॉक - बरियासनपुर में अंडर पास बनवाने को लेकर किसानों का सत्याग्रह जारी

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। चिरईगांव ब्लॉक- बरियासनपुर में अंडर पास बनवाने के लिए किसानों का सत्याग्रह जारी है मंगलवार को सत्याग्रह स्थल पर अनिल राजभर (कैबिनेट मंत्री) उत्तर प्रदेश सरकार के प्रतिनिधि के रूप में संजय सिंह (भाजपा जिला उपाध्यक्ष) धरना स्थल पर आए और उनको किसानों के द्वारा पत्रक दिया गया उन्होंने कहा मंत्री जी के संज्ञान में मामला आ गया है जल्द से जल्द डीएम , कमिश्नर, और एनएचएआई के अधिकारियों को बुलाकर वार्ता किया जाएगा और यहां पर अंडर पास बनवाया जाएगा तब तक के लिए एनएचआई का काम बंद रहेगा पर किसानों का आंदोलन जारी रहेगा। किसान नेता अशोक प्रजापति का कहना है इस सत्याग्रह स्थल पर अपना दल के जिला अध्यक्ष डॉ नरेंद्र पटेल अपनी पूरी अपना दल टीम के साथ आएं और उन्होंने कहा कि यह लड़ाई लड़ने का काम किया जाएगा और जिलाधिकारी से मिलकर तुरंत अंडरपास बनवाने का काम किया जाएगा और परिवहन मंत्री नितिन गडकरी भारत सरकार से अनुप्रिया पटेल वार्ता करेंगी और निष्कर्ष जल्द से जल्द निकाला जाएगा। इस मौके पर बृजेश पटेल ,लक्ष्मी नारायण पटेल ,दीपू पटेल, धीरेंद्र सिंह सोनू, राधेश्याम भारती ,राम जी, लालजी पटेल, रामकिशोर ,सुभाष, अहिल्यादेवी, प्रेमलता, उर्मिला देवी ,गुड़िया देवी ,ज्योति देवी आदि लोग उपस्थित रहे।

व्यापारिक सुरक्षा फोरम की हुई बैठक

चंदौली। जिलाधिकारी संजीव सिंह की अध्यक्षता में जिला उद्योग बन्धु एवं औद्योगिक व्यापारिक सुरक्षा फोरम की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक में रामनगर औद्योगिक क्षेत्र में पटनवा से सिंधीताली होते हुए फेज-2 तक में सड़क निर्माण का कार्य, औद्योगिक क्षेत्र में सड़क एवं खाली स्थानों के अतिक्रमण, ए0आर0टी0ओ0 द्वारा जब्त वाहन खडे.करने, बैंक गारंटी के प्रपत्र के भुगतान आदि के सम्बन्ध में विस्तृत चर्चा हुई। समस्त सम्बन्धित विभाग के अधिकारियों को जिलाधिकारी महोदय द्वारा सक्त निर्देश दिये गये साथ ही उद्यमियों को आश्वस्त किया कि उनकी समस्त समस्याओं का सामाधान यथाशीघ्र कराया जायेगा।

आंगनबाड़ी केंद्रों पर हुआ अन्नप्राशन

कमालपुर/चंदौली। धानापुर ब्लॉक के आंगनबाड़ी केंद्रों पर धूमधाम से मनाया गया अन्नप्राशन का कार्यक्रम। इसी क्रम में आगनबाडी केंद्र इनायतपुर पे छाया कुमारी व नीतू मौर्य आगनबाडी द्वारा आंगनबाड़ी केंद्र को फूल मालाओं से सजाया गया व रंगोली बनाई गयी वही आंगनबाड़ी छाया कुमारी द्वारा नवीन पुत्र ज्ञान चंद्र मौर्य जो 6माह पूर्ण कर चुके हैं उनका खीर खिलाकर अन्नप्राशन किया गया नीतू मौर्य आंगनबाड़ी द्वारा शुभम पुत्र गोविंद 6 माह पूर्व करने पर खीर खिलाकर अन्नप्राशन किया गया अन्नप्राशन कार्यक्रम में गांव के कई लोगों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया संजीव कुमार प्रधानाध्यापक प्राथमिक विद्यालय इनायतपुर ,प्रदीप कुमार सहायक अध्यापक प्राथमिक विद्यालय इनायतपुर, उर्मिला देवी, बेबी राय, पुष्पा यादव, रीता ,कौशल्या, रीमा, सरोज बाला आदि ग्रामीण उपस्थित रहे।

18.5 किलोमीटर लंबी जन विश्वास यात्रा के संदर्भ में भाजपा महानगर की बैठक संपन्न

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। केंद्र और प्रदेश सरकार की लोक कल्याणकारी कार्यों को जन - जन तक पहुंचाने हेतु आ रही "जन विश्वास यात्रा" 29 दिसंबर को काशी में प्रवेश करेगी। इस निमित्त सोमवार की शाम गुलाबबाग स्थित कार्यालय की बैठक में प्रदेश के सह प्रभारी सुनील ओझा महानगर के पदाधिकारियों, सभी मोर्चों, मंडल अध्यक्षों एवं पदाधिकारियों मार्गदर्शन किया। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी पहली बार यात्रा नहीं निकाल रही है। पूर्व में राष्ट्र हित में आडवाणी जी राम रथयात्रा, मुरली मनोहर जोशी जी ने श्रीनगर के लाल चौक तक यात्रा, 2017 में उत्तर प्रदेश में परिवर्तन यात्रा निकाल चुकी है। पहले पंजाब में खालिस्तानी उग्रवादियों और आतंकवादियो से पूरा देश ग्रसित था भारतीय जनता पार्टी के लोग जब यात्रा में जाते थे तब उनके परिजन उनकी विदाई के समय यह मान रहे थे कि शायद ही कोई वापस आ पाएंगे उसी का परिणाम आज हमारे सामने यह है कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में देश का कलंक धारा

370 हटाई गई। श्री ओझा ने कहा कि 2017 में परिवर्तन यात्रा के पहले प्रतिदिन अखबारों में 5 घिनौने अपराधों का जिक्र दिखता था। उस हिसाब से 5 सालों में थे 6 लाख 50 हजार अपराध वाली सरकार के खिलाफ 2017 में परिवर्तन यात्रा निकाली गई। इस बार के जन विश्वास यात्रा का उद्देश्य यह है कि उत्तर प्रदेश के 22 करोड़ों लोगों के काम करने के लिए निकले हैं और इसलिए भी निकले हैं कि ऐसे तत्व शासन में ना बैठे जो देश और प्रदेश के लिए सिर्फ परिवारवाद और जातिवाद की स्वार्थ वादी राजनीति करते हैं। उन्होंने कार्यकताओं का आह्वान किया जी यह यात्रा ऐसा यादगार बनाये कि यात्रा संपन्न होते ही पूरे देश को ऐसा लगे कि प्रदेश में होने वाले चुनाव की लीड काशी लेने जा रही है तथा जीत सुनिश्चित होने जा रही है। क्षेत्र के अध्यक्ष महेश श्रीवास्तव ने कहा कि जन विश्वास यात्रा के सफलता की जिम्मेदारी और प्रतिष्ठा सभी कार्यकताओं की है। क्योंकि हमारे सांसद मोदी जी हैं। इसीलिए महानगर के प्रत्येक पॉइंट की बैठक करके, टोलियां बनाकर पूरे मतदाताओं को आमंत्रित करें। साथ ही सभी व्यापार मंडलों से भी संपर्क कर स्वागत के लिए आमंत्रित करें। पूर्व में महानगर अध्यक्ष विद्यासागर राय ने भिखारीपुर तिराहा से कार्दबिनी लॉन, शिवपुर तक लगभग18.5 किलोमीटर लंबी यात्रा के निमित्त सभी लोगों को जिम्मेदारी सौंपी। इस यात्रा के संयोजक शोभनाथ मौर्य और अशोक पटेल को बनाया गया है। विधानसभा की दृष्टि से कैंट की यात्रा प्रभारी इंदुभूषण सिंह, दक्षिणी यात्रा प्रभारी विष्णु यादव और उत्तरी यात्रा प्रभारी पार्षद अशोक मौर्य को बनाया गया है। उन्होंने बताया कि यात्रा में महिला मोर्चा की 50 बहनें स्कूटी लेकर आगे आगे रहेंगी। बैठक का संचालन महानगर महामंत्री नवीन कपूर तथा धन्यवाद ज्ञापन शोभनाथ मौर्या ने दिया। इस दौरान प्रदेश प्रवक्ता अशोक पांडेय, क्षेत्रीय महामंत्री संतोष पटेल, जगदीश त्रिपाठी अशोक पटेल, राहुल सिंह, नगर निगम में उप नेता श्यामआश्रय मौर्य, आत्मा विशेश्वर, आलोक श्रीवास्तव, साधना वेदांती, गीता शास्त्री, अभिषेक मिश्रा, मधुकर चित्रांश, एडवोकेट अशोक कुमार, महानगर मीडिया प्रभारी किशोर कुमार सेठ, शैलेंद्र मिश्रा, कुसुम पटेल, प्रज्ञा पांडेय, साधना सिंह, डॉ अनुपम गुप्ता, नीरज जायसवाल, बृजेश चौरसिया, डॉक्टर हरि केसरी, किशन कनौजिया, मधुप सिंह, दिलीप साहनी रहे।

काशी कविता मंच वाराणसी की विशेष पहल

परिषदीय विद्यालयों के बच्चे करेंगे नवोदय विद्यालय की तैयारी, गूगल मीट के माध्यम से ऑनलाइन कराई जाएंगी तैयारी

प्रखर वाराणसी। परिषदीय विद्यालय में पढ़ने वाले बच्चें नवोदय विद्यालय में प्रवेश पाने की चाहत रखते हैं तो उनकी पढ़ाई, तैयारी सुचारू रूप से हो सके इस संबंध में एक विशेष पहल करते हुए काशी कविता मंच के संयोजक मिथिलेश कुमार सिंह द्वारा गूगल मीट के माध्यम से बच्चों को प्रतिदिन सायं 8:00 से 9:00 बजे तक ऑनलाइन कक्षा चलाई जाएगी। नवोदय विद्यालय की प्रवेश परीक्षा में पूछे जाने वाले संपूर्ण विषय की तैयारी का जिम्मा लिया है। सभी शिक्षकों से अपील की गई है कि इस मुहिम में अधिक से अधिक बच्चों को व्हाट्सएप समूह में जोड़कर,उनके अभिभावकों को प्रेरित कर उन्हें शिक्षा दी जाए, जो हम सभी के लिए पुनीत कार्य होगा तथा शिक्षक कार्य के दायित्व का उचित प्रतिफल होगा। इस पहल में उनके साथ सहयोगी शिक्षक के रुप में रंजन पाठक, डॉ आशुतोष पाण्डेय , सूबेदार यादव , प्रेरणा रस्तोगी, सुनीता जौहरी, कल्पना भदौरिया, सपना साहू, शांति गुप्ता ,ममता पटेल, अर्चना ओझा, सुभाष चंद्र सिंह , किसलय कुमार सिंह, डॉक्टर आरती उपाध्याय, उषा रानी, अमिता सचान, नेहा द्विवेदी, अनुराधा दोहरे, साधना मिश्रा विंध्य, विजय मेहंदी आदि प्रमुख हैं। काशी कविता मंच के राष्ट्रीय सलाहकार राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त शिक्षिका कुमारी चंदा देवी स्वर्णकार और राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी व राष्ट्रीय शैक्षिक संघ वाराणसी के कार्यकारी जिला अध्यक्ष ज्योति प्रकाश ने इस पहल की काफी सराहना की है। तकनीकी प्रभारी काशी कविता मंच डॉ प्रीति चौधरी बुलंदशहर ने विशेष तकनीकी से शैक्षिक सामग्री तैयार की है। सभी सहयोगियों की ऑनलाइन बैठक करके सभी व्यवस्थाओं की समीक्षा की जा चुकी है।

राजनारायण पार्क का नाम बेनियाबाग किए जाने सपाई हुए आक्रोशित

प्रखर पूर्वान्चल वाराणासी। स्मार्ट सीटी प्रोजेक्ट के तहत संवारे गए बेनियाबाग पार्क से लोकतंत्र सेनानी राजनारायण का नाम हटाए जाने का विरोध मे समाजवादी पार्टी का प्रतिनधिमंडल ने कमिश्नर दीपक अग्रवाल से मुलाकात कर उ० प्र० के राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन सौपा` पूर्व मंत्री मनोज राय धुपचंडी ने बताया कि बेनियाबाग पार्क का नाम को लोक बंधु राजनारायण के नाम से पार्क था जिसे भाजपा सरकार ने प्रवर्तित कर बेनियाबाग किए जाने पर रोष प्रकट किया है ।

पूर्व मंत्री मनोज राय धुपचंडी ने कहा कि स्मार्ट सिटी के आड़ में भाजपा सरकार द्वारा वाराणसी के राजनारायण पार्क का नाम बदल कर बेनिया बाग किये जाने से आम जन मानस में आक्रोश व्याप्त है। एक महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी का यह अपमान समाजवादी पार्टी बर्दाश्त नही करेगी। सपा प्रतिनिधिमंडल ने कमिश्नर से कहा कि यदि बेनिया बाग से नाम बदल कर पुनः राजनारायण पार्क नही किया गया तो समाजवादी उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। सपा महानगर अध्यक्ष विष्णु शर्मा ने कहा कि ब्रिटिश हुकूमत ने यहां विक्टोरिया की प्रतिमा लगाई थी उस प्रतिमा को गुलामी का प्रतीक मानते हुए लोकबंधु राजनारायण ने न सिर्फ आंदोलन किया बल्कि उसे तोड़ भी दिया था । प्रतिमा तोड़े जाने के बाद उन्हें तीन माह की जेल हुई थी ।बाद में इस पार्क का नाम बेनियाबाग हो गया समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर मुलायम सिंह यादव की सरकार में पार्क का नाम राज नारायण स्मारक पार्क कर दिया गया था तबसे पार्क उसी नाम से जाना जा रहा था । राज नारायण काशी के गौरव थे विकास योजनाओं के दौरान इस पार्क को फिर से बेनियाबाग का नाम दिया जा रहा है जिसे लेकर लोगों में रोष है कमिश्नर दीपक अग्रवाल को उ.प्र.के राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन सौपा। कमिश्नर दीपक अग्रवाल ने पूर्व मंत्री व सपजनो को भरोसा दिलाया कि स्मार्ट सिटी के अधिकारीयो से वार्ता कर जैसे नाम पूर्व था उसी तरह कर दिया जाएगा। पत्रक सौपने वालो मे प्रमुख रूप से मनोज राय धुपचंडी, जिलाध्यक्ष सुजित यादव लक्कड़, सपा महानगर अध्यक्ष विष्णु शर्मा,छात्र सभा के राष्ट्रीय महासचिव संदीप सिंह स्वर्णकार, विधानसभा अध्यक्ष अजय चौधरी ,वरिष्ठ नेता हरीश सिंह बंगगड़ , प्रदेश सचिव राजू यादव, महिला सभा महानगर अध्यक्ष पूजा यादव, छात्र अध्यक्ष विमलेश यादव, मनोज यादव गोलू,वरिष्ठ चिकित्सक पुष्पा चौपाल,नीरू पाण्डेय, जयराम यादव, वरिष्ठ नेता मनीष सिंह,आदि लोग शामिल थे।

पतरही राइसमिल के पास हैडपंप के पानी से मरम्मत हुई सड़क क्षतिग्रस्त, राहगीर हो रहे परेशान

प्रखर पतरही जौनपुर।स्थानीय क्षेत्र के पतरही मौधा मार्ग पर नहर के पास एवं राइस मिल के पास सड़क के किनारे लगे हैंडपंप के

पानी के बहाव से कुछ महीने पहले ठेकेदार द्वारा मरम्मत की गई सड़क हुई क्षतिग्रस्त।बता दें कि सड़क के किनारे लगे दोनों हैंडपंपों का शोखता ना बनवाये जाने हैंडपंप का पानी सड़क बह रहा है पानी सड़क पर बहने से मरम्मत की गई सड़क टूट गई और गढ्ढा हो गया आने-जाने वाले राहगीर भी इससे परेशान हैं सड़क कीचड़ युक्त हो गई है।गौरतलब हो कि राइसमिल के पास सड़क के किनारे लगे हैंडपंप के पानी के अलावा मिठाई की दुकान का पानी दुकानदार द्वारा सड़क पर बहाया जाता है जिससे सड़क पर पानी लग जाता है।जिससे पैदल राहगीरों को कीचड़ में होकर गुजरना पड़ता है जिम्मेदार मूकदर्शक बने हैं।अगर जिम्मेदार ध्यान दे देते तो हैडपंप का शोखता बन जाता और दुकानदार के खिलाफ कार्यवाही हो सकती है।

कांग्रेस कार्यालय पर ध्वजारोहण कर मनाया गया 137 वाँ स्थापना दिवस

प्रखर केराकत जौनपुर। केराकत सिहौली चौराहा पर स्थित मण्डल कांग्रेस पार्टी कार्यालय पर भारी संख्या में कांग्रेसी उपस्थित रहे। कांग्रेस जनों नें पार्टी कार्यालय पर सर्वप्रथम केराकत

विधानसभा प्रभारी डाक्टर सन्तोष कुमार गिरी नें ध्वजारोहण किया तत्पश्चात 137 वाँ स्थापना दिवस मनाया गया। इस अवसर पर जौनपुर जिला से आये जिला उपाध्यक्ष विकास तिवारी नें स्थापना दिवस के बारे में पार्टी कार्यकताओं को विस्तार से जानकारी दिया। और जिला उपाध्यक्ष नें उपस्थित लोगों से निवेदन करते हुवे कहा कि आप लोग 2022 में ज्यादा से ज्यादा सीटों को निकालकर प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनायें। जनता अब भाजपा सरकार से ऊब चुकी है। इस अवसरपर जिला सचिव विकास सिंह आसू , ब्लाक अध्यक्ष केराकत लालता चौधरी, निलेश सिंह,अध्यक्ष सुभाष सिंह,रविलाल,नगर अध्यक्ष आजाद कुरैशी, सूरज सिंह राजपूत, ताज खाँन, धर्मराज चक्रवर्ती, डाक्टर अमरबली भाष्कर, नरेन्द्र कुमार, जूधनराम, विनोद कुमार,अजय सिंह, बृजेश चौबे,सन्नी गिरी, मुकीम हाश्मी, आदि लोग उपस्थित रहे।

चार शातिर वारन्टी गिरफ्तार

प्रखर केराकत जौनपुर। पुलिस अधीक्षक जौनपुर के द्वारा अपराध एवं अपराधियों एवं वाँछित वारण्टी अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये गये विशेष अभियान के तहत क्षेत्राधिकारी केराकत शुभम तोदी के पर्यवेक्षण एवं दिशा-निर्देशन में केराकत कोतवाली पुलिस द्वारा प्रभारी निरीक्षक लक्ष्मण पर्वत के नेतृत्व मे न्यायालय द्वारा जारी एनबीडब्लू वारण्ट प्रोसेस मे फरार चल रहे अभियुक्त कतवारु पुत्र छांगुर निवासी ग्राम कटहरी थाना केराकत, बहादुर पुत्र रामकेर निवासी ग्राम कटहरी थाना केराकत, गोलू सिंह उर्फ शुभम सिंह पुत्र जितेंद्र सिंह निवासी सरौनी पूरब पट्टी थाना केराकत व धर्मवीर पुत्र सुन्नर निवासी बंजारेपुर को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में जेल दिया। गिरफ्तारी टीम में उपनिरीक्षक सदाशिव सिंह, उपनिरीक्षक विवेकानंद सिंह, उपनिरीक्षक हैदरअली हेड कांस्टेबल गोवर्धन यादव, तेजबहादुर सिंह, जयचन्द यादव, कांस्टेबल विश्वास यादव,हिमांशु यादव शामिल रहे।

अनोखा भक्ति गायन रियलिटी शो स्वर्ण स्वर भारत -कैलाश खेर

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। जी टीवी हमेशा एक ट्रेंडसेटर रहा है, जिसने रियलिटी टेलीविजन के इतिहास में कई पहल की हैं। अब एक बार फिर यह चैनल अपनी तरह का अनोखा भक्ति गायन रियलिटी शो ह्यस्वर्ण स्वर भारतह्य लेकर आ रहा है। यह शो भारतीय मूल्यों का उत्सव मनाएगा और कुछ रोचक एवं अपनी-सी लगने वाली कहानियों के एक अनोखे संगम के जरिए हमें अपनी जड़ों तक ले जाएगा, जिन्हें अंतरे और भावपूर्ण भक्ति संगीत के माध्यम से सामने लाया जाएगा, और जो देश की आबादी के दिलों तक पहुंचेंगी। फैथम पिक्चर्स और कैलासा एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के द्वारा प्रोड्यूस किया गया ह्यस्वर्ण स्वर भारतह्य, माननीय प्रधानमंत्री की नेक पहल ह्यआजादी का अमृत महोत्सवह्य - भारत की आजादी की 75वीं वर्षगांठ के मौके पर एक विनम्र योगदान है। यह कार्यक्रम दुनिया भर में हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का उत्सव मनाएगा। इस शो को प्रमोट करने के लिए स्वर्ण स्वर भारत के एक जज और सिंगर कैलाश खेर वाराणसी पहुंचे और वहां काशी फिल्म फेस्टिवल में अपनी लाइव परफॉर्मेंस से जनता को मंत्रमुग्ध कर दिया। काशी फिल्म फेस्टिवल एक 3 दिवसीय फिल्म महोत्सव है, जो माननीय प्रधानमंत्री की अभिनव पहल - आजादी का अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में पहली बार वाराणसी में आयोजित किया जा रहा है। इस फेस्टिवल में ना सिर्फ हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत एवं नृत्य की झलक प्रस्तुत की जाएगी, बल्कि इसमें प्रसिद्ध दार्शनिक कवियों, लेखकों, संगीतकारों और बनारस घराने की यादें ताजा की जाएंगी। पद्मश्री कैलाश खेर ने 27 दिसंबर को काशी फिल्म फेस्टिवल में लाइव परफॉर्म किया और सभी को अपने सुरों से सराबोर कर दिया, जहां उन्होंने सैंया, तेरी दीवानी और जय जयकारा जैसे अपने मशहूर गाने प्रस्तुत किए। ये जाने-माने म्यूजिशियन अपने आगामी शो स्वर्ण स्वर भारत को प्रमोट करते भी नजर आएंगे, जो भक्ति गीतों के दौर को वापस ला रहा है। इस शो के जज और को-प्रोड्यूसर के रूप में कैलाश खेर ने वाराणसी के डॉक्टर संपूणार्नंद स्पोर्ट्स स्टेडियम, सिगरा में भारी भीड़ के सामने लाइव परफॉर्म किया। इस लाइव शो के अलावा, कैलाश खेर ने मीडिया और स्थानीय लोगों के साथ चर्चा की और साथ ही वाराणसी के पारंपरिक और स्थानीय व्यंजनों का लुत्फ भी उठाया। कैलाश खेर बताते हैं, ह्यह्यअपनी तरह के पहले काशी फिल्म फेस्टिवल में परफॉर्म करना मेरे लिए बेहद खुशी और सम्मान की बात है, जो हमारे शो स्वर्ण स्वर भारत की तरह प्रधानमंत्री की अनूठी पहल - आजादी का अमृत महोत्सव को एक विनम्र योगदान है। यह पहल भारत की आजादी की 75वीं वर्षगांठ पर हमारी समृद्ध संस्कृति और हमारी तमाम उपलब्धियों का उत्सव मनाती है।

पूर्वांचल क्रिकेट एसोसिएशन ने किया पत्रकार वार्ता उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के कार्यशैली पर जताया अपत्ति

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। प्रेस क्लब वाराणसी में पूर्वांचल क्रिकेट एसोसिएशन की तरफ से प्रेसवार्ता का आयोजन किया गया` प्रेसवार्ता के दौरान एसोसिएशन अध्यक्ष अंशुल शर्मा, सचिव एस.एम.अरशद, निर्देशक दिव्य नौटियाल एवं जावेद कमाल उपस्थित रहे क्रिकेट के केंद्रीय व राज्य स्तर पर पूर्वांचल क्षेत्र के खिलाड़ियों की वर्षों से हो रही अनदेखी को लेकर उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के कार्यशैली पर अपनी अपत्ति जताई। पत्रकारों से बातचीत के दौरान पूर्वांचल क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष अंशुल शर्मा ने बताया कि पूर्वांचल के विभिन्न क्षेत्रों को जोड़कर देखा जाय तो यह एक बहुत बड़ा क्षेत्रफल हो जाता है पूर्वांचल देश-दुनिया में अपनी प्रतिभा की छाप हमेशा से छोड़ता रहा है` उत्तर प्रदेश के नक्शे पर पिछड़ा कहे जाने वाला पूर्वांचल खेल की

दुनिया में भी समय-समय पर अपनी महारत हासिल करता रहा है। लेकिन क्रिकेट खेल को लेकर इस क्षेत्र को हमेशा से तिरस्कृत ही किया जाता रहा है` क्रिकेट खिलाड़ियों को केंद्रीय स्तर पर उभारने का कार्य की जिम्मेदारी निभाने वाला उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन ने कभी भी पूर्वांचल के खिलाड़ियों को तवज्जो नहीं दिया इसीलिए प्रायः यह देखने को मिलता रहा है कि कई ऐसे प्रतिभावान खिलाड़ी जिन्हें उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन की तरफ से कोई मौका नहीं दिया गया वो किसी न किसी अन्य प्रदेश के क्रिकेट एसोसिएशन की तरफ से खेलकर देश में खूब नाम कमाया। पूर्वांचल क्रिकेट एसोसिएशन के गठन के बारे में बताते हुए एसोसिएशन के सचिव एस. एम. अरशद ने बताया कि वैसे तो हम लोगों ने इस क्षेत्र के खिलाड़ियों के भविष्य से हो रहे खिलवाड़ और उनको उचित स्थान दिलाये जाने को लेकर 2005 से ही अपने प्रयास शुरू कर दिये थे उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा पूर्वांचल के खिलाड़ियों को उनकी योग्यता के अनुसार उचित हक और उसका सम्मान न दिये जाने से व्यथित होकर ही हमने 2019 में पूर्वांचल क्रिकेट एसोसिएशन का गठन किया। साथ ही इस संगठन के प्रारूप को कम्पनी एक्ट में भी रजिस्टर्ड कराया। इसके आलावा पूर्वांचल के समस्त जिला इकाईयों में कार्यरत संगठनों को पूर्वांचल क्रिकेट एसोसिएशन ने अपने साथ सम्बद्ध किया। हालांकि अभी भी हमारी यह कोशिश है कि हम छोटे से छोटे संगठन जो क्रिकेट खेल में रूचि रख रहे हैं या उन तमाम एकेडमिक संस्थाओं को भी पूर्वांचल क्रिकेट एसोसिएशन के साथ जोड़ा जाय, जिससे क्षेत्र के खिलाड़ियों को राष्ट्रीय फलक पर लाने का हमारा प्रयास सफल हो। निदेशक जावेद कमाल का कहना है कि पूर्वांचल क्रिकेट एसोसिएशन पूर्वांचल के समस्त जिलों में पिछले कई वर्षों से ही लगातार खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के साथ साथ क्रिकेट कैम्पों को आयोजन करता रहा है।

धान बेचने में किसानों को लेना पड़ रहा है कर्ज, तीन तरीकों से चूना लगा रहे हैं सचिव

प्रखर केराकत जौनपुर। सरकार किसानों के धान खरीदने के लिए चाहे जितने सुविधाओं की बढ़ोत्तरी कर दे लेकिन किसान पुरानी व्यवस्था पर ही धान बेचने को मजबूर है। समितियों के सचिव धान खरीदने में आनाकानी कर रहे है,जिसका लाभ उठाकर बिचौलिए किसानों की मजबूरी का फायदा उठाकर धन कमा रहे हैं। अगर किसान समिति पर धान लेकर जाता है तो उसे 50 से 60 रुपए प्रति कुन्तल के हिसाब से तौलाई देनी पड़ रही है और किसान को यह तौलाई देने के लिए साहूकारों से कर्ज ले रहा है। मंगलवार को सहकारी समिति पर धान बेचने पहुंचे किसानों को जब तौलाई देने के नाम प्रति कुन्तल 50 से 60 रुपए की बात हुई तो किसान आक्रोशित हो उठे और प्रदर्शन कर विरोध जताया। प्रदर्शन करते हुए किसानों में सर्की के प्रेमप्रकाश यादव ने बताया कि आठ दिनों से ट्रैक्टर पर धान लेकर प्रतिदिन आता हूं, लेकिन धान नहीं लिया जाता है और वापस घर चला जाता हूं। आज जब तौलाई की बारी आई तो प्रति कुन्तल पहले 60 रुपए की मांग हुई बाद में उसे 50 रूपया कर दिया गया। अब बीस कुन्तल धान बेचने के लिए एक हजार रुपए कर्ज लूं तो धान तौलाई होगी। वहीं मौजूद किसान श्यामबहादुर सिंह ने बताया कि धान लेने के नाम पर सचिव द्वारा लूट की जा रही है। बोरी में चालीस

किलो की जगह पर 41 किलो 500 लिया जा रहा है, उसके बावजूद धान गीला बताकर प्रति कुन्तल आठ किलो की कटौती की जा रही है। यहां पर न तो किसी प्रकार की जांच की जाती न ही कार्रवाई तो किसान अपने धान को यहीं बेचने पर मजबूर है। ऐसे में मन खिन्न हो जाता है कि अब खेती ही न करूं। प्रदर्शन करने वाले किसानों सन्तोष यादव, सन्दीप सिंह, रिंकन सिंह, धर्मराज, आजाद, छोटई कल्लू यादव आदि रहे।

संक्षिप्त खबरें

जनता परेशान नौकरी नही होने के कारण बढ़ रही बेरोजगारी - घनश्याम बिन्द

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। समाजवादी पार्टी के रोहनिया विधानसभा अध्यक्ष पिछड़ा वर्ग घनश्याम बिन्द ने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा की वर्तमान सरकार सिर्फ मीडियाबाजी कर रही है. जनता परेशान है.रोजगार नही मिल रहा है.बेरोजगारी बढ़ती जा रही है.जिस कारण महंगाई भी बढ़ चुकी है.घनश्याम बिन्द ने कहा की अगर 2022 मे हमारी सरकार उत्तर प्रदेश मे आती है.तो सबसे पहले लोगों को मिलेगा रोजगार दी जाएगी नौकरी जिससे की मंहगाई घट सके` कोरोना काल मे आक्सीजन की कमी से लोगों को काफी समस्याओं का सामना करना पड़ा था उसको भी हमारी सरकार दुर करने का काम करेगी राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है.की 300सौ यूनिट बिजली सभी घरो मे मुफ्त मे मिलेगी जिससे लोगों को सुविधा मिल सकेगा` हीरालाल बिन्द ने भी बताया की अगर हमारी सरकार आती है.तो जनता की अपेक्षाओं को पूरा करने का पूरा पूरा प्रयास किया जाएगा जनता की सुविधाओ का विशेष सुविधा मुहैया करायी जाएगी।

फिल्म अयोध्या से मिथिला होगी बेहतरीन म्यूजिकल फिल्म - मुन्ना दुबे

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। बॉलीवुड म्यूजिक डायरेक्टर मुन्ना दुबे ने साल 2022 में आ रही फिल्म अयोध्या से मिथिला को एक शानदान म्यूजिक फिल्म बताया। उन्होंने कहा कि यह फिल्म अपने आप में अनोखी होगी। अभी हाल ही में इस फिल्म का मुहूर्त हुआ है। फिल्म की शूटिंग अगले साल 25 फरवरी से होगी, लेकिन फिल्म को लेकर सारी तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। इस फिल्म में गाने एक से बढ़ कर एक होने वाले हैं। मुन्ना दुबे ने बताया कि फिल्म अयोध्या से मिथिला का टायटल ट्रेक अभी हाल ही में मशहूर बॉलीवुड सिंगर उदित नारायण ने गाया है। उनके साथ हमने पहले भी काम किए हैं। हमारी जोड़ी काफी अच्छी बनती है। उनके साथ काम करके हर बार मजा आता है। इस फिल्म में भी उनकी आवाज से दर्शक खुद को मंत्रमुग्ध किये बिना नहीं रह पाएंगे। फिल्म के बांकी गाने भी बेहद सुरीले हैं। इस फिल्म की पटकथा जितनी मजबूत है, फिल्म का संगीत भी उतना ही स्ट्रांग है` इसलिए आप हमारी फिल्म और संगीत को जरूर प्यार व आशीर्वाद दीजिएगा। आपको बता दें कि मुन्ना दुबे की इस फिल्म के निमार्ता झ्र निर्देशक धीरेंद्र कुमार झा हैं। लेखक ओम प्रकाश यादव हैं। फिल्म में कुणाल तिवारी मुख्य भूमिका में हैं।

भाभी ने देवर को जान से मरने की नियत से खाने में पीस कर मिलाया शीशा

प्रखर खेतासराय जौनपुर। स्थानीय थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम चकमारूफपुर सभा में कार्तिक नामक लड़के के बचपन में ही माता पिता का साया उठ जाने की वजह से बड़े भाई और भाभी के साथ रहता है। बच्चे के अनुसार खाने पीने को लेकर भाभी द्वारा हमेशा ताना मरती रहती थी। जानकारी के अनुसार मंगलवार की सुबह भाभी ने जान से मारने की नियत से शीशे को पीसकर खाने में मिला दिया। जब सीसा हाथ और मुंह में चुभने लगा तो बच्चे ने देखा खाने में शीशे का टुकड़ा मिला हुआ था। उसने जब इस बात को बड़े भाई गणेश से बताया तो पास पड़ोस के लोग जुट गए । बड़े भाई ने अपनी पत्नी को सरायख्वाजा थाना क्षेत्र अंतर्गत एक गांव में ले जाकर पहुंचा दिया। फिलहाल बच्चा छोटा होने की वजह से पुलिस से शिकायत नहीं की।

हैदर गुड्डू सपा अल्पसंख्यक सभा के प्रदेश सचिव नियुक्त

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। विधान सभा चुनाव के पूर्व सपा अपने मूल मतदाताओ को संगठन मे नई जिम्मेदारी देते हुए अल्पसंख्यक सभा की कमेटी का विस्तार किया है । अल्पसंख्यक सभा के प्रदेश अध्यक्ष शकील नकवी ने लल्लापुरा निवासी हैदर गुड्डू को राज्य कार्यकारिणी मे प्रदेश सचिव नियुक्त किया है हैदर गुड्डू पूर्व मे अल्पसंख्यक सभा के महानगर अध्यक्ष भी रह चुके है। अल्पसंख्यक सभा के प्रदेश सचिव पद पर अभी विगत दिनो दालमंडी निवासी युवा नौजवान दिलशाद अहमद डिल्लू को भी अल्पसंख्यक सभा प्रदेश सचिव नियुक्त किया गया है। हैदर "गुड्डू को प्रदेश सचिव नियुक्त किए जाने पर सपा महानगर अध्यक्ष विष्णु शर्मा ने प्रसन्नता व्यक्त किया है बधाई देने वालो मे प्रमुख रुप से सपा जिलाध्यक्ष सुजीत यादव उर्फ लक्कड़ , एम एल सीआशुतोष सिन्हा;महानगर अध्यक्ष विष्णु शर्मा,पूर्व विधायक अब्दुल समद अंसारी,महानगर उपाध्यक्ष अनवारुल हक अंसारी, महानगर महासचिव जितेन्द्र यादव,महानगर उपाध्यक्ष ईरशाद अहमद राइन,जुबैर खान,हारून अंसारी,महानगर उपाध्यक्ष रिजवान अंसारी, पूर्व पार्षद नासिर जमाल, वरिष्ठ नेता नासिर भाई, अल्पसंख्यक सभा महानगर अध्यक्ष जावेद अंसारी, अशफाक अहमद "डब्लू आदि लोगो ने बधाई दिया है।

प्रखर पूर्वांचल
RNIUPHIN/2016/68754
मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोड: 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित
सम्पादकीय कार्यालय: 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोड: 233001
सम्पर्क सूत्र: 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802
सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।
ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com
सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं